डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 23.06.2025 से 29.06.2025

▶ वर्ष-42 ▶ अंक-26 ▶ मूल्य ₹ 10.00

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवास पर हुए राज्य स्तरीय गौशाला सम्मेलन को किया संबोधित

मध्यप्रदेश को बनाएंगे देश की डेयरी केपिटल दुग्ध उत्पादन पांच गुना करने का लक्ष्य

- पशुपालन एवं डेयरी विभाग अब पशुपालन, डेयरी एवं गौपालन विभाग होगा।
- गौशालाओं को 90 करोड़ रुपये की अनुदान राशि की अंतरित।
- राज्य सरकार ने लिया गौ-माता का दूध खरीदने का निर्णय।
- उत्कृष्ट गौशालाएं और गौ सेवियों को किया पुरस्कृत।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गौमाता का पूजन और गौ पालकों का सम्मान करते हुए

भोपाल, मध्यप्रदेश को देश की डेयरी केपिटल बनाएंगे। पशुपालन एवं डेयरी विभाग का नाम पशुपालन, डेयरी और गौपालन विभाग होगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास परिसर में हुए राज्य स्तरीय गौशाला सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। एक दिवसीय इस सम्मेलन में प्रदेश भर से आए गौ-पालकों और गौ-शाला संचालकों ने उत्साह से भागीदारी की। मुख्यमंत्री ने गौ-शालाओं को 90 करोड़ रुपए की अनुदान राशि अंतरित सिंगल क्लिक से की। सम्मेलन में भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के तीन हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप ऋण स्वीकृति आदेश भी दिए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश को देश की दुग्ध राजधानी बनाना है, राज्य शासन द्वारा इसके लिए अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। पूरा प्रदेश वनों से आच्छादित है। वर्ष 2002-03 तक पशुपालन विभाग का बजट सिर्फ 300 करोड़ रुपये था, जो बढ़कर अब 2600 रुपये करोड़ हो गया है। किसी समय प्रदेश में फैट मात्रा के अनुसार दूध खरीदने की व्यवस्था लागू की गई थी।

राज्य सरकार ने लिया गौ-माता का दूध खरीदने का निर्णय

राज्य सरकार ने अमृत समान गौ-माता का दूध खरीदने का निर्णय लिया है, ताकि गौ-पालकों तक लाभ पहुंचे। दूध उत्पादन पांच गुना करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गाय का दूध सम्पूर्ण आहार है। राज्य में हाईटेक गौशालाएं संचालित हो रही हैं। सरकार का अर्थ ही यह है कि गरीबों के जीवन से कष्टों का नाश हो और सुख का मार्ग प्रशस्त हो। राज्य सरकार ने गौशाला संचालन के लिए अनुदान राशि 20 रुपए से बढ़कर 40 रुपए प्रति गाय प्रतिदिन की है।

राज्य सरकार ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड से अनुबंध किया है। प्रदेश का दूध उत्पादन पांच गुना करने का लक्ष्य है। वर्तमान में प्रदेश में साढ़े पांच करोड़ लीटर दूध उत्पादित होता है और इसमें से लगभग आधा घरेलू उपयोग और शेष मार्केट तक पहुंचता है। फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर प्रदेश में दुग्ध से समृद्धि के लिए नई योजनाएं बना रहे हैं। दुग्ध उत्पादन और संकलन के कार्य को व्यवस्थित बनाने के लिए समितियों की संख्या भी 9 हजार से बढ़कर 26 हजार करने का संकल्प है।

प्राकृतिक खाद से उत्पादित अनाज को मिलेगा अधिक भाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुपालन विभाग का नाम बदल कर अब इसे पशुपालन के साथ गोपालन विभाग भी कहा जाएगा। गौ- माता को सम्मान देते हुए इस विभाग के माध्यम से कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जाएंगी। डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना में गाय के पालन के लिए अनुदान दिया जा रहा है। गाय के गोबर से किसान खाद बनाएं, सरकार प्राकृतिक खाद से उत्पादित अनाज का ज्यादा भाव देगी। वर्तमान में इंदौर, देवास, रीवा एवं कुछ अन्य जिलों में गौ-शालाओं के माध्यम से सीएनजी गैस का उत्पादन किया जा रहा है।

किसानों को रसायन मुक्त प्राकृतिक और जैविक खाद

किसानों को रसायन मुक्त प्राकृतिक और जैविक खाद उपलब्ध हो रही है। बड़ी गौशाला खोलने के लिए राज्य सरकार 125 एकड़ जमीन प्रदान करेगी। सम्मेलन में 7 गौ-शालाएं पुरस्कृत हुई हैं और गौ सेवी को भी सम्मानित किया गया। यह भोपाल, दमोह, अनूपपुर, रायसेन, छिंदवाड़ा, हरदा और विदिशा जिलों के हैं। कार्यक्रम में 73 गौशालाओं को पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

गौ-माता के सम्मान के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों पर घायल होने वाली गौमाता को गौशाला में पहुंचाएंगे। गौ माता अपने कष्ट निवारण के लिए सड़क पर बैठती है, क्योंकि हमने उसे ऐसे ही छोड़ दिया है। वर्षाकाल में मच्छरों और कीड़ों से बचाव के लिए गाय और अन्य मवेशी सड़कों तक बैठने के लिए आ जाते हैं, क्योंकि वाहनों के आवागमन से हवा चलने पर उन्हें कष्ट से मुक्ति मिलती है।

भारत को सिकल सेल मुक्त बनाने के लिए करें कार्य

नई दिल्ली, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 'विश्व सिकल सेल रोग जागरूकता दिवस' पर मध्यप्रदेश सरकार के प्रयास की सराहना की है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने अपने संदेश में कहा कि विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए यह बहुत जरूरी है कि सभी देशवासी स्वस्थ हों। स्वस्थ नागरिक ही अपने जीवन, अपने राज्य और हमारे देश की प्रगति में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। उन्होंने भारत को सिकल सेल एनीमिया मुक्त बनाने के लिए सभी भागीदारों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया है। राष्ट्रपति ने 'विश्व सिकल सेल रोग जागरूकता दिवस' पर हुए कार्यक्रम के लिये प्रदेश सरकार की सराहना की है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करने वाली सिकल सेल एनीमिया, भारत में जनजातीय आबादी को विशेष रूप से प्रभावित करती है। इसके विरुद्ध दृढ़ संकल्प के साथ लड़ने की दिशा में इस दिवस का मनाया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है।

सिकल सेल से होते रहे परेशान

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि दशकों से हमारे आदिवासी समुदाय और पिछड़े क्षेत्रों में कई लोग सिकल सेल एनीमिया का कष्ट झेलते रहे हैं। बीमारी के एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक प्रसार को रोकने के लिए समुदाय स्तर पर स्क्रीनिंग जांच द्वारा पहचान कर जेनेटिक काउंसलिंग एवं प्रबंधन आवश्यक है। वर्ष 2047 तक भारत को सिकल सेल एनीमिया से मुक्ति दिलाने का राष्ट्रीय संकल्प इसे जड़ से समाप्त करने की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया मुक्ति मिशन के अंतर्गत सिकल सेल एनीमिया से प्रभावित लोगों के लिए एकीकृत उपचार केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जहां पर रोगियों को आवश्यक औषधियां निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं।

सामूहिक भागीदारी से होगा सिकल सेल का उन्मूलन

बड़वानी, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने विश्व सिकल सेल दिवस पर बड़वानी में राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सिकल सेल के उन्मूलन के लिए सबकी भागीदारी आवश्यक है। सबके विश्वास, साथ और प्रयासों से ही रोग का उन्मूलन होगा। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जनजातीय जीवन के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए समर्पित और संवेदनशील व्यक्तित्व हैं। उनके नेतृत्व में भारत में जनजातीय कल्याण का स्वर्ण युग चल रहा है।

प्रधानमंत्री को साइप्रस का सर्वोच्च सम्मान मिलने पर बधाई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को साइप्रस के राष्ट्रपति श्री निकोस क्रिस्टोडौलिडेस द्वारा साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान "ग्रांड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ माकारिओस थर्ड" से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक अभिनंदन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी को साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया जाना 140 करोड़ भारतीयों के लिए गर्व एवं स्वाभिमान का विषय है। यह विश्व मित्र भारत का सम्मान है। मुख्यमंत्री ने इस अमूल्य एवं अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए प्रदेशवासियों की ओर से भी प्रधानमंत्री श्री मोदी का हार्दिक अभिनंदन किया है।

दीपावली से बहनों को प्रतिमाह मिलेंगे 1500 रुपये - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में लाड़ली बहनों को बड़ी सौगात दी। उन्होंने कहा कि आगामी दीपावली से लाड़ली बहना योजना के तहत हितग्राही बहनों को 1500 रुपये प्रति माह की राशि नियमित दी जायेगी। उन्होंने कहा कि अभी वर्तमान में योजना के तहत 1250 रुपये प्रति माह की राशि लाड़ली बहनों को दी जा रही है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत अगले महीने प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन मनाने के लिए 250 रुपए की अतिरिक्त राशि उनके बैंक खाते में भेजी जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम दिवस पर रतलाम में होगा 'एमपी राइज-2025'

भोपाल, अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम दिवस पर 27 जून को रतलाम के शहीद स्मारक मैदान में 'रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव' – "एमपी राइज-2025" का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रदेश में औद्योगिक निवेश, कौशल विकास और स्वरोजगार को एक समग्र मंच प्रस्तुत करेगा। इस समेकित पहल से मध्यप्रदेश में निवेश, कौशल विकास और स्वरोजगार के नए आयाम स्थापित होंगे और राज्य की आर्थिक प्रगति को स्थाई व समावेशी दिशा मिलेगी। प्रदेश में औद्योगिक बुनियादी ढांचे के विस्तार के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। तीन नए हवाई अड्डों के निर्माण के साथ मध्यप्रदेश अब आठ परिचालन एयरपोर्ट्स वाला राज्य बन गया है। इंदौर मेट्रो सेवा ने यातायात के स्वरूप को

बदल दिया है, वहीं भोपाल मेट्रो के शीघ्र प्रारंभ होने से राजधानी में सार्वजनिक परिवहन और भी सुदृढ़ होगा। फ्लायओवर, औद्योगिक कॉरिडोर तथा राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों के विकास से कनेक्टिविटी व्यापक रूप से सुदृढ़ हुई है, जिससे उद्योगों और निवेशकों को बेहतर सुविधा और त्वरित पहुंच सुनिश्चित हो सकी है।

नई तकनीक और व्यवसायिक प्रशिक्षण की जानकारी

एमपी राइज-2025 कॉन्क्लेव में औद्योगिक इकाइयों का भूमि-पूजन एवं औद्योगिक पार्कों तथा कौशल प्रशिक्षण केंद्रों का लोकार्पण होगा। साथ ही विभागों और उद्योग जगत के प्रतिनिधि एमओयू के माध्यम से निवेश प्रस्तावों को तेजी से कार्यान्वित करने की दिशा में प्रतिबद्धता व्यक्त करेंगे। चयनित युवाओं को जॉब-ऑफर लेटर प्रदान किए जाएंगे तथा महिला उद्यमियों और ग्रामीण स्वरोजगार समूहों को प्रारंभिक पूंजी सहायता वितरित की जाएगी, जिससे वे व्यवसायिक योजना को तुरंत अमल में ला सकें। कॉन्क्लेव में नवीनतम तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी और हितग्राहियों के साथ संवाद किया जाएगा। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट एवं जीआई टैग वाले उत्पादों की प्रदर्शनी में प्रत्येक जिले के प्रतिष्ठित उत्पाद का प्रदर्शन किया जाएगा।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

14 जून

भारत में सिंगापुर से सबसे ज्यादा आ रहा एफडीआई

● भारत में अब मॉरीशस की जगह सिंगापुर से सबसे ज्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

(एफडीआई) आ रहा है। आईटी सॉफ्टवेयर-हार्डवेयर के साथ-साथ इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी निर्माण गतिविधियों जैसे क्षेत्रों में विदेशी निवेश में जोरदार वृद्धि देखी गई, जो देश की आर्थिक प्राथमिकताओं और वैश्विक निवेश ट्रेंड को दिखाता है। देश में वर्ष 2000 से मार्च 2025 तक कुल 62 लाख करोड़ रुपये का एफडीआई आया। अगर इसमें कंपनियों के दोबारा लगाए गए मुनाफे और दूसरी पूंजी जोड़ दें तो यह आंकड़ा करीब 92 लाख करोड़ रुपये हो जाता है। कुल एफडीआई में 85 प्रतिशत हिस्सेदारी सिर्फ 12 देशों की है। इसमें सिंगापुर, मॉरिशस और अन्य देशों से बड़ी हिस्सेदारी की है।

● सरकार जल्द ही ऐसा नियम लागू करने जा रही है, जिससे सभी कानूनी, व्यावसायिक, डिजिटल और प्रशासनिक कामों में भारतीय मानक समय (आईएसटी) का उपयोग अनिवार्य हो जाएगा। उपभोक्ता मामलों के मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि इससे डिजिटल लेनदेन सुरक्षित होंगे, बिलिंग में सटीकता आएगी और साइबर अपराध कम होंगे।

15 जून

क्विक कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा विरोधी प्रैक्टिस की हो रही जांच

● भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने पहली बार क्विक कॉमर्स कंपनियों के

खिलाफ प्रतिस्पर्धा-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोपों की प्रारंभिक जांच शुरू की। ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रिब्यूटर्स फेडरेशन (एआईसीपीडीएफ) की शिकायत के बाद यह कदम उठाया गया है। इसमें बंडल टेक्नोलॉजीज (ब्लिंकिट की मूल कंपनी), ब्लिंक कॉमर्स और जेप्टो मार्केटप्लेस जैसी कंपनियों पर भारी छूट देने और विशेष समझौतों के जरिये बाजार में अनुचित प्रतिस्पर्धा पैदा करने का आरोप है। यह जांच इन तेजी से बढ़ते ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के खिलाफ नियामक कार्रवाई की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। एआईसीपीडीएफ के अध्यक्ष धैर्यशील पाटिल का कहना है कि क्विक कॉमर्स कंपनियों द्वारा नियमों का उल्लंघन करके बिजनेस में एकाधिकार स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। ये कंपनियां अपने पास बड़ी मात्रा में कैश रिज़र्व होने का फायदा उठाकर लागत मूल्य से भी कम दाम पर प्रोडक्ट बेच रही हैं, जिससे आम किराना संचालकों का बिजनेस ठप हो रहा है।

● बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी। इनमें ऐसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के लिए एक अलग स्वैच्छिक डी लिस्टिंग फ्रेमवर्क शुरू करने का फैसला शामिल है, जहां सरकार की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से ज्यादा है। इसके साथ ही, बोर्ड ने उन विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए अनुपालन नियमों को आसान बनाने का भी निर्णय लिया है जो केवल भारतीय सरकारी बॉन्ड में निवेश करते हैं। अब स्टार्टअप कंपनियों के प्रमोटर आईपीओ से एक साल पहले दिए गए ईसोप (कर्मचारी स्टॉक विकल्प) को बनाए रख सकेंगे। साथ ही, लिस्टेड कंपनियों के क्यूआईपी प्लेसमेंट डॉक्यूमेंट की सामग्री को सरल और तर्कसंगत बनाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

16 जून

विश्व के शीर्ष 10 में भारत के चार स्कूल शामिल

● भारत के चार स्कूलों को वर्ल्ड्स बेस्ट

स्कूल प्राइज 2025 के लिए शीर्ष-10 फाइनलिस्ट में शामिल किया गया है। ये पुरस्कार ब्रिटेन की संस्था टी-4 एजुकेशन द्वारा दिए जाते हैं, जो शिक्षा के क्षेत्र में स्कूलों के योगदान को सम्मानित करने के लिए हर प्रत्येक वर्ष आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक और उत्तरप्रदेश के स्कूलों को अलग-अलग श्रेणी में फाइनलिस्ट चुना गया है। इन पुरस्कारों की घोषणा अक्टूबर में की जाएगी। विजेता स्कूलों को बेस्ट स्कूल टू वर्क प्रोग्राम की सदस्यता भी मिलेगी, जिससे वे अच्छे शिक्षकों को बनाए रख सकें। उल्लेखनीय है कि फरीदाबाद के गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एनआईटी-5 को 'सपोर्टिंग हेल्दी लाइव्स' कैटेगरी में फाइनलिस्ट चुना गया है। यह स्कूल पोषण, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को शिक्षा से जोड़कर जोखिम में रहने वाली लड़कियों की जिंदगी बदल रहा है।

● आंध्रप्रदेश के ऑलूरी सीताराम राजू जिले में सुरक्षा बलों ने नक्सली संगठन के तीन वरिष्ठ नेताओं को मार गिराया। इनमें आंध्र-ओडिशा सीमा के विशेष जोनल कमेटी के सचिव उदय, पूर्वी क्षेत्र की सचिव अरुणा और एक अन्य सदस्य शामिल हैं। पुलिस के अनुसार यह मुठभेड़ आंध्र-ओडिशा सीमा क्षेत्र में हुई। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में इन माओवादियों को ढेर किया गया। उधर महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर चार कट्टर माओवादी मारे गए।

17 जून

स्कैम रोकने के लिए गूगल ने लॉन्च किया नया सेफ्टी चार्टर

● दिल्ली में आयोजित 'सेफर विद गूगल इंडिया' समिट में गूगल ने नया सेफ्टी चार्टर

लॉन्च किया। इसका उद्देश्य साइबर सुरक्षा को मजबूत करना, स्कैम रोकना और एआई को जिम्मेदारी से विकसित करना है। गूगल का दावा है कि उसके सुरक्षा उपायों से पिछले साल 13 हजार करोड़ रुपये की वित्तीय ठगी रोकी गई। 'डिजिकवच' प्रोग्राम के तहत छह करोड़ खतरनाक ऐप डाउनलोड कोशिशों को रोका गया। गूगल पे ने चार करोड़ से ज्यादा स्कैम ट्रांजेक्शन अलर्ट जारी किए। गूगल सर्च की स्कैम वेबसाइट पकड़ने की क्षमता 20 गुना बढ़ी है। गूगल का सेफ्टी चार्टर सिर्फ आम यूजर्स की सुरक्षा तक सीमित नहीं है। कंपनी एआई की मदद से सॉफ्टवेयर में मौजूद कमजोरियों को पहचानने पर काम कर रही है।

● नए शोध ने चेतावनी दी है कि बढ़ते तापमान से नींद से जुड़ा गंभीर रोग स्लीप एपनिया (नींद के दौरान सांस रुकना) ज्यादा लोगों को प्रभावित कर सकता है। नेचर कम्युनिकेशंस जर्नल में प्रकाशित फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी के अध्ययन के मुताबिक, अगर ग्लोबल वॉर्मिंग ऐसे ही जारी रही तो वर्ष 2100 तक स्लीप एपनिया का बोझ दोगुना हो सकता है। 41 देशों के लोगों की 6.2 करोड़ से ज्यादा रातों की नींद का डेटा विश्लेषण में पाया गया कि गर्म दिनों में ओएसए का खतरा 45 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें सोते समय सांस बार-बार रुकती है। स्लीप एपनिया एक सामान्य लेकिन गंभीर नींद संबंधी विकार है, जिसमें व्यक्ति की सांस बार-बार रुकती और शुरू होती है। इसका सबसे आम रूप ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया है, जिसमें गले की मांसपेशियां ढीली होकर सांस की नली को आंशिक या पूर्ण रूप से बंद कर देती हैं।

18 जून

दिमागी तरंगों को शब्दों में बदलने वाला एआई मॉडल तैयार

● ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिक एक ऐसा एआई सिस्टम बना रहे हैं, जो दिमाग की तरंगों को

पढ़कर उन्हें शब्दों में बदल देता है। यानी अब सोच को बिना बोले ही टेक्स्ट में बदला जा सकेगा। इलेक्ट्रोएंसेफेलोग्राम (ईईजी) का इस्तेमाल ब्रेन से जुड़ी बीमारियों की पहचान के लिए करते हैं, लेकिन सिडनी की यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ता इसका इस्तेमाल सोच को पढ़ने के लिए कर रहे हैं।

● वैज्ञानिकों ने एक नया टू-डी कार्बन मटेरियल तैयार किया है, जो अब तक के सबसे मजबूत मटेरियल ग्रेफीन से भी आठ गुना ज्यादा मजबूत है। राइस यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने इसे मोनोलियर अमॉर्फस कार्बन (एमएसी) नाम दिया है। यह एक एटम जितना पतला है और इसमें क्रिस्टलाइन और डिसऑर्डर्ड दोनों तरह के स्ट्रक्चर शामिल हैं।

19 जून

पेरिस एयर शो में भारत की ताकत दिखाएगा डीआरडीओ

● रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) पेरिस एयर शो-2025 में

अपनी अत्याधुनिक स्वदेशी रक्षा तकनीकों का प्रदर्शन करेगा। डीआरडीओ ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि वह इस शो में अगली पीढ़ी के मानव रहित विमान, उन्नत एवियोनिक्स और स्वदेशी रक्षा प्रणालियों को प्रदर्शित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भरता को वैश्विक मंच पर दिखाने का एक बड़ा अवसर होगा।

● स्वीडन स्थित थिंक टैंक सिपरी (स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट) की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने वर्ष 2023 से प्रति वर्ष 100 नए परमाणु हथियार जोड़े हैं। अब चीन के पास 600 परमाणु हथियार हो गए हैं। यदि यही रफ्तार जारी रही, तो चीन वर्ष 2035 तक 1500 परमाणु हथियारों तक पहुंच सकता है। सिपरी के अनुसार, चीन ने उत्तर-पश्चिमी रेगिस्तानी इलाकों और पूर्वी पहाड़ियों में करीब 350 नए आईसीबीएम साइलो भी तैयार कर लिए हैं।

20 जून

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भारत के 54 संस्थान शामिल

● क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में भारत के 54 संस्थानों को जगह मिली

है। अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और चीन के बाद भारत विश्व में चौथा सबसे अधिक प्रतिनिधित्व वाला देश बन गया है। इस लिस्ट में सबसे ऊपर आईआईटी दिल्ली है, जिसे 123वां स्थान मिला है। आईआईटी दिल्ली को एम्प्लॉयर रेप्युटेशन में 50वां, साइटेशन में 86वां, सस्टेनेबिलिटी में 172वां और एकेडमिक रेप्युटेशन में 142वां स्थान मिला है। यह रैंकिंग अमेरिका के जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के साथ साझा की गई है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि वर्ष 2014 में जहां सिर्फ 11 भारतीय संस्थान इस रैंकिंग में शामिल थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 54 हो गई है।

● अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। फेडरल रिजर्व ने बेंचमार्क लेंडिंग रेट 4.25 से 4.5 प्रतिशत पर स्थिर रखी। हालांकि बैंक ने इस वर्ष के अंत तक ब्याज दरों में दो कटौती की संभावना जरूर जताई है। बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका को महंगाई और धीमी आर्थिक वृद्धि की दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सवाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश के छिन्दवाड़ा, धार, रतलाम, राजगढ़ एवं नीमच में एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालयीन समय में संपर्क करें

0755-2760006

प्रमुख आकर्षण

- कॅरियर की खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

वर्ष 42, अंक 26 23.06.2025 से 29.06.2025

रोज़गार और निर्माण

rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

चम्बल क्षेत्र में घड़ियाल संरक्षण की दिशा में मध्यप्रदेश की सराहनीय उपलब्धि

मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश के वन्य पर्यटन स्थलों के विकास और उन्नति को लेकर निरंतर कार्य कर रही है। भारत में टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल कर चुके मध्यप्रदेश को पिछले दिनों एक नए टाइगर रिजर्व पार्क की सौगात मिली है। शिवपुरी जिले का माधव नेशनल पार्क प्रदेश का 9वां बाघ संरक्षित क्षेत्र घोषित किया जा चुका है, जो चंबल क्षेत्र में वन्य जीव प्रेमियों के लिए पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। वन्य क्षेत्रों में लगातार पर्यटकों की विकास सुविधाओं में हो रही बढ़ोत्तरी से चंबल रेंज में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि तो हुई साथ ही स्थानीय युवाओं को रोज़गार-स्वरोज़गार के अवसर मिल रहे हैं। एशिया में पहली बार चीते भी चंबल के कूनो नेशनल पार्क में दिखाई दे रहे हैं। चंबल नदी क्षेत्र में घड़ियाल एवं डॉल्फिन प्रोजेक्ट पर भी कार्य चल रहा है। प्रकृति ने मध्यप्रदेश को कई वरदान दिए हैं। सघन वन, वृक्षों की विविधता के साथ ही वन्य-प्राणियों की भी विविधता मध्यप्रदेश में देखने को मिलती है। वनों और वन्य-प्राणियों से मध्यप्रदेश की एक अलग पहचान बनी है। मध्यप्रदेश बाघ, तेंदुआ और घड़ियाल जैसे प्राणियों की सर्वाधिक संख्या वाला प्रदेश है। चीता पुनर्स्थापन करने वाला मध्यप्रदेश एक मात्र प्रदेश है। देश में ही नहीं पूरे विश्व में सर्वाधिक घड़ियाल चंबल नदी में पाए जाते हैं। विश्व में लगभग तीन हजार घड़ियाल हैं, इनमें से 85 प्रतिशत चंबल नदी में हैं। करीब चार दशक पहले घड़ियालों की गणना का कार्य शुरू हुआ, जिससे घड़ियालों के इतनी बड़ी संख्या में चंबल में होने की जानकारियां सामने आई।

राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य द्वारा घड़ियालों के संरक्षण में शानदार उपलब्धि हासिल की गयी है। इस वर्ष अभयारण्य में घड़ियाल प्रजनन का सफल सीजन रहा है। विभिन्न नेस्टिंग साइड पर बड़ी संख्या में मादा घड़ियालों ने घोंसले बनाये। इन घोंसलों से घड़ियाल शिशु को सुरक्षित निकालना प्रारंभ हो चुका है। अभी तक नंदी गाँव में 46 घोंसले, बरौली में 32, बाबू सिंह घेर में 20, डाग वसई में 16, रैड्डी में 7 और भरा में 5 घोंसलों में से घड़ियालों के बच्चों को निकाला जा चुका है। इसके अतिरिक्त अन्य स्थलों पर भी घोंसलों से बच्चे निकल रहे हैं। चम्बल की सहायक नदी कूनो में भी 12 घोंसलों से बच्चे निकल चुके हैं, जो घड़ियालों की बढ़ती उपस्थिति और सफल प्रजनन का संकेत है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व और निदेशक राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य के कुशल मार्गदर्शन तथा फील्ड में कार्यरत वनकर्मियों के अथक प्रयासों से यह सफलता मिली है। घड़ियाल प्रजनन स्थलों की पहचान, घोंसलों का चिन्हांकन और सुरक्षा की पूरी प्रक्रिया में फ्रंटलाइन स्टॉफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वनकर्मियों ने घोंसलों को खोजकर उनके ऊपर काँटे लगाकर उन्हें सियार एवं परभक्षियों से सुरक्षित किया तथा हेंचिंग के समय इन काँटों को सावधानीपूर्वक हटाकर बच्चों को सुरक्षित निकालना सुनिश्चित किया। वन विभाग द्वारा राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य क्षेत्र से 200 घड़ियाल अंडों को एकत्र कर उन्हें घड़ियाल पुनर्वास केन्द्र देवरी भेजा गया। वहां उन्हें विशेष देखरेख में रखा गया। इनमें से 195 अंडों से सफलतापूर्वक बच्चों का जन्म हुआ है, जिनका पालन-पोषण किया जा रहा है। यह समूचा प्रयास चम्बल क्षेत्र में घड़ियाल संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जो वन विभाग के समर्पण, वैज्ञानिक प्रबंधन और स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य को राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल वन्य-जीव अभयारण्य के नाम से भी जाना जाता है। पर्यटकों में यह चंबल बोट सफारी के नाम से प्रसिद्ध है। यह तीन राज्यों मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तरप्रदेश के संयुक्त प्रयासों से एक प्रमुख संरक्षण परियोजना है। मध्यप्रदेश में वर्ष 1978 में इसे वन्य-जीव अभयारण्य के रूप में मान्यता दी गई थी। चंबल घड़ियाल वन्य-जीव अभयारण्य का मुख्य उद्देश्य लुप्तप्राय घड़ियाल, लाल मुकुट वाले छत कछुए और लुप्तप्राय गांगेय डॉल्फिन को संरक्षित करना है। यह अभयारण्य लगभग साढ़े पांच वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। पहाड़ियों और रेतीले समुद्र तटों की तरह चंबल नदी के तटों से यह धरती भरी हुई है। यह वन्य-जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत संरक्षित है और इसका मुख्यालय मुरैना में है।

दुनिया को परमाणु शक्ति दिखाने सोवियत संघ ने 1961 में किया था जार बॉम्बा का परीक्षण

ईरान और इजरायल के बीच चल रहे संघर्ष में दोनों देशों द्वारा विभिन्न प्रकार के खतरनाक हथियारों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ईरान बैलिस्टिक मिसाइलों, हाइपरसोनिक मिसाइल फतेह और कामाकाजे ड्रोन का इस्तेमाल युद्ध में कर रहा है। वहीं इजरायल ने लड़ाकू विमान, ड्रोन, मिसाइल रक्षा प्रणाली आयरन डोम, डेविड्स स्लिंग और एरो सिस्टम का इस्तेमाल किया है। इस संघर्ष में उपयोग किये जा रहे हथियारों ने एक बार फिर बम जार बॉम्बा की स्मृतियों को ताजा कर दिया है। बम जार बॉम्बा दुनिया का सबसे खतरनाक था। यह सोवियत थर्मोन्यूक्लियर बम था और अब तक बनाया और परखा गया सबसे शक्तिशाली परमाणु हथियार था। इसका परीक्षण सोवियत संघ ने 30 अक्टूबर 1961 को आर्कटिक महासागर में नोवाया जेमल्या द्वीप पर किया था। जार बॉम्बा का आधिकारिक नाम एएन-602 था। यह इतना बड़ा था कि कल्पना से भी परे की तबाही मचा सकता था। इसका डिजाइन 100 मेगा टन की शक्ति के लिए किया गया था। लेकिन परीक्षण के दौरान इसकी शक्ति को लगभग 50 मेगा टन तक सीमित कर दिया गया ताकि इसका रेडिएशन बहुत दूर तक न फैले। फिर भी इसके ब्लास्ट से जो ऊर्जा निकली वह हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम से लगभग 3,800 गुना अधिक थी। जब इसका परीक्षण किया गया गया तो विस्फोट से आग का गोला बना जो पांच मील चौड़ा था और मशरूम जैसा बादल 60 किलोमीटर (37 मील) तक वायुमंडल में फैल गया। जहां यह ब्लास्ट हुआ उसके 100 किलोमीटर के दायरे में सब कुछ तबाह हो गया था। 160 किलोमीटर की दूरी तक इमारतें ढह गईं और 275 किलोमीटर तक रेडिएशन को महसूस किया जा सकता था। इसके विस्फोट से इतनी तेज रोशनी निकली कि एक हजार किलोमीटर दूर से भी इसे देखा जा सकता था। सोवियत संघ द्वारा जार बॉम्बा को बनाने का मुख्य उद्देश्य दुनिया को अपनी परमाणु क्षमता दिखाना था। यह युद्ध के दौरान की परमाणु हथियारों की होड़ का एक प्रतीक बन गया। सोवियत संघ का एक ओर उद्देश्य था संभावित दुश्मनों को रोकना और देश की तकनीकी क्षमताओं का प्रदर्शन करना।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के डेढ़ वर्ष का कार्यकाल नवाचारों और उपलब्धियों की नई उड़ान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल को डेढ़ वर्ष पूरा हो गया है। उनका कार्यकाल मध्यप्रदेश में नवाचारों और उपलब्धियों की एक नई उड़ान है। इन डेढ़ वर्षों में मध्यप्रदेश की विकास यात्रा बहुआयामी रही है। एक ओर सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक विरासत को सहेजा गया और दूसरी ओर विकास को नई उड़ान देने के लिये नवाचार भी हुये। इससे मध्यप्रदेश की आय भी बढ़ी और देश-दुनिया में सम्मान भी।

सामान्यतः डेढ़ वर्ष की अवधि किसी सरकार की उपलब्धि और उसके नेतृत्व की क्षमता का आकलन करने के लिये पर्याप्त नहीं मानी जाती। चूँकि किसी सरकार को कामकाज संभालने के साथ समाज के मन मानस और प्रशासन की कार्यशैली को समझने में समय लगता है। पुरानी योजनाओं की उपयोगिता का आकलन, उनके क्रियान्वयन की गति को समझना और फिर नई योजनाओं को लागू करना। इन सबको समझने में समय लगता है। लेकिन यदि नई सरकार और उसका नेतृत्व गतिमान हो, चिंतन व्यापक हो और कार्यशैली व्यवहारिक हो तो एक या डेढ़ वर्ष की अवधि में भी भविष्य की तस्वीर उभर आती है। डॉ. मोहन यादव के मुख्यमंत्रित्व काल का यह डेढ़ वर्ष इन्हीं विशेषताओं के लिये जाना जाता है। यही कारण है कि इस डेढ़ वर्ष की अल्पावधि में ही मध्यप्रदेश की यात्रा ऐसे विकसित स्वरूप की हो गई है, जब भारत विश्व का विकसित राष्ट्र बनेगा तब मध्यप्रदेश देश के विकसित प्रांतों में अग्रणी होगा। इसलिए डॉ. मोहन यादव के प्रत्येक निर्णय में श्री मोदी जी की शैली झलकती है। श्री मोदी जी ने कार्यशैली के लिये एक मंत्र दिया था- 'परफॉर्म, रिफॉर्म और ट्रांसफॉर्म'। इन तीनों की झलक डॉ. मोहन यादव की कार्यशैली में है। इसी के अनुरूप मुख्यमंत्री पद संभालते ही डॉ. मोहन यादव ने दो ऐसे निर्णय लिये जिससे वे पूरे देश में चर्चा में आ गये। पहला निर्णय ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिये अनावश्यक बजने वाले ध्वनि विस्तारक यंत्रों को रोकने का था। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जहां आवश्यक है वहां सीमित आवाज हो और दूसरा निर्णय खुले में मांस बिक्री रोकने का था। अनावश्यक तेज ध्वनि मानसिक तनाव उत्पन्न करती है और यदि मन मस्तिष्क में तनाव है तो उससे कार्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है। यही बिन्दु खुले में मांस बिक्री का है। खुले में रखा हुआ मांस जहां शाकाहारियों के मन को अशांत करता है, तो मांसाहारियों में बीमारी की आशंका को बढ़ाता है। चूंकि खुले में रखे मांस को कीट पतंगें प्रदूषित कर सकते हैं यह भी स्वास्थ्य से ही संबंधित है। यदि तीव्र ध्वनि मन को अशांत नहीं करेगी और शरीर भी स्वस्थ होगा तो व्यक्ति की कार्य क्षमता उत्कृष्ट रहेगी। डॉ. मोहन यादव ने इस आधारभूत चिंतन से अपनी पारी की शुरुआत की। ध्वनि विस्तारक यंत्रों को सीमित किया और खुले में मांस की बिक्री प्रतिबंधित की। डॉ. मोहन यादव के इस निर्णय में उनका 'परफार्म' और 'रिफार्म' दोनों की झलक है।

विकास के लिये स्वस्थ मन और मस्तिष्क के साथ आत्मविश्वास और आत्मगौरव भी आवश्यक है। डॉ. मोहन यादव ने इसके लिये श्री मोदी जी के 'विकास भी विरासत भी' मंत्र को अपनाया। मध्यप्रदेश देश का हृदय प्रांत है। इसका इतिहास बहुआयामी है। यहां प्राकृतिक सौन्दर्य, पुरातात्विक चिह्न, ऐतिहासिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों की अद्भुत विरासत है। डॉ. मोहन यादव ने इन सबको सहेजने का काम अपनी प्राथमिकता में लिया। मध्यप्रदेश की इन गौरवशाली विरासत को सहेजने के लिये अतिरिक्त बजट देकर राम वन गमन पथ के विकास को गति दी, वहीं कृष्ण पाथेय के रूप में विरासत सहेजने का एक नया अध्याय जोड़ा। इसके अंतर्गत उन सभी महत्वपूर्ण स्थानों को जोड़ते हुये एक कॉरिडोर बनाया जा रहा है, जो भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित रहे हैं। मध्यप्रदेश की गौरवमयी विरासत को पूरे संसार के सामने लाने के लिये दिल्ली में विक्रमोत्सव का आयोजन किया। विक्रम संवत् आधारित पंचांग दो हजार वर्ष पुराना यह ऐसा कैलेण्डर है जो आज के वैज्ञानिक अनुसंधान पर भी खरा उतरता है। विक्रमोत्सव के माध्यम से मध्यप्रदेश की इस विशेषता को संसार के सामने लाया गया। मध्यप्रदेश की उज्जैन नगरी यदि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली रही है, तो ओंकारेश्वर आदि शंकराचार्य जी की साधना स्थली रही है। डॉ. मोहन यादव ने इन दोनों स्थलों को साधना स्थल के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इनमें योग साधना से लेकर व्यक्तित्व विकास के आधुनिकतम आयामों के भी सत्र होंगे। भाग-दौड़ से भरी आधुनिक जिन्दगी में कितने प्रकार के तनाव आते हैं जो व्यथित करते हैं। इसके लिये मनोचिकित्सा अथवा किसी शिविर में रहकर मानसिक उन्नयन के लिये प्रदेश से बाहर जाना पड़ता है। यह केन्द्र आरंभ हो जाने के बाद मध्यप्रदेश वासियों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा अपितु अन्य स्थानों के लोग मध्यप्रदेश आयेंगे। डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के 19 धार्मिक स्थलों में शराबबंदी लागू की है। पवित्र धार्मिक स्थलों का वातावरण भी पवित्र होना चाहिए। इसी बात को ध्यान में रखकर इन 19 पवित्र स्थलों में शराब बंदी लागू की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने डेढ़ वर्ष के इस कार्यकाल में जिन विषयों में नवाचार किया उसमें एक महत्वपूर्ण बिन्दु पर्यटन भी है। पर्यटन की दृष्टि से मध्यप्रदेश अपेक्षाकृत अधिक समृद्ध है। यहां प्राकृतिक अभ्यारण्य, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और धार्मिक सभी प्रकार के स्थान हैं। इन डेढ़ वर्षों में इन सभी स्थलों को तीन प्रकार से सुसज्जित किया गया। सबसे पहले तो उन स्थलों के मौलिक स्वरूप को संवारा, दूसरा वहां आने वाले पर्यटकों की सुविधा बढ़ाई और तीसरा पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति और परंपरा से परिचित कराने के लिये 'ग्रामीण रंग पर्यटन संग' सूत्र के अंतर्गत स्थानीय खान-पान और शिल्प कौशल से परिचित कराना। इससे स्थानीय लोगों का मनोबल भी बढ़ा और रोज़गार के अवसर भी बढ़े। इससे पूरे भारत में ही नहीं विदेश में भी मध्यप्रदेश की एक अलग पहचान बनी और वर्ष 2024 में 13.41 करोड़ से अधिक पर्यटक मध्यप्रदेश घूमने के लिये आये।

विरासत सहेजने के इन नवाचारों के साथ डॉ. मोहन यादव ने विकास को गति देने के लिये भी कई नवाचार किये हैं। उनका सबसे पहला नवाचार रीजनल इन्वेस्टर्स समिट और सेक्टर्स कॉन्क्लेव है। इन्वेस्टर्स समिट तो भारत के सभी प्रांतों में आयोजित होते हैं, निवेश भी आते हैं लेकिन रीजनल इन्वेस्टर्स समिट और सेक्टर कानक्लेव आयोजित करने का पहला प्रयोग मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। इस नवाचार से मध्यप्रदेश को 30.77 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले। इसमें लगभग बाइस लाख युवकों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोज़गार के अवसर मिलेंगे। यह निवेश प्रस्ताव केवल औपचारिकता भर नहीं हैं। सरकार इनको आकार देने के लिये भी सचेत हैं। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में हुये समझौतों के अंतर्गत अधिकांश निवेशकों को भूमि का आवंटन भी हो गया है। निवेश संवर्द्धन के लिये 19 नई औद्योगिक नीतियां लॉन्च की जा चुकी हैं। निवेश करारों के अनुरूप औपचारिकता पूर्ति के लिये एकीकृत सिंगल विंडो सिस्टम विकसित किया गया है। ताकि औपचारिकता की पूर्ति में अनावश्यक विलंब न हो। इन निवेश करारों में मध्यप्रदेश की स्थानीय विशेषताओं को भी ध्यान में रखा गया है। मध्यप्रदेश भौगोलिक और प्राकृतिक दृष्टि से भी विविधता वाला भू-भाग है। इसकी झलक कृषि, फल और वनोपज में मिलती है। मध्यप्रदेश सरकार ने अपने निवेश करार में जहां संसार के आधुनिक विकास को ध्यान में रखा है वहीं इस स्थानीय विशेषता को भी ध्यान में रखकर करार किये हैं। इससे स्थानीय उत्पाद और शिल्प को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार मिलेगा। स्थानीय स्तर पर यदि रोज़गार के अवसर मिलेंगे तो इससे पलायन भी रुकेगा।

मध्यप्रदेश को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिये सरकार ने डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना आरंभ की है। इस योजना के अंतर्गत इच्छुक व्यक्ति को 42 लाख रुपये तक का ऋण और 25 से 33 प्रतिशत तक अनुदान दिया जायेगा। यह अपने आप में एक अनूठी योजना है। इससे एक ओर मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनेगा तो दूसरी ओर युवाओं को रोज़गार भी मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल संवर्धन के लिये भी अनेक कार्य अपने हाथ में लिये हैं। एक ओर ठंडे बस्ते में पड़ी नदी जोड़ो परियोजना का काम तेज किया और दूसरी ओर जल संवर्धन के लिये गंगा जल संवर्धन अभियान आरंभ किया। नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत केन-बेतवा लिंक और पार्वती-कालीसिंध-चम्बल परियोजना आरंभ की। इससे धरती का जल स्तर भी सुधरेगा और लोगों को पानी भी उपलब्ध होगा। जबकि 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत मध्यप्रदेश में पंचायत स्तर तक सूखे पड़े कुओं एवं तालाबों को पुनर्जीवित करने के साथ नये कुओं और तालाबों का निर्माण भी किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त वन क्षेत्रों में प्राकृतिक जल संरचनाओं का भी विकास होगा ताकि वन्य जीवों को भी जल मिले और धरती का गिरता जल स्तर भी सुधरे। 90 दिवसीय यह अभियान 30 मार्च को आरंभ किया गया था। इसके अंतर्गत अभियान के 90 लघु एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाएं आरंभ करने की योजना है। इसके अतिरिक्त सरकार ने लघु एवं सीमांत किसानों के लिए 50 हजार नए खेत-तालाब बनाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है।

इन डेढ़ वर्ष में मध्यप्रदेश ने अनेक नवाचार किये जिनकी केन्द्र से सराहना मिली। इन डेढ़ वर्षों में डॉ. मोहन यादव ने जो निर्णय लिये और नवाचार किये उनसे मध्यप्रदेश की गणना तो विकसित और आत्मनिर्भर प्रांतों में होगी। इसके साथ भारत की प्रगति में मध्यप्रदेश का योगदान भी महत्वपूर्ण होगा।

- रमेश शर्मा

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

MADHYA PRADESH INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of M.P. Undertaking/Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (I) Ltd.)

REGIONAL OFFICE, INDORE

101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, INDORE- 452001 (M.P.)

Phone : (0) 0731-2970611, 2971311, 2974363, Fax No. : 0731-2972629

E-mail : ed.roind@mpidc.co.in, Website : www.invest.mp.gov.in, CIN : U51102MP1977SGC001392

No. MPIDC/RO/IND/TECH/25/6629		Date : 16.06.2025

NOTICE INVITING TENDER

Online tenders are invited on behalf of the Executive Director, MPIDC RO Indore, from registered contractors in any State/Central Government/any Government undertaking or reputed firms for the following work. The Tenders would be made available on the e-portal **https://www.mptenders.gov.in.**

Name of Work	Probable Amount of contract (In Lakh)	EMD (In Rs.)	Cost of Tender form (In Rs.)	Last Date of Submission of Tender
Operation and Maintenance including allied activities of Electrical network situated in the area of Pithampur SEZ, Distt. Dhar (M.P.)	453.59	453590/-	17700/-	16.07.2025
Operation and Maintenance (period of 24 months) of street light at I/a Pithampur Sector – 1,2,3 and 5, 6 Distt. Dhar (M.P.)	262.28	262280/-	17700/-	16.07.2025

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portal.

M.P. Madhyam/120653/2025		R-51133/2025		**EXECUTIVE ENGINEER**

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)

(Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (I) Ltd.)

Regional Office, 101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, Indore-452001 (M.P.)

Phone : (0) 0731-2970611, 2974363, 2971311, Fax No. : 0731-2972629

Website : invest.mp.gov.in, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in, CIN : U51102MP1977SGC001392

No. MPIDC/RO/IND/TECH/25/6939		Date :19.06.2025

NOTICE INVITING TENDER

Online tenders are invited on behalf of the Executive Director, MPIDC RO Indore, from registered contractors in any State/Central Government/any Government undertaking or reputed firms for the following work. The Tenders would be made available on the e-portal **https://www.mptenders.gov.in.**

Name of Work	Probable Amount of Contract (in Lakh)	EMD (in Rs.)	Cost of Tender Form (in Rs.)	Last Date of Sub-mission of Tender
Supply, Installation Testing and Commissioning of 33KV 2 Nos. bay at 132KV S/s Natrip, Pithampur and 33KV DCDS line from 132KV S/s Natrip to proposed 33/11KV S/s Sector-6, Pithampur, Distt. Dhar (M.P.)	398.49	398490/-	17700/-	16.07.2025
Supply, Installation Testing and Commissioning of 33/11KV Substation i/c 33KV outgoing line at Sector-6, Pithampur and Extension of 11KV line at I/a Sector-3, Pithampur, Distt. Dhar (M.P.)	292.32	292320/-	17700/-	16.07.2025
Shifting of 132KV DCDS Nimrani Manawar/Dhamnod line from Loc. No. 17 to 26 passing through the plot no. I-1, 2 & 3 at I/a Jetapur-Palasiya, Tehsil Dhamnod, Distt. Dhar (M.P.)	272.75	272750/-	17700/-	16.07.2025

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portal.

M.P. Madhyam/120715/2025		R-51138/2025		**EXECUTIVE ENGINEER (ELECTRICAL)**

IPS Academy, Institute of Business Management & Research, Sanwer

(Approved by AICTE - New Delhi)

REQUIRES

Principal/ Professor/ Associate Professor/ Assistant Professor for

Courses Affiliated to DAVV, Indore (under college code - 28)	Courses Affiliated to RGPV, Bhopal (under college code - 30)
MBA (Full Time) - All Subjects	**MCA**(2-Yrs.) All Subjects
BBA - All Subjects	
BCA - All Subjects	

Apply within 15 days with complete CV to ipsahr.sanwer@ipsacademy.org

Barodiya Khan, Indore Ujjain Road, Sanwer, (MP) - 453551

Call : 62626 14161		**Principal**

R-51140/2025

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

देवास मार्ग, उज्जैन, मध्यप्रदेश-456010

E-mail : regpsvvmp@rediffmail.com

Website : www.mpsvv.ac.in

क्र. म.पा.सं.वि./शोध/25/2080		उज्जैन, दिनांक : 17.06.2025

अधिसूचित किया जाता है कि महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन की विद्यावारिधि (पीएच.डी.) शोध प्रवेश परीक्षा (R.E.T.) 2025-26 के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpsvv.ac.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। विस्तृत विवरण नियम एवं निर्देश हेतु वेबसाइट का अवलोकन करें।

म.प्र. माध्यम/120679/2025		R-51135/2025		**कुलसचिव**

मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण

(मध्यप्रदेश शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास के अधीन)

तृतीय तल, विकास भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल

विज्ञप्ति क्र.7409		**दिनांक : 19.06.2025**

विज्ञप्ति

प्राधिकरण मुख्यालय एवं परियोजना क्रियान्वयन इकाइयों में महाप्रबंधक के 12 रिक्त पदों की पूर्ति हेतु प्रतिनियुक्ति आधार पर अर्हताधारी अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। पूर्णतः भरे हुये आवेदन पत्र जमा करने की **अन्तिम दिनांक 10.07.2025 है।** इस सम्बन्ध में विस्तृत विज्ञप्ति विभागीय वेबसाइट **https://rrda.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। प्राधिकरण द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति को एवं चयन की समस्त प्रक्रिया को किसी भी समय बिना कोई कारण बताये निरस्त किया जा सकेगा।

म.प्र. माध्यम/120726/2025		**मुख्य महाप्रबंधक (प्रशासन)**

R-51139/2025

जनभागीदारी से जल संरक्षण के तेजी से हो रहे हैं काम

भोपाल, प्रदेश में 30 मार्च से शुरू हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गये हैं। जिलों में अब इन कार्यों की समीक्षा की जा रही है। इसी के साथ तालाब गहरीकरण, सोख्ता गड्ढों का निर्माण सहित अन्य कार्य जनभागीदारी से तेज गति से किये जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जल संचयन के कामों के प्रति जनसामान्य को दीवार लेखन सहित अन्य गतिविधियों से जागरूक किया जा रहा है। प्रदेश में आगामी वर्षा के मौसम को देखते हुए जलस्रोतों के आस-पास व्यापक पौधरोपण की योजना भी तैयार की गई है। पांढुर्ना जिले में कलेक्टर श्री अजय देव शर्मा के निर्देश पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में गांव-गांव में जल चौपाल का शुभारंभ पौधरोपण से किया गया एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। दीवार लेखन का कार्य भी किया गया।

MADHYA PRADESH INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

(A Government of M.P. Undertaking)

REGIONAL OFFICE, SAGAR (M.P.)

Tawa Complex, Bittan Market, E-5, Arera Colony, Bhopal

Phone: (0) +91-755-2420301-2-3

Date : 18.06.2025

NOTICE INVITING TENDERS FOR YEAR - 2025-26

Online Tenders for the following works are invited on the E-procurement System portal **mptenders.gov.in** :- as detailed below :-

NIT No	Name of Work	Probable Amount of contract
03 Sagar	Repairing, fixing and Taking out of M.S. Shutter on barrage gate of bewas river at I/A Didhguwan Distt Sagar (M.P.)	803264.00

Detailed NIT along with other details can be downloaded/viewed on above mentioned portal from 19.06.2025 10:30 Hrs.

M.P. Madhyam/120707/2025		R-51137/2025		**EXECUTIVE ENGINEER**

OFFICE OF THE SECRETARY KRISHI UPAJ MANDI SAMITI VIDISHA DISTT. VIDISHA

No. /Nirman/25-26/837		**Dated :17.06.2025**

NOTICE INVITING TENDER

Online Percentage Rate E-Tenders are invited from contractors registered with the Office of the Engineer in Chief, M.P. Public Works Department, Government of Madhya Pradesh (Centralized Registration Cell) for Name & Place of work 01 Construction of CC Surrounding 02 Nos. Trolly Shed at New mandi yard Vidisha. Distt. Vidisha Tender Number : 2025_MPSAM_431332_1 (PAC amount Rs. 91.50 Lac), Annual Repair and maintenance work for existing structures i/e Electrification at New and Old mandi yard Vidisha. (IIIrd Call) Tender Number : 2025_MPSAM_431334_1 (PAC amount Rs. 15.82 Lac), The following works Tender to be received Online up to 5:30 PM on Dated 10.07.2025 Technical bid documents with EMD & Financial Offer to be received online only as per Detailed NIT. The tender documents can be obtained online on the **http:// mptenders.gov.in** as per the Notice Published on the above Portal and detailed information can also be seen on website **www.mpmandiboard.gov.in**

Note :- Any corrigendum in this NIT, if required, shall be displayed only in our above portal regarding any matter included in this NIT or otherwise. Other details of Construction/ Development works and locations & key dates can also be seen on our website **www. mpmandiboard.gov.in**

M.P. Madhyam/120688/2025		R-51136/2025		**SECRETARY**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्र.-03, भोपाल-462003

Mobile No. : 9425601545, ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com

क्र.-मप्रपुआअविनि/631/पर्य/भोपाल-03/तशा/2025

भोपाल, दिनांक : 17.06.2025

प्रेस विज्ञप्ति

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत 32 महिला आवास गृह (जी+3) दो ब्लॉकों का निर्माण कार्य पुलिस लाइन जिला शाजापुर हेतु निविदा क्र.-07/2025-26 (ऑनलाइन निविदा क्र.-431239) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 01.07.2025 सायं 5:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : **https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120666/2025		R-51134/2025		**परियोजना यंत्री**

होटल प्रबंध खान-पान तकनीकी एवं पोषण आहार संस्थान

एयर पोर्ट रोड, महाराजपुरा, ग्वालियर-474 005 (म.प्र.)

Institute of Hotel Management, Catering Technology & Applied Nutrition

Airport Road, Maharajpura, Gwalior (M.P.) - 474 005

(An Autonomous Body under Ministry of Tourism, Govt. of India)

Mobile No. : 7976753308		**Email : ihmgwl@gmail.com**

Admission Notice-2025-B.Sc. in H&HA Degree for Residual Seat

होटल प्रबंध संस्थान, ग्वालियर प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। राष्ट्रीय होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी परिषद, नोएडा की ओर से, आईएचएम, ग्वालियर, आईएचएम, ग्वालियर में शेष रिक्तियों के विरुद्ध निम्नलिखित पात्रता मानदंडों के साथ 3 वर्षीय बीएससी-एचएचए (आतिथ्य और होटल प्रशासन) कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश पाने के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है, जो एनसीएचएमसीटी से संबद्ध है।

IHM, Gwalior invites applications for admission On behalf of National Council for Hotel Management and Catering Technology, Noida, IHM, Gwalior calls for application from the eligible candidates to get admission in the 1st year of 3-year B.Sc.-HHA (Hospitality & Hotel Administration) program with the following eligibility criteria against the **residual vacancies at IHM**, Gwalior which is an affiliated of NCHMCT.

1. Candidates must have passed 12th Exam from a recognized board, in any stream (Science/Arts/Commerce/vocational) (अभ्यर्थियों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी स्ट्रीम (विज्ञान/कला/वाणिज्य/व्यावसायिक) में 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए)
2. English should be one of the subjects in 12th level and student should have passed in the subject (English). (12वीं कक्षा में अंग्रेजी एक विषय होना चाहिए तथा छात्र को उस विषय (अंग्रेजी) में उत्तीर्ण होना चाहिए)
3. No Age bar. (कोई आयु सीमा नहीं)
4. The program is recognized by **Jawaharlal Nehru University** which awards the final degree. (यह कार्यक्रम जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त है जो अंतिम डिग्री प्रदान करता है)
5. Reservation as per government rules. (सरकारी नियमों के अनुसार आरक्षण)

इच्छुक उम्मीदवार यथाशीघ्र संस्थान में स्वयं सत्यापित प्रमाण-पत्र संलग्न करके व्यक्तिगत रूप से अथवा डाक द्वारा अथवा ईमेल ihmgwl@gmail.com पर आवेदन करें। प्रवेश हेतु ऑनलाइन अवशेष फॉर्म तथा अन्य विवरण www.ihmgwalior.org वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। संपर्क व्यक्ति श्री अनुज / श्री फिरोज / श्री अभिनव, मोबाइल नंबर **7976753308/9806538950/8085618215**

प्रवेश NCHMCT द्वारा आयोजित ऑनलाइन परीक्षा के आधार पर दिया जाएगा।

प्रवेश हेतु हेल्पलाइन नंबर: **7976753308/9806538950/8085618215**

Interested candidate must apply to the institute by attaching self-attested copies of testimonial as soon as possible in person or sent by post or by-email at ihmgwl@gmail.com The Admission form Online residual form and other details are available on the website www.ihmgwalior.org Contact person **Mr. Anuj/Mr. Feroz/Mr. Abhinav, Mobile Number 7976753308/9806538950/8085618215.** Admission will be offered on the basis of a Online test to be conducted by NCHMCT

Admission Helpline Number: 7976753308/ 9806538950/ 8085618215

R-51141/2025		**Principal**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर

सहायक संचालक/पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ/ पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी परीक्षा-2024

विज्ञप्ति क्र. 4531/12/2025/अनु. 10 **इंदौर, दिनांक : 19.06.2025**

परीक्षा परिणाम

01. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा **सहायक संचालक/पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ/पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी परीक्षा-2024** हेतु विज्ञापन जारी किया गया था, जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

01. विज्ञापन क्रमांक-11/2024/27.12.2024, ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 19.02.2025

(1) सूचना पत्र क्रमांक-01/11/2024 दिनांक 27.03.2025 (सहायक संचालक/पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ/पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी परीक्षा-2024 की परीक्षा आयोजन की सूचना।

02. उपरोक्त विज्ञापन के अंतर्गत **सहायक संचालक/पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ/पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी परीक्षा-2024** जिला मुख्यालय इंदौर के केन्द्रों पर दिनांक 18.05.2025 (रविवार) को एक सत्र में 12:00 से 03:00 बजे तक आयोजित की गई थी।

03. उपरोक्तानुसार जारी विज्ञापन एवं शुद्धि पत्रों के माध्यम से विज्ञापित पदों की कुल संख्या निम्नानुसार है :-

श्रेणीवार/वर्गवार कुल विज्ञापित							
क्र.	विवरण	UR	SC	ST	OBC	EWS	TOTAL
(अ)	कुल रिक्तियों की संख्या (TOTAL POSTS)	72	17	42	45	16	192
(ब)	कुल रिक्तियों में से महिलाओं के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या (FEMALE)	25	6	15	16	6	68
(स)	कुल रिक्तियों में से भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या (ExSer)	(ExSer- NIL)					-
(द)	कुल रिक्तियों में से दिव्यांगजन हेतु आरक्षित पद रिक्तियों की संख्या (PH)	(PH-NIL)					-

04. अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण से संबंधित लंबित न्यायालयीन प्रकरणों में माननीय न्यायालय द्वारा पारित अंतरिम आदेश के प्रकाश में सामान्य प्रशासन विभाग, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल द्वारा जारी पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल, दिनांक 29 सितंबर, 2022 के अनुक्रम में विज्ञापित विज्ञापन क्रमांक-11/2024/27.12.2024 के अनुसार आयोग द्वारा बैठक दिनांक 10.07.2023 के निर्णय क्र. 55 में उल्लेखित प्रक्रिया के अनुपालन में तथा विद्यमान नियमानुसार लघुसूचीकृत अर्ह अभ्यर्थियों की सूची तैयार की गई है।

अर्हता सूची तैयार किए जाने हेतु निम्नांकित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है :-

1. सामान्य प्रशासन विभाग के उपरोक्त पत्रानुसार प्रारंभिक परीक्षा/लिखित परीक्षा में चयनित (शॉर्टलिस्टेड) प्रावधिक अर्ह अभ्यर्थी परीक्षा के अगले प्रत्येक चरण (मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार) में प्रावधिक रूप से ही सम्मिलित होंगे। माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय आने के उपरांत वह अपने संबंधित वर्ग (अन्य पिछड़ा वर्ग या अनारक्षित) में रोके गए 13 प्रतिशत पद के विरुद्ध ही चयनित होंगे न कि पूर्व घोषित हो चुके 87 प्रतिशत पद के विरुद्ध।
2. परीक्षा परिणामों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित) में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में ही बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक-दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे। चयन प्रक्रिया के प्रत्येक अगले चयन हेतु इस आशय का अभिवचन पत्र भी अभ्यर्थियों से अनिवार्यतः प्राप्त किया जाए।

सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 29 सितंबर 2022 में दिए गए निर्देशों एवं आयोग के निर्णय अनुसार सहायक संचालक/पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ/पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी परीक्षा-2024 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग में घोषित किया जाना है। सहायक संचालक/पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ/पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी परीक्षा-2024 हेतु मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों) तथा (ब) प्रावधिक भाग 13 प्रतिशत (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी हेतु) पदों का विवरण विज्ञापन में ही प्रकाशित किया गया है। विज्ञापन के अनुसार सहायक संचालक/पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ/पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी परीक्षा-2024 हेतु अन्य पिछड़ा वर्ग के विज्ञापित पदों का रिक्ति विवरण निम्नानुसार है :-

स.क्र.	अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित कुल पद	मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों)	प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी हेतु)
01	45	23	22

सहायक संचालक/पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ/पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी परीक्षा-2024 के परीक्षा परिणाम में साक्षात्कार हेतु विज्ञापित पदों के 3 गुना + समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से लघुसूचीकृत कुल-414 अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
Assistant Director/Veterinary Assistant Surgeon/Veterinary Extension Officer Exam 2024
ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.
1.	100004	20.	100045	39.	100078	58.	100120
2.	100005	21.	100046	40.	100079	59.	100121
3.	100007	22.	100048	41.	100081	60.	100123
4.	100008	23.	100049	42.	100086	61.	100125
5.	100009	24.	100051	43.	100087	62.	100126
6.	100011	25.	100052	44.	100090	63.	100129
7.	100012	26.	100054	45.	100092	64.	100132
8.	100013	27.	100055	46.	100094	65.	100134
9.	100014	28.	100060	47.	100095	66.	100141
10.	100016	29.	100062	48.	100098	67.	100146
11.	100017	30.	100063	49.	100100	68.	100148
12.	100018	31.	100064	50.	100102	69.	100153
13.	100025	32.	100066	51.	100103	70.	100157
14.	100026	33.	100067	52.	100104	71.	100160
15.	100029	34.	100071	53.	100105	72.	100163
16.	100031	35.	100072	54.	100110	73.	100165
17.	100033	36.	100073	55.	100111	74.	100168
18.	100039	37.	100075	56.	100116	75.	100171
19.	100042	38.	100076	57.	100117	76.	100172

S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.
77.	100179	162.	100343	247.	100540	332.	100766
78.	100182	163.	100346	248.	100541	333.	100772
79.	100183	164.	100348	249.	100542	334.	100780
80.	100185	165.	100349	250.	100543	335.	100783
81.	100187	166.	100354	251.	100544	336.	100789
82.	100188	167.	100355	252.	100547	337.	100790
83.	100189	168.	100358	253.	100548	338.	100793
84.	100190	169.	100364	254.	100552	339.	100796
85.	100191	170.	100370	255,	100555	340.	100797
86.	100192	171.	100371	256.	100556	341.	100798
87.	100195	172.	100374	257.	100557	342.	100800
88.	100196	173.	100376	258.	100564	343.	100802
89.	100197	174.	100378	259.	100567	344.	100804
90.	100198	175.	100381	260.	100568	345.	100807
91.	100199	176.	100385	261.	100569	346.	100809
92.	100200	177.	100386	262.	100570	347.	100813
93.	100202	178.	100387	263.	100571	348.	100814
94.	100203	179.	100389	264.	100578	349.	100816
95.	100205	180.	100393	265.	100583	350.	100817
96.	100207	181.	100394	266.	100585	351.	100820
97.	100210	182.	100396	267.	100591	352.	100821
98.	100213	183.	100398	268.	100595	353.	100823
99.	100216	184.	100399	269.	100598	354.	100824
100.	100220	185.	100401	270.	100601	355.	100828
101.	100221	186.	100404	271.	100605	356.	100829
102.	100223	187.	100407	272.	100606	357.	100830
103.	100226	188.	100411	273.	100608	358.	100832
104.	100228	189.	100413	274.	100609	359.	100833
105.	100229	190.	100416	275.	100611	360.	100839
106.	100230	191.	100418	276.	100612	361.	100840
107.	100232	192.	100419	277.	100614	362.	100842
108.	100234	193.	100422	278.	100616	363.	100845
109.	100236	194.	100423	279.	100617	364.	100846
110.	100239	195.	100424	280.	100623	365.	100847
111.	100242	196.	100425	281.	100626	366.	100848
112.	100243	197.	100426	282.	100631	367.	100849
113.	100244	198.	100430	283.	100634	368.	100850
114,	100245	199.	100433	284.	100639	369.	100853
115.	100247	200.	100434	285.	100643	370.	100856
116.	100249	201.	100435	286.	100645	371.	100857
117.	100250	202.	100436	287.	100646	372.	100858
118.	100253	203.	100438	288.	100647	373.	100859
119.	100261	204.	100444	289.	100650	374.	100861
120.	100264	205.	100445	290.	100653	375.	100864
121.	100265	206.	100446	291.	100654	376.	100865
122.	100266	207.	100450	292.	100656	377.	100867
123.	100267	208.	100454	293.	100657	378.	100869
124.	100269	209.	100456	294.	100659	379.	100870
125.	100271	210,	100458	295.	100662	380.	100872
126.	100274	211.	100460	296.	100674	381.	100873
127.	100277	212.	100462	297.	100680	382.	100874
128.	100282	213.	100463	298.	100683	383.	100876
129.	100284	214.	100466	299.	100684	384.	100878
130.	100286	215.	100467	300.	100685	385.	100879
131.	100287	216.	100470	301.	100686	386.	100881
132.	100288	217.	100473	302.	100688	387.	100882
133.	100289	218.	100474	303.	100690	388.	100883
134.	100290	219.	100479	304.	100691	389.	100886
135.	100291	220.	100480	305.	100692	390.	100888
136.	100293	221.	100483	306.	100695	391.	100889
137.	100295	222.	100484	307.	100696	392.	100890
138.	100296	223.	100488	308.	100697	393.	100900
139.	100297	224.	100489	309.	100700	394.	100901
140.	100306	225.	100490	310.	100701	395.	100903
141.	100307	226.	100491	311.	100705	396.	100905
142.	100309	227.	100492	312.	100708	397.	100906
143.	100310	228.	100496	313.	100709	398.	100907
144.	100311	229.	100500	314.	100710	399.	100908
145.	100314	230.	100501	315.	100712	400.	100909
146.	100316	231.	100503	316.	100715	401.	100911
147.	100317	232.	100506	317.	100717	402.	100914
148.	100322	233.	100509	318.	100718	403.	100915
149.	100323	234.	100510	319.	100719	404.	100916
150.	100327	235.	100512	320.	100721	405.	100919
151.	100328	236.	100514	321.	100723	406.	100925
152.	100329	237.	100515	322.	100725	407.	100929
153.	100331	238.	100516	323.	100726	408.	100933
154.	100332	239.	100518	324.	100737	409.	100935
155.	100333	240.	100520	325.	100738	410.	100937
156.	100334	241.	100524	326.	100742	411.	100940
157.	100335	242.	100526	327.	100744	412.	100942
158.	100336	243.	100529	328.	100746	413.	100943
159.	100338	244.	100533	329.	100748	414.	100944
160.	100339	245.	100534	330.	100755		
161.	100340	246.	100535	331.	100760		

प्रावधिक भाग-ब के लिए साक्षात्कार हेतु कुल विज्ञापित पदों के 3 गुना + समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से साक्षात्कार हेतु लघुसूचीकृत कुल 36 अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION

Assistant Director/Veterinary Assistant Surgeon/Veterinary Extension Officer Exam 2024

ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.	S. No.	Roll No.
1.	100010	10.	100281	19.	100545	28.	100703
2.	100041	11.	100304	20.	100553	29.	100716
3.	100043	12.	100319	21.	100560	30.	100761
4.	100089	13.	100382	22.	100577	31.	100792
5.	100108	14.	100395	23.	100580	32.	100806
6.	100151	15.	100408	24.	100596	33.	100815
7.	100186	16.	100409	25.	100644	34.	100831
8.	100257	17.	100448	26.	100661	35.	100837
9.	100262	18.	100522	27.	100681	36.	100926

साक्षात्कार के लिए अभिलेख प्रेषित करने के संबंध में निर्देश :-

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

परिशिष्ट प्रपत्र-01

विज्ञापन क्रमांक :- 11/2024/ 27.12.2024	पद/परीक्षा का नाम : सहायक संचालक/पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ/पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी परीक्षा-2024
अनुक्रमांक-	अभ्यर्थी का नाम :- ....

1.	उपरोक्त परीक्षा के लिए भरे गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
2.	उपरोक्त परीक्षा के प्रवेश पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
3.	उपस्थिति पत्रक-1 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
4.	व्यक्तिगत विवरण पत्रक - 1 मूल प्रति एवं 5 छायाप्रतियां। (केवल मूल प्रति पर नम्बरिंग करना है। 05 छायाप्रतियां पृथक से प्रस्तुत करना हैं एवं छायाप्रतियों पर नम्बरिंग नहीं करना है।)	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
5.	अनुप्रमाणन फॉर्म-3 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
6.	घोषणा पत्र (किसी भी चयन/परीक्षा से विवर्जित (Debar) नहीं होने संबंधी) 01 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
7.	हाईस्कूल की अंकसूची। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
8.	हायर सेकेण्डरी की अंकसूची। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
9.	विज्ञापन अनुसार स्नातक/स्नातकोत्तर की समस्त वर्षों की अंकसूचियां एवं उपाधि (स्नातक परीक्षा दिनांक 19.02.2025 तक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
10.	पंजीयन प्रमाण पत्र (विधि के नियम के अधीन स्थापित मध्यप्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद के अधीन, पद के विज्ञापन की तारीख के पूर्व पंजीकृत)	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
11.	मध्यप्रदेश के मूल निवासी होने की स्थिति में म.प्र. राज्य का रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण-पत्र (आयोग कार्यालय में अभिलेख जमा करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
12.	मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र की प्रति। (प्रमाण-पत्र में प्रकरण क्रमांक, गोलसील, जावक क्रमांक, दिनांक का उल्लेख होना आवश्यक है।) (ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 19.02.2025 तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
13.	आरक्षित श्रेणी होने की स्थिति में सक्षम अधिकारी द्वारा जारी म.प्र. शासन का जाति प्रमाण पत्र। विवाहित महिलाओं के मामले में स्वयं के नाम के साथ पिता के नाम का जाति प्रमाण पत्र। (जाति प्रमाण पत्र में जारी करने की दिनांक, गोल सील एवं प्रकरण क्रमांक का उल्लेख होना आवश्यक है। अन्य राज्य के जारी जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।) (म.प्र शासन की सेवाओं हेतु निर्धारित प्रारूप में जाति प्रमाण-पत्र मान्य होंगे) (ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 19.02.2025 तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति) ।	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
14.	म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को क्रीमीलेयर श्रेणी के अंतर्गत न आने संबंधी प्रस्तुत किए जाने वाला घोषणा पत्र-01 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
15.	मध्यप्रदेश के मूल निवासी होने की स्थिति में ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए वित्तीय वर्ष 2024-2025 का जारी ई.डब्ल्यू.एस. के वैध प्रमाण पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
16.	महिला अभ्यर्थियों हेतु विवाहोपरांत उपनाम परिवर्तन की स्थिति में शपथ पत्र की प्रति। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
17.	शासकीय सेवक होने की स्थिति में विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्र की प्रति। अनापत्ति प्रमाण-पत्र न हो तो ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 19.02.2025 अथवा उसके पूर्व विभाग को अनापत्ति हेतु प्रस्तुत पत्र की प्रति संलग्न करें। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
18.	मध्यप्रदेश शासन की सेवा में सेवारत होने की स्थिति में शासकीय सेवक हेतु अभिवचन पत्र-1 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
19.	अभ्यर्थी का स्वयं का पहचान पत्र (आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र/पेन कार्ड/ फोटोयुक्त बैंक पास बुक की प्रति/शासकीय कर्मचारी होने की स्थिति में नियोक्ता द्वारा जारी परिचय पत्र की प्रति/ड्रायविंग लायसेंस) (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
20.	न्यायालयीन प्रकरण होने की स्थिति में अनुप्रमाणन फॉर्म के पृष्ठ 4 कंडिका 16 एवं पृष्ठ 5 पर कंडिका 17 में अंकित न्यायालयीन प्रकरण के संबंध में दस्तावेजों की छायाप्रति। (3 प्रति)	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
21.	आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विज्ञापित पदों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत) के आधार पर अभ्यर्थी 'अभिवचन' पत्र की पूर्ति कर आयोग कार्यालय में साक्षात्कार दिवस को अनिवार्यतः प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
22.	अन्य कोई दस्तावेज जो अभ्यर्थी प्रस्तुत करना चाहता है।	पृष्ठ क्रमांक ...... से ....तक	....
	कुल संलग्नक दस्तावेजों की संख्या (अंकों में)		

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

05. साक्षात्कार हेतु अर्ह अभ्यर्थी विज्ञापन अनुसार वांछित अपनी अर्हता संबंधी समस्त अभिलेख उपरोक्त परिशिष्ट प्रपत्र-01 अनुसार क्रम में प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित/स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर अभ्यर्थी अपना नाम, अनुक्रमांक, पृष्ठ क्रमांक एवं संलग्न दस्तावेज के कुल पृष्ठों की संख्या स्पष्टतः अंकित कर **दिनांक 10.07.2025 तक** आयोग कार्यालय प्रेषित करें। डाक विभाग या अन्य किसी माध्यम से प्रेषित किए गए अभ्यर्थियों के अभिलेख आयोग कार्यालय में विलंब से प्राप्त होने पर आयोग जिम्मेदार नहीं होगा न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा। अतः अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक अपने अभिलेख आयोग कार्यालय भेजना सुनिश्चित करें। जिन अभ्यर्थियों के अभिलेख अंतिम तिथि तक प्राप्त नहीं होंगे उनके विषय में यह माना जाएगा कि वे साक्षात्कार में भाग नहीं लेना चाह रहे हैं, उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। अभ्यर्थी द्वारा आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारियों एवं अभिलेखों की आयोग कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जांच करने के उपरांत सही पाए जाने पर ही अभ्यर्थी को साक्षात्कार की पात्रता होगी। साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।

06. ऐसे आवेदक जिनके अभिलेख आयोग कार्यालय में **दिनांक 10.07.2025 तक** प्राप्त नहीं होते हैं वे आयोग द्वारा निर्धारित विलम्ब शुल्क के साथ निर्धारित समयावधि में अपने अभिलेख आयोग कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर विलंब शुल्क की नगद राशि एम.पी.टी.सी. 6 के माध्यम से आयोग की लेखा शाखा में जमा कर सकते हैं :-

01.	निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात् प्रथम 05 कार्यालयीन दिवस तक राशि रुपये 3,000/- (तीन हजार मात्र) ।	दिनांक 11.07.25 से 17.07.25 तक
02.	साक्षात्कार हेतु आमंत्रण पत्र जारी होने के दिनांक के 01 दिवस पूर्व तक राशि रुपये 25,000 /- (पच्चीस हजार मात्र)।	-

उपरोक्तानुसार विलंब शुल्क के साथ निर्धारित तिथियों के पश्चात् डाक अथवा अन्य किसी माध्यम से आयोग को प्रेषित किए गए आवेदकों के अभिलेख प्राप्त होने पर आयोग की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी, न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा तथा उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। अभ्यर्थी द्वारा अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारियों की आयोग कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जांच करने के उपरांत सही पाए जाने पर ही अभ्यर्थी को साक्षात्कार की पात्रता होगी। साक्षात्कार हेतु दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।

महत्वपूर्ण टीप :-

1. सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक हैं। यदि अभ्यर्थी सहायक संचालक/पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ/पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी परीक्षा-2024 के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते हैं तो साक्षात्कार हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
2. सहायक संचालक/पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ/पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी परीक्षा-2024 के साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।
3. न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
4. ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण, असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में चाही गई वांछित औपचारिकताएं पूर्ण न करने के परिणाम स्वरूप चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
5. साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप से लघुसूचीकृत अभ्यर्थियों की सूची आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा एवं आयोग कार्यालय में रखी परीक्षा परिणाम की सूची ही प्रामाणिक मानी जाएगी।
6. उपरोक्तानुसार जारी साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप से लघुसूचीकृत सूची के अभ्यर्थियों का अंतिम चयन परिणाम माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक SLP No. 8764/2023 एवं याचिका क्रमांक-SLP No. 12398/2023 तथा माननीय उच्च न्यायालय में याचिका क्रमांक-5596/2024 समान अन्य याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। उपरोक्त परीक्षा से संबंधित प्रचलित न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
7. लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कोई तकनीकी त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है तो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
8. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने अभिलेख **दिनांक 10.07.2025 तक** निम्न पते पर भेजना सुनिश्चित करें :-

प्रति,

सचिव,
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग,
रेसीडेंसी एरिया,
इंदौर

अभ्यर्थी अपने अभिलेख के लिफाफे पर **सहायक संचालक/पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ/पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी परीक्षा - 2024 के साक्षात्कार हेतु अभिलेख अवश्य लिखें।**

जी-14598/51147/2025

उप परीक्षा नियंत्रक

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 4661/15/2023/चयन इन्दौर, दिनांक. 20.06.2025

सहायक भौमिकीविद परीक्षा- 2023

चयन - सूची (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

पदनाम - सहायक भौमिकीविद

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 09/2023 दिनांक 31.05.2023 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, खनिज साधन विभाग के अंतर्गत विज्ञापित पद - सहायक भौमिकीविद के कुल 10 पद (अनारक्षित-03, अ.जा.-02, अ.ज.जा.-02, अ.पि.वर्ग-02, ई.डब्ल्यू.एस.-01) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-01, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-01, अ.पि.वर्ग - 01, ई.डब्ल्यू.एस. - निरंक) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए, सहायक भौमिकीविद परीक्षा - 2023 दिनांक 01.09.2024 को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 23.10.2024 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार 27.05.2025 को आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, खनिज साधन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 1/12/004/2022/12/1 दिनांक 28.03.2023 में उल्लेखित रिक्ति के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 02/09/2023 दिनांक 16.10.2024 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 09/2023 दिनांक 31.05.2023 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। उक्त शुद्धि पत्र दिनांक 16.10.2024 में उल्लेखित प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात् घोषित किया जाएगा।

3. अतएव, लिखित परीक्षा + साक्षात्कार में प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

सहायक भौमिकीविद (म.प्र. शासन, खनिज साधन विभाग)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	3	2	2	1	1	9
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	1	1	1	1	0	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1	100505	VIPUL KUMAR RAVAT	M	UNR	EWS
2	100626	JAGMOHAN PRAJAPATI	M	UNR	OBC
3	100524	ANURAG DWIVEDI	M	EWS	EWS
4	100267	GAURAV WASNIK	M	SC	SC
5	100682	PRAGATI SONVANE	F	UNRF	OBC
6	100619	ANIL CHOUDHARY	M	SC	SC
7	100385	KHUSHBU YADAV	F	OBCF	OBC
8	100343	MADHUR MARAVI	M	ST	ST
9	100177	DEEPIKA CHOUHAN	F	STF	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1	100489	ANIKET KUMAR TIWARI	M	EWS
2	100469	VAIBHAV VADICHAR	M	OBC
3	100497	ANUJ KUMAR GUPTA	M	EWS
4	100239	ROHIT VERMA	M	SC
5	100703	SUMPRITA PYASI	F	UNR
6	100597	RAJAT YADAV	M	SC
7	100077	SHIV PRATAP SINGH	M	ST
8	100092	SONENDRA RANDA	M	ST

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
4. घोषित चयन परिणाम मान. उच्चतम न्यायालय में दायर एस.एल.पी. क्रमांक 8764/2023 एस.एल.पी. क्रमांक 12398/2023 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
5. न्यायालयीन प्रकरण वाले अभ्यर्थियों के चयन परिणाम मान. न्यायालय के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रखे जाकर रोके गए हैं।

सचिव

जी-14603/51148/2025 म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 4597/63/2024/चयन इन्दौर, दिनांक 19.06.2025

सहायक प्राध्यापक (गणित) परीक्षा -2022

चयन - सूची (मुख्य भाग 87 प्रतिशत)

पदनाम - सहायक प्राध्यापक, गणित

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 33/2022 दिनांक 30.12.2022 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत विज्ञापित पद सहायक प्राध्यापक, गणित के कुल 124 पद (अनारक्षित-19, अ.जा.-23, अ.ज.जा.-70, अ.पि.वर्ग-08, ई.डब्ल्यू.एस.-04) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-06, अ.जा.-08, अ.ज.जा.-23, अ.पि.वर्ग-03, ई.डब्ल्यू.एस.-01) (कुल विज्ञापित पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांग-01, श्रवणबाधित दिव्यांग-03, दृष्टिबाधित दिव्यांग-03 पद एवं बहु-दिव्यांग-निरंक पद आरक्षित) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए, **सहायक प्राध्यापक (गणित) परीक्षा-2022** दिनांक 09.06.2024 को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 27.09.2024 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार 05.05.2025 से 08.05.2025 तक आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक/1416/4369/2021/38-1 दिनांक 06.09.2024 में उल्लेखित रिक्ति के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 11/33/2022 दिनांक 10.09.2024 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 33/2022 दिनांक 30.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। उक्त शुद्धि पत्र दिनांक 10.09.2024 में उल्लेखित प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात् घोषित किया जाएगा।

3. अतएव, लिखित परीक्षा + अतिथि विद्वान अनुभव अंक + साक्षात्कार में प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

सहायक प्राध्यापक (गणित)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	19	23	70	6	4	122
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	6	8	23	2	1	

कुल पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद	1
कुल पदों में से दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद	3
कुल पदों में से श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद	3

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग		Seat		श्रेणी
1.	161558	ADARSH DWIVEDI	M		UNR		EWS
2.	160220	SATYAPRIYA	M		UNR		UNR
3.	161182	MANEESH KUMAR SEN	M		UNR		UNR
4.	161148	HARIOM DHAKAR	M		UNR		OBC
5.	161095	BAL KRISHN VAISHNAV	M		UNR		UNR
6.	160504	AVIRAL SRIVASTAVA	M		UNR		UNR
7.	161330	BIRENDRA SINGH	M	प्रावधिक	UNR		UNR
8.	161287	DARSHAN SINGH	M	प्रावधिक	UNR		UNR
9.	160984	ARPIT DWIVEDI	M		UNR		UNR
10.	160234	ABHISHEK MALVIYA	M		UNR		SC
11.	161074	MANJU YADAV	F		UNRF		OBC
12.	161368	KAJAL SHARMA	F		UNRF		EWS
13.	161372	ASHUTOSH DIXIT	M		EWS		EWS
14.	160915	SURENDRA KUMAR GARG	M	प्रावधिक	EWS		EWS
15.	161376	ASHISH JAIN	M		EWS		EWS
16.	161603	DAMINI GUPTA	F		UNRF		EWS
17.	160765	RICHA JAIN	F		UNRF		EWS
18.	161035	RATIKA RASTOGI	F		UNRF		UNR
19.	161659	SHIVANI SINGH RAGHUVANSHI	F		UNRF		UNR
20.	160693	ANURADHA YADAV	F		OBCF		OBC
21.	161007	PRIYANKA TIWARI	F		EWSF		EWS
22.	160242	AMRATA CHOUKSEY	F		OBCF		OBC
23.	161363	AMAN VERMA	M		SC		SC
24.	161337	BHOOMIKA KAUSHAL	F		SCF		SC
25.	161350	RAJKARAN KORI	M		SC		SC
26.	160097	SHEETAL SHRIWAS	F	प्रावधिक	OBCHB	दृष्टिबाधित	OBC
27.	160091	MAMTA LATA CHOUHAN	F	प्रावधिक	SCF		SC
28.	160181	GAJENDRA ARYA	M		SC		SC
29.	161113	ATUL KUMAR RAY	M		UNRHO	अस्थिबाधित	UNR
30.	161025	LAXMI MORYA	F		SCF		SC
31.	160206	SONAM NEVLE	F		SCF		SC
32.	160618	BHUPENDRA AHIRWAR	M		SC		SC
33.	160813	DEEPAK KARTIKEY	M	प्रावधिक	SC		SC
34.	160251	RUPESH VERMA	M		SC		SC
35.	161289	SANJEEV SINGH AHIRWAR	M		SC		SC
36.	160335	AJAY KUMAR BILARE	M		SC		SC

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

37.	160265	SADHANA MAHESH VERMA	F		SCF		SC
38.	160142	SACHIN NEEM	M		SC		SC
39.	160028	VANDANA CHOUHAN	F		STF		ST
40.	160383	ARUN KUMAR SAKET	M		SC		SC
41.	161307	NILESH SHAKYA	M		SC		SC
42.	161172	SHRUTI SHARMA	F		UNRHB	दृष्टिबाधित	UNR
43.	161866	BALA RAM KALESARIYA	M	प्रावधिक	SC		SC
44.	161048	MAMTA RAIPURIYA	F	प्रावधिक	SCF	अस्थिबाधित	SC
45.	161100	SHAILENDRA AHIRWAR	F		SCF		SC
46.	160299	ANIRUDDH GHOSLE	M		ST		ST
47.	161795	PUSHPA BARANIYA	F		SCF		SC
48.	160486	NEHA SOLANKI	F		SC		SC
49.	160814	VIKRANT	M		SC		SC
50.	160069	AARTI LOMARE	F		SC		SC
51.	162113	RUPENDRA KUMAR VERMA	M	प्रावधिक	OBCHD	श्रवणबाधित	OBC
52.	160422	RANJANA MARAVI	F		STF		ST
53.	160306	NEELAM DAWAR	F		STF		ST
54.	160221	KIRTI BAGHEL	F		STF		ST
55.	160592	VIKAS KAWDE	M		ST		ST
56.	160144	VAISHALI BILLORE	F		STF		ST
57.	160001	ASHWINI SHARMA	M		ST		ST
58.	160804	NITESH KUMAR	M		ST		ST
59.	160755	DIVYA SOYAM	F		STF		ST
60.	160259	SUMAN CHOUHAN	F		STF		ST
61.	160037	KADAM SINGH DODWA	M		ST		ST
62.	161828	BALRAM AWASYA	M		ST		ST
63.	160059	VIRENDRA MUJALDE	M		ST		ST
64.	161499	SAVITA BAIGA	F		STF		ST
65.	160062	PRIYA BAGHEL	F		STF		ST
66.	160053	SUBHASH MANDLOI	M	प्रावधिक	ST		ST
67.	160904	HEMLATA PARTE	F		STF		ST
68.	160145	NIDHI SAHITE	F		STF		ST
69.	161880	VINOD PATIDAR	M		OBCHB	दृष्टिबाधित	OBC
70.	160801	RAJENDRA KUMAR UIKEY	M		ST		ST
71.	160183	SARITA BAGHEL	F		STF		ST
72.	160872	DASHRATH SINGH MARKO	M		ST		ST
73.	161915	ARVIND PATEL	M		ST		ST
74.	160229	POOJA	F		STF		ST
75.	161936	PRAKASH KIRAD	M	प्रावधिक	ST	दृष्टिबाधित	ST
76.	160834	SHEKHAR DALLEMAL	M		ST		ST
77.	161997	PRASHANT BHUSUMKER	M		ST		ST
78.	160728	MOHANLAL PARTETI	M		ST		ST
79.	160868	SHASHANK NEWARE	M		ST		ST
80.	160222	SAVITRI BAMANIYA	F		STF		ST
81.	161523	SANJAY BHARTI	M		ST		ST
82.	160307	SANJAY CHOUHAN	M	प्रावधिक	ST		ST
83.	161910	PRAKASH MAWI	M		ST		ST
84.	161109	DHARMENDRA SINGH DHAKAR	M	प्रावधिक	OBCHD	श्रवणबाधित	OBC
85.	160168	YOGITA RATHDIYA	F		STF		ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग			श्रेणी
1.	161420	PRADYUMAN SHARMA	M			UNR
2.	161612	DEEPANSHU KUMAR	M			UNR
3.	160561	ASHISH RAWANDHE	M			OBC
4.	161032	PRAVEEN SHARMA	M			EWS
5.	161522	JANMEJAY TIWARI	M			EWS
6.	161153	HEMA PURUSHWANI	F			EWS
7.	160312	SONAM KARODIYA	F			UNR
8.	161379	SAKSHI GAUTAM	F			UNR
9.	161864	ANTIMA SINDERSIYA	F			OBC
10.	160672	JYOTI JHADE	F			OBC
11.	162119	RITU SHRIVASTAVA	F	प्रावधिक	अस्थिबाधित	UNR
12.	160027	REEMA ALONE	F			SC
13.	160831	ARJUN KUMAR MEHRA	M	प्रावधिक		SC
14.	160962	NAVEEN KUMAR	M			SC
15.	160726	VARSHA NIGAM	F			SC
16.	160223	JITENDRA KUMAR	M			SC
17.	160271	GUNJAN KUGESIYA	F			SC

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर 2000 में, दिए निर्देशों के तहत अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. पात्रता धारित अतिथि विद्वानों को देय अनुभव अंकों का सत्यापन कार्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामांकित विभागीय समिति द्वारा संपादित किया गया है।
4. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
5. न्यायालयीन प्रकरण वाले अभ्यर्थियों के चयन परिणाम मान. न्यायालय के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रखे जाकर रोके गए हैं।
6. घोषित चयन परिणाम मान. उच्चतम न्यायालय में दायर एस.एल.पी. क्रमांक 8764/2023, एस.एल.पी. क्रमांक 12398/2023 याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
7. कुल विज्ञापित पदों में से शुद्धिपत्र दिनांक 10.09.2024 में उल्लेखित मुख्य भाग - 87 प्रतिशत हेतु विज्ञापित कुल 122 पदों में से 36 पद (अ.ज.जा.-36 पद) योग्य आवेदक उपलब्ध नहीं होने के कारण यह पद रिक्त रहे हैं। विज्ञापित कुल पदों में से दिव्यांग श्रेणी हेतु 07 पद (अस्थिबाधित - 01, श्रवणबाधित - 03, दृष्टिबाधित - 03 एवं बहु- दिव्यांग - निरंक पद) विज्ञापित हैं, परन्तु श्रवणबाधित दिव्यांग श्रेणी हेतु पर्याप्त संख्या में योग्य अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण इस दिव्यांग श्रेणी का 01 पद रिक्त रहा है। शासन निर्देश के परिपालन में दिव्यांगजनों के पद रिक्त रहने की स्थिति में अनारक्षित वर्ग के विज्ञापित पदों में से उतने ही पद रिक्त रखे जाने का प्रावधान है। अतः कुल 01 पद दिव्यांगजन के रिक्त पद के विरुद्ध अनारक्षित वर्ग से 01 पद रिक्त रखा गया है। इस प्रकार कुल 36+01 = 37 पद रिक्त रहे हैं।

सचिव

जी-14597/51146/2025 म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर

कौशल विकास संचालनालय म.प्र.

क्र./कौ.वि.सं./मप्र/स्टेटसेल/प्रवेश/2025/849 भोपाल, दिनांक 20.06.2025

विज्ञप्ति

म.प्र. की आईटीआई में प्रवेश सत्र 2025

प्रथम चयन सूची जारी दिनांक - 23.06.2025

आवश्यक सूचना

म.प्र. स्थित शासकीय एवं प्रायवेट आईटीआई में संचालित एनसीवीटी/एससीवीटी के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये आवेदकों को सूचित किया जाता है :-

- प्रथम चयन सूची हेतु एलॉटमेंट आवेदकों के लॉगिन पर **दिनांक 23.06.2025** को प्रदर्शित कर दिया जायेगा।
- प्रथम चयन सूची के आवेदकों का प्रवेश - आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, मूल दस्तावेजों का सत्यापन/प्रवेश की कार्यवाही - दिनांक 24.06.2025 से 26.06.2025 तक
- द्वितीय चयन सूची जारी करना, अपग्रेड के साथ - दिनांक 01.07.2025
- द्वितीय चयन सूची के आवेदकों की प्रवेश की कार्यवाही - **दिनांक 02.07.2025 से 04.07.2025**
- नये आवेदकों के लिये रजिस्ट्रेशन पुन: **दिनांक 17.06.2025** से प्रारंभ कर दिया गया है।
- प्रवेश 2025 के लिये पूर्व से रजिस्टर्ड (अप्रवेशित) एवं नवीन आवेदक विभाग के पोर्टल (www.dsd.mp.gov.in) पर **"प्रवेश रजिस्ट्रेशन 2025"** पर जाकर आगामी राउण्ड के लिये निम्नानुसार कार्यवाही कर सकेंगे:-

स.क्र.	की जानी वाली कार्यवाही	New Dates
1.	आवेदकों के लिये प्रवेश पोर्टल पर आवेदन हेतु नवीन रजिस्ट्रेशन प्रारंभ	17.06.2025 से प्रारंभ
2.	आवेदकों हेतु नवीन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन में त्रुटि सुधार। इच्छित संस्थाओं तथा व्यवसायों की प्राथमिकता क्रम का चयन करना/इच्छित संस्थाओं में प्राथमिकता के क्रम में च्वाइस फिलिंग लॉक करने के पूर्व तक त्रुटि सुधार।	05.07.2025 से 11.07.2025
3.	कामन रैंक आवेदकों के लॉगिन पर प्रदर्शित की जायेगी	12.07.2025
4.	कामन रैंक में यदि प्राप्तांकों में त्रुटि हो तो सुधार हेतु आवेदकों द्वारा पोर्टल पर स्वयं के लॉगिन पर जाकर (Edit) त्रुटि सुधार किया जा सकेगा।	12.07.2025 से 13.07.2025
5.	तृतीय चयन सूची जारी करना।	17.07.2025
6.	तृतीय चयन सूची के आवेदकों का प्रवेश - आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश	17.07.2025 से 19.07.2025
7.	चतुर्थ चयन सूची जारी करना, अपग्रेड के साथ	23.07.2025

आवेदकों के लिये महत्वपूर्ण जानकारियां निम्नानुसार हैं :-

- आईटीआई में महिलाओं के प्रवेश हेतु 35% सीटें आरक्षित की गई हैं, जिससे प्रदेश में महिलाओं का कौशल विकास में योगदान बढ़ेगा।
- इस वर्ष से प्रदेश की आईटीआई में 12 ट्रेड (Welder, Plumber, Weaving Technician, Welder-Fabrication, Driver Cum Mechanic, Dress Making, Sewing Technology, Mason, Wood Work Technician - Carpenter, Painter General, Wireman, Surface Ornamentation) में 08वीं के आधार पर प्रवेश की प्रक्रिया की जा रही है।
- आवेदकों को सूचित किया जाता है कि 08वीं एवं 10वीं के ट्रेड में च्वाइस फिलिंग हेतु रजिस्ट्रेशन फार्म में **"Both - 08वीं एवं 10वीं के आधार पर"** ऑप्शन का चयन अवश्य करें तथा 08वीं एवं 10वीं दोनों कक्षाओं के उत्तीर्ण प्राप्तांकों की प्रविष्टि अनिवार्यत: करें।
- आईटीआई के विभिन्न ट्रेड में प्रवेश की अधिक जानकारी के लिये नजदीकी शासकीय आईटीआई के हेल्पडेस्क पर अवश्य संपर्क करें। आईटीआई में प्रवेश फार्म भरने की व्यवस्था भी उपलब्ध है।
- समस्त आवेदकों को सूचित किया जाता है कि अंतिम तिथि के पूर्व प्रवेश की प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिये च्वाइस फिलिंग करना अनिवार्य है।

प्रवेश पोर्टल पर किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संपर्क करें

फोन नं.- 9220407724, 9220407725, 9220407726, ई-मेल - mpiticounseling2025@gmail.com

संचालक

जी-14604/51149/2025 कौशल विकास संचालनालय, मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 4393/62/2024/चयन इन्दौर, दिनांक : 13 JUN 2025

सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) परीक्षा-2022
चयन - सूची (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)
पदनाम - सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य

आयोग के विज्ञापन क्रमांक **21/2022 दिनांक 30.12.2022** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत **विज्ञापित पद - सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य** के कुल 124 पद (अनारक्षित-36, अ.जा.-07 अ.ज.जा.-55, अ.पि.वर्ग-20, ई.डब्ल्यू.एस.-06) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-12, अ.जा.-02, अ.ज.जा.-18 अ.पि.वर्ग-07 ई.डब्ल्यू.एस.-02) (कुल विज्ञापित पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांग-01, श्रवणबाधित दिव्यांग-01, दृष्टिबाधित दिव्यांग-निरंक पद एवं बहु-दिव्यांग - निरंक पद आरक्षित) विज्ञापित किए गए है। उक्त पदों की पूर्ति के लिए, **सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) परीक्षा - 2022 दिनांक 09.06.2024** को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 27.09.2024 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह **आवेदकों के साक्षात्कार 21.04.2025 से 25.04.2025 तक** आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक/1416/4369/2021/38-1 दिनांक 06.09.2024 में उल्लेखित रिक्ति के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 11/21/2022 दिनांक 10.09.2024 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 21/2022 दिनांक 30.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। उक्त शुद्धि पत्र दिनांक 10.09.2024 में उल्लेखित प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात् घोषित किया जाएगा।

3. अतएव लिखित परीक्षा + अतिथि विद्वान अनुभव अंक + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	36	7	55	16	6	120
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	12	2	18	6	2	
कुल पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद					1	
कुल पदों में से श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद					1	

मुख्य सूची

स. क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1	111588	RIA AGARWAL	F	UNRF	UNR
2	112396	RAHUL KURMI	M	UNR	OBC
3	113010	SAURABH TIWARI	M	UNR	UNR
4	111100	ADITI TIWARI	F	UNRF	EWS
5	111332	SURESH KUMAR PATEL	M	UNR	OBC
6	111211	SALONI PALIWAL	F	UNRF	UNR
7	110601	PRIYA JAIN	F	UNRF	UNR
8	112688	GOPAL CHAURASIA	M	UNR	UNR
9	110674	ANAND YADAV	M	UNR	OBC
10	111727	AJIT KUMAR	M	UNR	UNR
11	111983	NEHA VERMA	F	UNR	UNR
12	110139	GIRIJENDRA SHARMA	M	UNR	EWS
13	111712	VAISHNAVI INGOLE	F	UNRF	EWS
14	111160	ANAADI MISHRA	M	UNR	UNR
15	112467	SURUCHI ASATI	F	UNRF	UNR
16	110999	SAMEER PANDEY	M	UNR	UNR
17	111527	KHUSHMEET KAUR MUKAR	F	UNRF	EWS
18	113270	ANISHA MISHRA	F	UNR	UNR
19	113922	PRATIBHA DWIVEDI	F	UNR	UNR
20	112833	AADARSH DWIVEDI	M	UNR	EWS
21	112632	UTKARSH DUBEY	M	UNR	UNR
22	112255	TANU SHARMA	F	UNR	UNR
23	110503	SOUMYA JAIN	F	UNRF	UNR
24	112663	SUNITA GAUTAM	F	UNRF	UNR
25	111344	ABUL HASAN	M	UNR	OBC
26	112628	SWATI SINGH CHAUHAN	F	UNRF	UNR
27	110189	HARSHITA PATIDAR	F	UNRF	OBC
28	110427	VIPIN VISHWAKARMA	M	UNR	OBC
29	111448	GAUTAM KUMAR JHA	M	UNR	UNR
30	113256	ARCHANA	F	UNR	UNR
31	112451	POOJA THAKUR	F	UNRF	EWS
32	110156	PARMOD KUMAR CHAUHAN	M	UNR	UNR
33	112091	ATUL KUMAR	M	UNR	UNR
34	112077	VINAY KUMAR JAIN	M	UNR	UNR
35	110238	NEHA SHARMA	F	UNR	EWS
36	111659	PEEYUSH KUMAR SAHU	M	OBC	OBC
37	110805	POOJA NEMA	F	OBCF	OBC
38	110950	PARIDHI SONI	F	OBCF	OBC
39	110749	ARPIT MANDLOI	M	OBC	OBC
40	111517	SHIVANI SHIVHARE	F	OBCF	OBC
41	112827	BHARAT KUMAR SONI	M	OBC	OBC
42	112953	ABDUL BARY	M	OBC	OBC
43	110206	SHANU RAGHUVANSHI	F	EWSF	EWS
44	113470	MENAJ BEE	F	EWSF	EWS
45	111202	SANJAY SHARMA	M	UNRHO अस्थिबाधित	UNR
46	110161	SHAHRUKH SHEKH	M	EWS	EWS
47	110210	NITIN PATIDAR	M	OBC	OBC
48	110015	KHUSHI BADONIYA	F	OBCF	OBC
49	110765	LAXMI KADAM	F	OBCF	OBC
50	113847	SATISH KUMAR BAIRAGI	M	OBC	OBC
51	111804	RAHUL CHOUDHARY	M	OBC	OBC
52	110471	ANIMESH PATEL	M	OBC	OBC
53	112487	ROOPAK JAIN	M	EWS	EWS
54	112298	POORVI RAI	F	OBCF	OBC
55	113417	SHAGUFA TAWAR	F	OBC	OBC
56	110691	BHAVIK VORA	M	EWS	EWS
57	111299	SAPNA SHARMA	F	EWS	EWS
58	111567	ANJALI NERALIYA	F	SCF	SC
59	112406	POOJA TANTWAY	F	SCF	SC
60	110641	KAVITA KOUR CHOUHAN	F	SC	SC
61	113003	NAMRATA BAGHEL	F	STF	ST
62	111581	INDULATA DHURWAY	F	STF	ST
63	112482	BHARAT ANURAGI	M	SC	SC
64	110572	AJAY DEVDA	M	ST	ST
65	110661	MOHIT BAGRI	M	SC	SC
66	111624	PRAGYA RATHORIA	F	SC	SC
67	110902	HIMANSHU GURDE	M	ST	ST
68	111613	UMA BHARTI DHURVEY	F	STF	ST
69	111128	NISHA DINKER	F	SC	SC
70	110423	KSHITIJ KARARI	M	ST	ST
71	111745	AKANKSHA MARAVI	F	STF	ST
72	110107	SANJAY VARMA	M	ST	ST
73	110375	CHETNA DAWAR	F	STF	ST
74	110086	BABALU JAMRE	M	ST	ST
75	113824	GOPALDAS NAYAK	M	OBCHD श्रवणबाधित	OBC
76	110359	KIRTI BALA MANDLOI	F	STF	ST
77	110627	NITIN DAWAR	M	ST	ST
78	110790	AMAN VERMA	M	ST	ST
79	111541	VAISHALI MASRAM	F	STF	ST
80	110103	DINESH NIGAM	M	ST	ST
81	111652	SAKSHI MARAVI	F	STF	ST
82	110744	ANIL KUMAR BHALLAVI	M	ST	ST
83	111701	NEHA MARSKOLE	F	STF	ST
84	110033	PUSHPENDRA NIGWAL	M	ST	ST
85	111557	AMAR JYOTI	F	STF	ST
86	111736	SANGEETA KUSHRAM	F	STF	ST
87	110758	SHEETAL DAMOR	F	STF	ST
88	111775	PAWAN KUMAR KODAPE	M	ST	ST
89	111564	VAISHALI PANDRAM	F	STF	ST
90	111062	NEERAJ KUMAR SALLAM	M	ST	ST
91	111685	AKASH AHKEY	M	ST	ST
92	110141	AADARSH SINGH DAWAR	M	ST	ST
93	110613	SANGEETA KATARA	F	STF	ST
94	110281	PYAR SINGH JARMAN	M	ST	ST
95	111282	HARSHAD SINGH KULESH	M	ST	ST
96	111634	PRAGATI MARKAM	F	STF	ST
97	111555	MADHVIKA UEIKEY	F	STF	ST
98	110419	REKHA PAWAR	F	STF	ST
99	110058	REWARAM MANDLOI	M	ST	ST
100	110229	SURENDRA SENANI	M	ST	ST
101	110767	SOHAN SINGH DAWEL	M	ST	ST
102	113019	PRITY SINGH PARESTE	F	STF	ST
103	113693	ANUGRAH NITIN SINGH	M	ST	ST
104	111384	DEEPMALA MARSKOLE	F	ST	ST
105	111819	SANDEEP KUMAR GAUNTIA	M	ST	ST
106	111633	RAGINI MARKO	F	ST	ST
107	111056	BHARAT SINGH JAMOD	M	ST	ST
108	110653	NAWALSINGH BARDE	M	ST	ST
109	110656	RAKESH GIRWAL	M	ST	ST
110	112795	ROHIT KUMAR KOL	M	ST	ST
111	113027	RASHMI SINGH	F	ST	ST
112	110110	ANTIM RAWAT	M	ST	ST
113	111308	JOSLINE KUJUR	F	ST	ST
114	112619	AMRIT LAL KOL	M	ST	ST
115	111051	VIKAS PAWAR	M	ST	ST
116	113268	JOHN PRITESH	M	ST	ST
117	111404	KRITIKA VELMA PRAKASH	F	ST	ST
118	110085	VIVEK KUMAR NARVE	M	ST	ST
119	111412	ABHISHEK BHALAVI	M	ST	ST
120	110234	PRIYANKA CHOUHAN	F	ST	ST

(शेष अगले पृष्ठ पर)

कार्यालय संचालक
कमला नेहरू चिकित्सालय, गैस राहत, भोपाल

E-mail Id : dirknhbho@mp.gov.in, Ph. No. : 0755-2731261

क्रमांक/1914/संचा/कनेचि/जेडीस्था-3/2025 भोपाल, दिनांक :17.06.2025

दिव्यांगजन हेतु चिन्हांकित तृतीय श्रेणी के स्टाफ नर्स, एम.एस.डब्ल्यू. ड्रेसर, डाटा एंट्री ऑपरेटर सह रजिस्ट्रेशन क्लर्क एवं टेलीफोन ऑपरेटर पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 30.06.2025

मध्यप्रदेश शासन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के अंतर्गत संचालित चिकित्सा इकाइयों में दिव्यांगजन हेतु चिन्हांकित तृतीय श्रेणी के **कुल 06 पदों** की पूर्ति किए जाने हेतु आवेदन आमंत्रित हैं।

विस्तृत विवरण विभागीय वेबसाइट **www.bgtrrdmp.mp.gov.in** से डाउनलोड कर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

संचालक
जी-14467/51125/2025 कमला नेहरू चिकित्सालय गैस राहत, भोपाल

(पिछले पृष्ठ का शेष)

अनुपूरक सूची

स. क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग		श्रेणी
1	111702	GAGANDEEP KAUR RAKHROY	F		UNR
2	110854	AVINASH TIWARI	M		UNR
3	110018	PRIYANKA JAIN	F		UNR
4	113668	PRASANSHA SINGH	F		UNR
5	110030	DEEVYA AGRAWAL	F		UNR
6	112353	AASHIKA BAJPAI	F		UNR
7	110129	JAGDISH JOSHI	M		UNR
8	114011	MANJEET KUMARI	F		UNR
9	111543	AMRUTA THAKUR	F		UNR
10	111769	KARUNA PATEL	F		OBC
11	111800	MO MATEEN	M		OBC
12	110464	SHWETA PATIDAR	F		OBC
13	110569	ABHIJEET PATIDAR	M		OBC
14	112473	SUBHASH GUPTA	M		EWS
15	112469	ABHILASHA PATEL	F		OBC
16	114014	DOLLY ARYA	F		EWS
17	112015	SANJAY SINGH JADON	M		EWS
18	110789	UMA SHARMA	F		EWS
19	112344	RITA SHAKYAWAR	F		SC
20	110339	RAHUL KUMAR SAWLE	M		SC
21	111228	PAWAN KUMAR JATAV	M		SC
22	112484	NISHA CHOUDHARY	F		SC
23	113859	SATISH GUPTA	M	अस्थिबाधित	EWS
24	112987	RAJESH KUMAR SAHU	M	श्रवणबाधित	OBC
25	113000	RAHUL KUMAR PANIKA	M		ST
26	110366	JYOTI	F		ST
27	113825	SOURABH DURVE	M		ST
28	110311	MONAL UIKEY	F		ST
29	110042	RANJANA RATHORE	F		ST
30	113060	SANSKRITI DHURVE	F		ST
31	110282	BHARATI PATEL	F		ST
32	111390	SIDDESH UIKEY	M		ST
33	110458	PRAKASH PATEL	M		ST
34	110294	TULESWAR PARTE	M		ST
35	110453	BHURA MUNJALDA	M		ST
36	110422	ANKITA SULYA	F		ST
37	110226	NISHA	F		ST
38	110704	SANTOSH KATARE	M		ST

टीप :–

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत् आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. पात्रता धारित अतिथि विद्वानों को देय अनुभव अंकों का सत्यापन कार्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामांकित विभागीय समिति द्वारा संपादित किया गया है।
4. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
5. न्यायालयीन प्रकरण वाले अभ्यर्थियों के चयन परिणाम मान. न्यायालय के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रखे जाकर रोके गए हैं।
6. घोषित चयन परिणाम मान उच्चतम न्यायालय में दायर एस.एल.पी. क्रमांक 8764/2023, एस.एल.पी. क्रमांक 12398/2023 एवं मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 26788/2024, डब्ल्यू.पी. 26971/2024, डब्ल्यू.पी. 26975/2024, डब्ल्यू.पी. 15995/2024, डब्ल्यू.पी. 27071/2023, डब्ल्यू.पी. 11135/2024, डब्ल्यू.पी. 40918/2024, डब्ल्यू.पी. 28146/2024 याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।

प्रभारी सचिव
जी-14444/51124/2025 म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर

कार्यालय सहायक संचालक उद्यान, जिला हरदा (म.प्र.)

E-Mail : horti.harda@mp.gov.in, Phone : 07577-225192

क्रमांक/उद्यान/पीएम एफएमई/2025-26/ 257 हरदा, दिनांक : 13.06.2025

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अंतर्गत माइक्रो फूड प्रोसेसिंग उद्यमियों को सुविधा दिये जाने हेतु रिसोर्स पर्सन चयन हेतु सूचना

संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी म.प्र. भोपाल का पत्र क्रमांक/उद्यान/एस.एम.एफ.पी/2020-21/9821 भोपाल, दिनांक 26.12.2020 में जारी योजना के दिशा निर्देश की कंडिका क्रमांक 9.3.4 अनुसार तथा समय-समय पर शासन/वरिष्ठालय द्वारा जारी दिशा निर्देश अनुसार जिला स्तर पर लाभार्थियों को हैण्ड होल्डिंग सहायता उपलब्ध कराने के लिए रिसोर्स पर्सन (फेसिलेटर के रूप में) चयन किया जाना है।

रिसोर्स पर्सन हेतु योग्यता	रिसोर्स पर्सन के कार्य
योजना के क्रियान्वयन हेतु उपयुक्त व्यक्ति (जैसे सेवानिवृत्त सरकारी/बैंक अधिकारी, बीमा एजेंट, बैंक मित्र, परामर्श फर्म, व्यक्तिगत पेशेवर आदि) जो व्यक्तिगत सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के आवेदकों को सुविधा प्रदान करने एवं सहायता प्रदान कर सकें।	1. रिसोर्स पर्सन, एकल उद्योगों एवं समूहों को डी.पी.आर तैयार करने, बैंक से ऋण लेने, एफ.एस.एस.ए.आई के खाद्य मानकों, उद्योग आधार जी.एस.टी आदि सहित आवश्यक पंजीकरण एवं लाईसेंस प्राप्त करने में सहायता जैसी हैंड-होल्डिंग सेवाएं प्रदान करेंगे। 2. प्रत्येक लाभार्थी को उपलब्ध कराई गई सहायता के आधार पर "रिसोर्स पर्सन" का भुगतान बैंक से ऋण की स्वीकृति के 20000 रुपये की दर से भुगतान किया जाएगा। 50 प्रतिशत भुगतान बैंक ऋण की स्वीकृति के पश्चात किया जाएगा और शेष 50 प्रतिशत का भुगतान उद्योग को जीएसटी एवं उद्योग आधार पंजीकरण प्राप्त होने तथा एफएसएसएआई मानकों के अनुपालन, परियोजना के इम्प्लीमेंटेशन तथा ट्रेनिंग प्रदान करने के पश्चात किया जाएगा।

आवेदन की प्रारंभिक तिथि :- 23.06.2025 **आवेदन की अंतिम तिथि :- 30.06.2025**

इच्छुक आवेदक आवेदन पत्र मय दस्तावेजों के साथ **कार्यालय सहायक संचालक उद्यान, भाग्यश्री पैलेस, डॉ. मौर्य कम्पाउण्ड, उत्कृष्ट विद्यालय के पास, छीपानेर रोड़ हरदा** में कार्यालयीन समय प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक कार्यालय में ऑफलाइन स्वीकार किये जायेंगे।

नोट - जिला रिसोर्स पर्सन की किसी भी प्रकार की नियमित नियुक्ति नहीं है, मात्र योजना के निर्देश अनुसार प्रकरण आधारित भुगतान किये जाने हेतु हैं। शासन/वरिष्ठालय/इस कार्यालय द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देश/आदेश का आवेदक को पालन करना बंधनकारी होगा। किसी भी शर्तों/निर्देशों में परिवर्तन करना/निरस्त करना एवं आवेदन को स्वीकृत/अस्वीकृत का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता को रहेगा। उपरोक्त विज्ञप्ति एवं नियुक्ति पर किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायालयीन प्रकरण मान्य नहीं होगा।

जी-14360/51120/2025 सहायक संचालक उद्यान जिला-हरदा (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1, इन्दौर

eepwd1ind@mp.nic.in, Ph.No.: 0731-2490978

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 17/व.ले.लि./2025-26/ इन्दौर, दिनांक : 16.06.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देख जा सकता है।

ऑनलाइन टेण्डर नं.	ठेके की अनु. राशि (लाख में)	अमानत राशि (रु.)	निविदा प्रपत्र की राशि	कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. ग्राम दातोदा कनड सड़क का मजबूतीकरण के कार्य।				
2025_PWDRB_430942_1	25411000.00	254110.00	15000.00	8 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. वेटनरी रोड नहर से नाग मंदिर हरसोला तक मार्ग का निर्माण विद्युतीकरण कार्य सहित लंबाई 4.50 कि.मी।				
2025_PWDRB_430944 1	56357000.00	563570.00	20000.00	14 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. अम्बाचंदन से दतोदा मार्ग मजबूतीकरण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लंबाई 3.35 कि.मी।				
2025_PWDRB_430945_1	31175000.00	311750.00	15000.00	8 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. गोकल्याकुण्ड सेजगढ़ फोरफाटे से मांगीलाल पटेल के घर तक मार्ग का निर्माण विद्युतीकरण कार्य सहित लंबाई 2.0 कि.मी।				
2025_PWDRB_430946_1	22793000.00	227930.00	15000.00	6 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. मलेंडी से आशापुरा मार्ग का निर्माण विद्युतीकरण कार्य सहित लंबाई 3.50 कि.मी।				
2025_PWDRB_430947_1	44508000.00	445080.00	15000.00	10 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. ग्राम मोराद नेहरूवन सड़क का मजबूतीकरण के कार्य।				
2025_PWDRB_430948 1	18013000.00	180130.00	12500.00	6 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. सीतापाट से अवलाय मार्ग मजबूतीकरण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लंबाई 2.07 कि.मी।				
2025_PWDRB_430949_1	16389000.00	163890.00	12500.00	6 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. आम्बाचंदन भगोरा मार्ग मजबूतीकरण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लंबाई 1.85 कि.मी।				
2025 PWDRB_430950_1	15994000.00	159940.00	12500.00	6 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 9. राऊ सेनेटोरियम मार्ग मजबूतीकरण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लम्बाई 0.78 कि.मी.।				
2025_PWDRB_430951_1	10418000.00	104180.00	12500.00	5 माह वर्षाकाल सहित
	241058000.00			

1. उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन पेमेंट करने के पश्चात बिड डॉक्यूमेंट क्रय किया जा सकता है।
2. बिड प्रस्तुत करते समय बिड प्रस्तुतकर्ता को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करना आवश्यक है।
   1. बिड डॉक्यूमेंट की खरीदी का प्रमाण, 2. अरनेस्ट मनी जमा करने का प्रमाण, 3. चेक लिस्ट, 4. एफिडेविट एवं अन्य विस्तृत जानकारी बिड डाटा शीट में देखी जा सकती है।
3. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की तिथि दिनांक 16.06.2025 10:00 से **दिनांक 02.07.2025** 18:00 बजे तक निर्धारित है।
4. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
5. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाकर सिर्फ वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर ही किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-14440/51122/2025 लो.नि.वि. संभाग क्र. इन्दौर

लाड़ली बहनों और माताओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना हमारा लक्ष्य - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जबलपुर में राज्यस्तरीय लाड़ली बहना एवं महिला सम्मेलन में विकास कार्यों का लोकार्पण करते हुए

जबलपुर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर जिले के बेलखेड़ा गांव में राज्य स्तरीय लाड़ली बहना एवं महिला सम्मेलन को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि माताओं, बहनों और बेटियों को मान-सम्मान और उनका वाजिब हक दिलाने में राज्य सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। लाड़ली बहनों को आत्मनिर्भर बनाने, सुरक्षा, सम्मान, स्वाभिमान और समृद्धि प्रदान करने के लिए हमारी सरकार द्वारा हर महीने बहनों के खातों में राशि भेजकर बहनों का रक्षाबंधन मनवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में अगले महीने लाड़ली बहनों को 250 रुपये बढ़ाकर दिये जायेंगे, ताकि बहनें उत्साहपूर्वक त्योहार मना सकें।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की लाड़ली बहनों सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के जरिये 2081 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि अंतरित की।

- **रक्षाबंधन पर लाड़ली बहनों को 250 रुपये शगुन दिया जाएगा।**
- **27 लाख बहनों को गैस सिलेंडर रीफिलिंग के लिए 39.14 करोड़ रुपये की अनुदान राशि हुई अंतरित।**
- **6 हजार से अधिक श्रमिक परिवारों को 150 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि अंतरित।**

मुख्यमंत्री ने कहा है कि सरकार ने विरासत से विकास का संकल्प लिया है। जबलपुर क्षेत्र महारानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई जैसी वीरांगनाओं की धरती है। सरकार ने इन वीरांगनाओं के नाम पर योजनाएं चलाई हैं। इनका लाभ प्रदेश की लाखों महिलाओं को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की माताओं और बहनों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाना ही हमारा लक्ष्य है। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में पूरे देश सहित मध्यप्रदेश की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

मुख्यमंत्री ने 56 लाख 68 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ रुपये की राशि, 27 लाख से अधिक बहनों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत सिलेंडर रीफिलिंग की 39.14 करोड़ रुपये की अनुदान राशि और मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना में 6 हजार 821 श्रमिक परिवारों को 150 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि का भी सिंगल क्लिक से अंतरण किया।

सबको पक्का आवास

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांव, पहाड़ और नगर में रहने वाले, कच्चे और टूटे छत के मकान में रहने वाले सभी लोगों को पक्का मकान देने का काम किया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से हमारी माताओं और बहनों की आंखों को धुएं से मुक्ति दिलाने का काम भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है।

जनजातीय सशक्तिकरण का धरती आबा अभियान ऐतिहासिक कदम

सीहोर, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सीहोर जिले के ग्राम झोलियापुर में आयोजित राज्यस्तरीय शिविर कार्यक्रम को संबोधित किया। राज्यपाल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर शुरू किया गया जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जनजातीय सशक्तिकरण और समावेशी विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का उद्देश्य जनजातीय समुदाय के नागरिकों का कल्याण, सशक्तिकरण और विकास करना है। सरकार का यह प्रयास है कि जनजातीय समुदाय के जो नागरिक अभी तक सरकार की सेवाओं, सुविधाओं और योजनाओं से वंचित रह गए हैं, उन्हें लाभान्वित किया जाए। उनकी देश के विकास में सहभागिता को सशक्त नागरिक के रूप में सुनिश्चित किया जाए।

राज्यपाल ने कहा कि केंद्र सरकार के 18 मंत्रालय समन्वित रूप से इस अभियान का संचालन कर रहे हैं। सभी जरूरतमंद नागरिकों के लिए पीएम आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, पीएम उज्ज्वला योजना और एनआरएलएम सहित अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

गरीबों, किसानों और श्रमिकों की समृद्धि का आधार 'मनरेगा' - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गरीब, महिला, किसान और युवाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के विजन को साकार करने के लिये देशभर में अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश में कमजोर वर्गों के आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें मनरेगा योजना गरीबों, किसानों और श्रमिकों की आर्थिक समृद्धि का आधार बनी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इस योजना के माध्यम से न सिर्फ गरीब, श्रमिकों और किसानों को स्थानीय स्तर पर रोज़गार मिला रहा है, बल्कि सिंचाई की उपलब्धता भी बन रही है। योजना के अंतर्गत खेत-तालाब, अमृत-सरोवर, कुएं, चेक-डैम, भूमि समतलीकरण, मेड़बंदी, बागवानी, जल निकायों का निर्माण, जीर्णोद्धार और वर्षा जल संचयन संरचनाओं के निर्माण सहित जल संरचना के अन्य निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। मनरेगा योजना से जल गंगा संवर्धन अभियान में अब तक प्रदेश के 32 लाख लोगों को रोज़गार मिला है।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में निवासरत लोगों को स्थानीय स्तर पर ही रोज़गार मिले, इसके लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा मनरेगा योजना चलाई जा रही है। मनरेगा योजना में लोगों को स्थानीय स्तर पर 100 दिन का रोज़गार उपलब्ध कराया जाता है। प्रदेश में अप्रैल माह से अब तक 22 लाख परिवारों के 32 लाख लोगों को मनरेगा योजना का लाभ मिला है।

वृहद स्तर पर जल संरचना के कार्य

प्रदेश में बारिश के पानी का बड़े स्तर पर संचयन किया जा सके, लोगों को रोज़गार मिले, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत प्रदेश में बड़े स्तर पर जल संरचना के कार्य किए जा रहे हैं।

बासठ हजार से अधिक बच्चों के विचार पोर्टल पर अपलोड किये गये

भोपाल, केन्द्र सरकार के प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा संचालित इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के माध्यम से स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करने के मकसद से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में इंस्पायर अवॉर्ड मानक योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के जरिये बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के प्रयास किये जा रहे हैं। पिछले वर्ष स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित इस योजना में शासकीय विद्यालयों के अलावा अशासकीय विद्यालय के साथ केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और अन्य विद्यालयों के बच्चे शामिल हुए।

अगस्त-2025 तक आएगी प्रदेश की स्पेस-टेक पॉलिसी

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में 'एमपी-टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव' 2025 में एक डेडिकेटेड स्पेस-टेक नीति बनाने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रदेश को भविष्य के स्पेस टेक्नोलॉजी और नवाचार के केंद्र के रूप में विकसित करने की सोच को मूर्त रूप देने की दिशा में आगे बढ़ने के उद्देश्य से विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर में 'एमपी स्पेस-टेक नीति परामर्श : संभावनाएं और चुनौतियां' विषय पर विचार-विमर्श किया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने बताया कि प्रदेश की स्पेस-टेक पॉलिसी अगस्त 2025 तक जारी कर दी जायेगी। इसके लिये रोडमैप तैयार किया जा चुका है।

'एमपी स्पेस-टेक नीति परामर्श : संभावनाएं और चुनौतियां' विषय पर हुए संवाद में 30 से अधिक प्रमुख विशेषज्ञ, शोध संस्थान, स्टार्ट-अप प्रतिनिधि, रक्षा और तकनीकी क्षेत्र के अधिकारियों तथा शैक्षणिक संस्थानों के विशेषज्ञों ने परामर्श दिया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एसीएस श्री दुबे ने आईआईटी इंदौर में हुए इस संवाद को अत्यंत सार्थक बताया। उन्होंने कहा कि हमारी स्पेस-टेक नीति आधारभूत संरचना या नीतिगत प्रोत्साहनों तक सीमित नहीं रहेगी।

स्पेस-टेक पर हुए संवाद में आईआईटी इंदौर के शोध और विकास के डीन प्रो. अभिरूप दत्ता और निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा, कि स्पेस-टेक केवल उपग्रहों तक ही सीमित नहीं है, यह इंजीनियरिंग, मटेरियल साइंस, डाटा मैनेजमेंट और राष्ट्रीय क्षमताओं का संगम है।

उज्जैन में ऑप्टिक्स एवं ऑप्टिकल कम्युनिकेशन क्लस्टर की स्थापना, क्षेत्रीय डाटा सेंटर और सैटेलाइट ग्राउंड स्टेशन का विकास, पेलोड और कम्पोनेंट निर्माण के लिए मेक-इन-इंडिया को बढ़ावा देना, डोमेन-स्पेसिफिक स्किलिंग, स्पेस सिस्टम्स में साइबर सुरक्षा और नवाचार को सहयोग दिये जाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। विशेषज्ञों ने स्पेस-टेक पॉलिसी निर्माण में रिमोट सेंसिंग और कोर स्पेस-टेक के लिए अलग-अलग दृष्टिकोण अपनाये जाने पर जोर दिया।

रामायणकालीन लक्ष्मण बावड़ी को मिला नवजीवन

उज्जैन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन प्रवास के दौरान चिंतामण स्थित लक्ष्मी बावड़ी पहुंचे। पुरानी जल-संरचनाओं को फिर से उसी स्वरूप में लाने के लिए चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान ने उज्जैन की रामायणकालीन लक्ष्मण बावड़ी को नवजीवन के साथ पुराना वैभव भी लौटाया है।

उज्जैन में चिंतामण मंदिर स्थित लक्ष्मण बावड़ी का भी साफ-सफाई, रंगरोगन और पुनरुद्धार कार्य किया गया। प्राचीन लक्ष्मण बावड़ी एक अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पौराणिक स्थल है। इस बावड़ी का उल्लेख कई प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। जन आस्था के अनुसार इसके जल को पवित्र और चमत्कारी माना जाता रहा है। यह बावड़ी रामायण काल से उज्जैन की धरती पर स्थित है और स्थानीय जन आस्था का केन्द्र बनी रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लक्ष्मण बावड़ी में किए गए कार्य के बाद बावड़ी को पुनर्जीवन मिला। भागीरथी प्रयासों से यह प्राचीन बावड़ी फिर से अपने पौराणिक स्वरूप में लौट आई है और आस्था के केन्द्र के रूप में पुनः स्थापित हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं 'बावड़ी उत्सव' के दौरान इसी स्थान पर पहुंचे, उन्होंने बावड़ी का निरीक्षण, पूजन किया और जल संरक्षण का संदेश भी दिया। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लाखों जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार कर पुनर्जीवन प्रदान किया गया है। यह अभियान 30 जून तक संचालित होगा।

सामाजिक विकास के लिए मिलकर करें काम - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मंत्रालय में मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग और चार प्रतिष्ठित गैर शासकीय संगठनों अंतरा फाउंडेशन, प्रदान, पीएचआई फाउंडेशन और यूएनविमेन के मध्य समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर एवं आदान-प्रदान किया गया। इन एमओयू से प्रदेश के सुनियोजित, समावेशी, सकल और सतत विकास को बल मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का सामाजिक परिदृश्य बदल रहा है। सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर सभी अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। सामाजिक विकास के सभी मानकों में उत्तरोत्तर बढ़ोतरी और सबको विकास का लाभ देने के लिए सरकार गैर शासकीय संगठनों के अनुभवों का भी लाभ उठायेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग प्रदेश में संचालित सभी जनहितैषी योजनाओं के लोकव्यापीकरण के जरिए मानवीय और सामाजिक विकास के सभी मानकों में सुधार और बढ़ोतरी के लिए ऐसे एनजीओ के साथ मिलकर काम करे, जिन्हें विषयगत विशेषज्ञता हासिल हो। उन्होंने कहा कि फील्ड में रह कर काम करने वाले एनजीओ से मिले सुझावों पर भी गंभीरता से अमल का प्रयास किया जाये। नीति आयोग, जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन आपसी समन्वय और सामंजस्य से जनता के हित में काम करें।

- **राज्य नीति आयोग ने चार एनजीओ के साथ किये एमओयू।**
- **प्रदेश के समावेशी और सतत विकास को मिलेगा बल।**
- **इन एमओयू के माध्यम से प्रदेश में नीति नवाचार और सुशासन को मिलेगी गति।**

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग राज्य के सतत विकास लक्ष्यों के अनुश्रवण और मध्यप्रदेश के दृष्टि पत्र-2047 की तैयारी में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इन साझेदारियों के माध्यम से राज्य में नीति नवाचार, डाटा आधारित सुशासन तथा बहु-क्षेत्रीय विकास को और अधिक सशक्तता एवं व्यापकता के साथ अमल में लाया जायेगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

आत्मनिर्भरता और आत्मगौरव का प्रभावी माध्यम है ग्रामीण पर्यटन - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल में आयोजित ग्रामीण रंग पर्यटन संग राज्यस्तरीय उत्सव में शामिल हुए

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित ग्रामीण रंग पर्यटन संग राज्यस्तरीय उत्सव को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण पर्यटन आत्मनिर्भरता और आत्मगौरव का प्रभावी माध्यम है। ग्राम स्तर पर पर्यटन गतिविधियों से जहां युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोज़गार और आर्थिक उन्नति के अवसर उपलब्ध होते हैं, वहीं पर्यटन गतिविधियां, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, तीज-त्योहार-पर्व और खानपान को राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी सहायक होती हैं। प्रदेश में विकसित हो रहे होम-स्टे भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के 'अतिथि देवो भव:' के भाव को चरितार्थ करने का माध्यम बन रहे हैं। होम-स्टे संचालनकर्ता और राज्य सरकार का यह प्रयास है कि प्रदेश में आने वाले सभी अतिथि प्रदेश

- प्रदेश में पर्यटकों के लिए आरंभ होगी हेलीकॉप्टर सेवा।
- मुख्यमंत्री ने 241 होम-स्टे का किया वर्चुअल लोकार्पण।
- होम-स्टे निर्माण में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने वाले 10 जिला कलेक्टर हुए सम्मानित।

के बारे में सकारात्मक छवि और अच्छी स्मृतियां साथ लेकर जाएं। पर्यटन के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य विभाग आदि समन्वित रूप से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति में तीर्थाटन की परंपरा सदियों से रही है। दुनिया के लोग शौक और आनंद के लिए घर से निकलते हैं, वहां भारत के लोग चारधाम की मोक्ष यात्रा पर निकलते हैं, जहां वे सनातन सांस्कृतिक मूल्यों को आत्मसात करते हुए अन्य प्रदेशों की विविध जीवनशैली और परंपराओं से परिचित होते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारतीय मूल्यों के अनुरूप परस्पर विश्वास की भावना को बढ़ा रहे हैं।

पर्यटन को बढ़ावा देने हुए एमओयू

कार्यक्रम में ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए सिग्निफाइंग और टूरिज्म बोर्ड के बीच 61 गांवों में एलईडी एवं सोलर लाइट्स लगाने के लिए एमओयू का आदान प्रदान किया गया। साथ ही स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी और टूरिज्म बोर्ड के बीच फिल्म निर्माण एवं डिजिटल प्रमोशन के लिए एमओयू और एमपी टूरिज्म बोर्ड एवं एमपीएसईडीसी के बीच एमओयू का आदान-प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होम-स्टे निर्माण में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने वाले नर्मदापुरम, आगर, छतरपुर, निवाड़ी, मुरैना, सीहोर, सीधी और पन्ना सहित 10 जिला कलेक्टरों को सम्मानित भी किया।

वीरांगना लक्ष्मीबाई के सम्मान के लिये प्रदेश सरकार तत्पर - मुख्यमंत्री

ग्वालियर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वीरांगना लक्ष्मीबाई की शौर्यगाथा जन-जन तक पहुंचना चाहिए। ग्वालियर में पिछले 26 वर्षों से महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित होने वाला बलिदान मेला एक सार्थक प्रयास है। बलिदान मेले के आयोजन के लिये

- महानाट्य के लिये पांच लाख रुपये देने की घोषणा।
- पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल जी के जन्म शताब्दी वर्ष पर उनके सम्मान में ग्वालियर में मंत्रिपरिषद की बैठक होगी।
- विभिन्न विभूतियों का मुख्यमंत्री ने किया सम्मान।

सरकार पूरा सहयोग करेगी। इसके साथ ही वीरांगनाओं के जीवन पर आधारित नाट्य मंचन के लिये 5 लाख रुपये की धनराशि देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष पर उनके सम्मान में ग्वालियर में मंत्रिपरिषद की बैठक होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार हमेशा वीरांगनाओं के सम्मान के लिए समर्पित रही है, वीरांगना के रूप में साक्षात देवी दुर्गा ने धरती पर जन्म लेकर मध्यप्रदेश के ग्वालियर की भूमि पर अपना बलिदान दिया, यह भूमि हमारे लिए तीर्थ के समान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर की धरती पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महान विभूतियों ने देश के विकास में अतुलनीय कार्य किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश में नई शिक्षा नीति लागू कर युवाओं को देश की शौर्य गाथाओं, संस्कृति, संगीत एवं अन्य विधाओं से अवगत कराने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

सिकल सेल रोग उन्मूलन के राष्ट्रीय संकल्प को मध्यप्रदेश कर रहा साकार

भोपाल, उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में वर्ष-2047 तक देश को सिकल सेल मुक्त बनाने के लक्ष्य को लेकर सब एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। सिकल सेल रोग के उन्मूलन के राष्ट्रीय संकल्प को मध्यप्रदेश दृढ़ता से साकार कर रहा है। श्री शुक्ल ने कहा कि सिकल सेल एक अनुवांशिक एवं असाध्य रक्त विकार है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी स्थानांतरित होता है। इसमें लाल रक्त कणिकाएं अर्द्धचंद्राकार हो जाती हैं, जिससे ऑक्सीजन प्रवाह बाधित होता है और व्यक्ति को तीव्र दर्द, संक्रमण तथा अंग क्षति जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यह रोग विशेषत: जनजातीय समुदायों में अधिक पाया जाता है और मध्यप्रदेश जैसे जनजातीय बाहुल्य राज्य के लिए एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती है।

उपमुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया है कि सब मिलकर यह संकल्प लें कि वर्ष 2047 तक मध्यप्रदेश को सिकल सेल मुक्त बनाएंगे। हर नागरिक की स्क्रीनिंग कराएं, विवाह पूर्व सिकल सेल कार्ड को अनिवार्य रूप से अपनाएं और समाज में संकोच नहीं, समाधान का संदेश फैलाएं।

ग्लोबल स्किल्स पार्क

वैश्विक दक्षता की दिशा में अभिनव पहल

भोपाल, संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (एसएसआरजीएसपी) में सुभाष इनीशिएटिव के तहत जर्मन भाषा प्रशिक्षण प्रारंभ कर अभिनव पहल की गई है। यह पहल मेटएक्स स्ट्रक्चर्स, जर्मनी के सहयोग से प्रारंभ हुई है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को वैश्विक कार्य संस्कृति से परिचित कराना और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय रोज़गार के अवसरों के लिए सक्षम बनाना है। मेटएक्स स्ट्रक्चर्स के प्रबंध निदेशक श्री ओंकार काकवडे ने जर्मन भाषा की उपयोगिता, औद्योगिक मांग और प्रशिक्षण के संभावित वैश्विक लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि नई संस्कृतियों और अवसरों का द्वार भी है।

इस अवसर पर एसएसआरजीएसपी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गिरीश शर्मा ने छात्रों से संवाद करते हुए जर्मन भाषा की कुछ मूलभूत अवधारणाएं साझा कीं। उन्होंने बताया कि एसएसआरजीएसपी का प्रयास केवल तकनीकी दक्षता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं को वैश्विक नागरिक के रूप में तैयार करने की दिशा में भी समान रूप से प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नीशियन, मेक्ट्रॉनिक्स टेक्नीशियन, कंक्रीटर, मेटल वर्कर, सड़क निर्माण श्रमिक और राजमिस्त्री जैसे कोर्स से जुड़े विद्यार्थियों ने भाग लिया। भाषा प्रशिक्षण के इस समावेशन ने तकनीकी कौशल के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संवाद और समावेशन की समझ को भी बल दिया है।

मुख्यमंत्री के प्रयासों से कान्हा टाइगर रिज़र्व की ऊंची उड़ान

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के वन अभयारण्य के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। कान्हा टाइगर रिज़र्व को बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास घोषित किए जाने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन अमले को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि अन्य रिज़र्व भी इस दिशा में सकारात्मक पहल करेंगे। भारतीय वन्य-जीव संस्थान, देहरादून द्वारा जारी की गयी रिपोर्ट के अनुसार कान्हा टाइगर रिज़र्व में शाकाहारी वन्य-प्राणियों की संख्या देश में सबसे अधिक है। कान्हा टाइगर रिज़र्व को देश में बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास क्षेत्र घोषित किया गया है। कान्हा टाइगर रिज़र्व

- कान्हा टाइगर रिज़र्व बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास क्षेत्र घोषित।
- कान्हा टाइगर रिज़र्व शाकाहारी वन्य-जीवों की संख्या में देश में अव्वल।

प्रदेश के मण्डला जिले में स्थित है। इसका कुल क्षेत्रफल 2074 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें 917.43 वर्ग किलोमीटर कोर क्षेत्र और 1134 वर्ग किलोमीटर में बफर जोन शामिल है। कान्हा टाइगर रिज़र्व वन्य-जीव सम्पदा संरक्षण में देश में सर्वश्रेष्ठ है।

भारतीय वन्य-जीव संस्थान, देहरादून द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार कान्हा टाइगर रिज़र्व में शाकाहारी वन्य-जीवों की संख्या 1 लाख 2 हजार 485 है। इनका प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व 69.86 आंका गया है। अभयारण्य का कुल बायोमास 12.6 लाख किलोग्राम 8602.15 किलोग्राम/वर्ग किलोमीटर है। कान्हा टाइगर रिज़र्व में चीतल, सांभर, गौर, जंगली सुअर, बार्किंग डियर, नीलगाय और हॉग डियर की बहुतायत है।

कान्हा टाइगर रिज़र्व अपनी प्रबंधन नीतियों के कारण आदर्श बाघ निवास बन सका है। यहां वर्षभर घास भूमियों की देखरेख, जलस्रोतों का निर्माण, झाड़ियों की सफाई, लांटाना जैसी घासों का उन्मूलन और बाघ-आहार प्रजातियों की संख्या बढ़ाने के लिये आवास सुधार के कार्य जारी रहते हैं।

उच्च शिक्षा संस्थानों में एक लाख से अधिक विद्यार्थियों का प्रवेश

भोपाल, उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत महाविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में सत्र 2025-26 की प्रवेश प्रक्रिया के प्रथम चरण में अब तक लगभग 1 लाख 33 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया है। इनमें एनसीटीई पाठ्यक्रमों में लगभग 14 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया है। स्नातक के लिए लगभग 90 हजार एवं स्नातकोत्तर के लिए लगभग 30 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश शुल्क जमा कर दिया है। कुल 1 लाख 20 हजार विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा संस्थानों में अपना प्रवेश शुल्क जमा कर दिया है।

लोकतंत्र और राष्ट्रवादी भावना का संरक्षण पत्रकारिता की अहम कड़ी - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल स्थित अपेक्स बैंक में स्वदेश ज्योति समाचार पत्र के लोकार्पण समारोह का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में लोकतंत्र और राष्ट्रवादी भावना के संरक्षण के लिए पत्रकारिता अहम कड़ी है। इसी भावना से एक पत्रकार अपना संपूर्ण जीवन खपा देता है। लोकतंत्र के स्वस्थ वातावरण में सहमति और असहमति दोनों का अपना स्थान है और इस कार्य को वर्तमान समय में देश के कई समाचार पत्र समूह बड़ी खूबसूरती से अंजाम तक पहुंचा रहे हैं। ऐसी ही यात्रा स्वदेश समूह की रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आपातकाल के दौर में संघर्षों का सामना करते हुए स्वदेश समाचार पत्र ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की। वर्तमान समय में प्रिंट

मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ न्यू मीडिया (डिजिटल मीडिया) भी राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरणा लेकर स्वदेश समाचार पत्र ने हमेशा पिछड़ों और वंचित वर्ग की आवाज बुलंद करने का कार्य किया है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य काश्यप ने कहा कि स्वदेश समाचार-पत्र ने प्रखर राष्ट्रवादी विचारों को जीवंत रखते हुए पत्रकारिता का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है।

कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल श्री कप्तान सिंह सोलंकी ने दैनिक स्वदेश ज्योति प्रबंधन को बधाई देते हुए कहा कि स्वदेश समाचार पत्र ने देश की आजादी के बाद राष्ट्र के पुनर्निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाई है। देश में धर्म, भाषा, जाति, जेंडर और अमीर-गरीब का बड़ा अंतर था।

ऐसे समय में स्वदेश ने नागरिकों के बीच राष्ट्रवादी विचारों और राष्ट्र-प्रथम की भावना को सशक्त किया। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी भी लंबे अरसे तक इस समाचार पत्र से जुड़े रहे। कार्यक्रम को वरिष्ठ सांसद श्री वीडी शर्मा एवं वरिष्ठ नेता श्री सुरेश पचौरी ने भी संबोधित किया एवं प्रबंधन को शुभकामनाएं दीं। वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रधान संपादक श्री राजेंद्र शर्मा ने समाचार पत्र की भावना और विकास यात्रा को समारोह में उपस्थितजनों के समक्ष रखा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मंत्रिपरिषद ने मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम का किया अनुमोदन

- मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 का अनुमोदन किया गया
- मध्यप्रदेश में 2 लाख नवीन पद होंगे निर्मित।
- म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए 5163 करोड़ रुपये का अनुमोदन।
- 459 नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थापना, संचालन एवं भवन निर्माण के लिए 143 करोड़ 46 लाख रुपये की स्वीकृति।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में भोपाल में मंत्रिपरिषद की बैठक सम्पन्न हुई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 का अनुमोदन किया गया है। अनुमोदन अनुसार आरक्षित वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर उनके हितों को संरक्षित किया गया है। अनुसूचित जनजाति के लिये 20 प्रतिशत एवं अनुसूचित जाति के लिये 16 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोकसेवकों को भी मेरिट के आधार पर पदोन्नति प्राप्त करने का अवसर दिया गया है। वर्तमान वर्ष में ही आगामी वर्ष की रिक्तियों के लिए पदोन्नति समिति की बैठक कर चयन सूची बनाये जाने का प्रावधान किया गया है, अर्थात अग्रिम डी.पी.सी. के प्रावधान किये गये हैं।

पदोन्नति के सूत्र में वरिष्ठता का पर्याप्त ध्यान रखा गया है। वरिष्ठ लोक सेवकों में से मेरिट के अनुसार न्यूनतम अंक लाने वाले लोक सेवक पदोन्नति के लिए पात्र होंगे, प्रथम श्रेणी के लोक सेवकों के लिए merit cum seniority का प्रावधान किया गया है।

पदोन्नति के सूत्र में कार्यदक्षता को प्रोत्साहित किया जाना लक्षित है, पदोन्नति के लिए अपात्रता का स्पष्ट निर्धारण किया गया है। किन परिस्थितियों में कोई लोक सेवक अपात्र होगा एवं दण्ड का क्या प्रभाव होगा यह स्पष्ट रूप से लेख किया गया है। किसी भी विभागीय पदोन्नति समिति बैठक के सन्दर्भ में निर्णय के पुनर्विलोकन के लिए रिव्यू डी.पी.सी. की बैठक आयोजित किये जाने के लिये स्पष्ट प्रावधान किये गये हैं। नवीन पदोन्नति नियमों में परिभ्रमण की व्यवस्था समाप्त की गई है।

इससे पदोन्नति के लिए अधिक पद हो सकेंगे।

पदोन्नति समिति को शासकीय सेवक की उपयुक्तता निर्धारण करने का अधिकार दिया गया है।

चतुर्थ श्रेणी के लिये अंक व्यवस्था नहीं होगी, केवल पदोन्नति के लिए उपयुक्त होने पर ही पदोन्नति प्राप्त हो सकेगी। अर्हकारी सेवा के लिए किसी वर्ष में की गई आंशिक सेवा को भी पूर्ण वर्ष की सेवा माना जायेगा, यदि वर्ष के एक भाग की सेवा भी की गई है तो उसे पूर्ण वर्ष की सेवा माना जाएगा। यदि किसी वर्ष में 6 माह का ही गोपनीय प्रतिवेदन उपलब्ध है तो उसे पूर्ण वर्ष के लिये मान्य किया जा सकेगा।

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए राशि स्वीकृत

मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश की विद्युत पारेषण कंपनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2029-30 के लिए प्रचलित एवं निर्माणाधीन पूंजीगत योजनाओं और अनुमानित लागत राशि 5 हजार 163 करोड़ रुपये का अनुमोदन दिया गया। निर्णय अनुसार मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के लिए योजना लागत राशि 5 हजार 163 करोड़ रुपये का अनुमोदन प्रदान किया गया। योजना के लिए 20 प्रतिशत अंशपूंजी राज्य शासन के द्वारा तथा शेष 80 प्रतिशत ऋण वित्तीय संस्थाओं/बैंकों से प्राप्त किया जाएगा।

योजनान्तर्गत आगामी वर्षों में अति उच्चदाब पारेषण परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए यथा केंद्रीय पारेषण इकाई से स्वीकृत पारेषण प्रणाली सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक निर्माण और उन्नयन कार्य के लिए 1 हजार 154 करोड़ रुपये, सिंहस्थ-2028 के लिए आवश्यक कार्य के लिए 185 करोड़ रुपये, प्रदेश में नवीन अति उच्चदाब उपकेन्द्रों का निर्माण के लिए 1 हजार 15 करोड़ रुपये, मुरैना संभागीय मुख्यालय और ग्वालियर शहर के उत्तरी भाग को अनवरत विद्युत आपूर्ति के लिए नवीन अति उच्चदाब लाइनों के निर्माण के लिए 54 करोड़ रुपये, प्रदेश में विद्यमान अति उच्च्दाब ट्रांसफार्मरों की क्षमता संवर्धन/वृद्धि के लिए 1280 करोड़ रुपये, आरडीएसएस योजना के अंतर्गत वितरण कंपनियों के लिए 184 नग नवीन 33 केव्ही के निर्माण के लिए 81 करोड़ रुपये, डीपी/एफपी लाइन (डबल पोल/फोर पोल) लाइन को डीसीडीएस/डीसीएसएस (डबल सर्किट डबल स्ट्रन्ग/डबल सर्किट सिंगल स्ट्रन्ग) टॉवर लाइन में रूपांतरण के लिए 662 करोड़, अति उच्चदाब टेप लाइनों के स्थान पर लाइनों का लूप-इन लूप-आउट (एलआईएलओ) किया जाना एवं एकल स्रोत से प्रदायित उपकेंद्रों के लिए नई लाइनों का निर्माण के लिए 451 करोड़ रुपये तथा अन्य कार्य जिसमें स्काडा प्रणाली का प्रतिस्थापन, 132 केवी द्वितीय मुख्य बस तथा 132/33 केवी बस कपलर का निर्माण, 33 केवी कैपेसिटर बैंक की स्थापना एवं अन्य कार्य के लिए 281 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं।

प्रदेश में 459 नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों की होगी स्थापना

मंत्रिपरिषद द्वारा 'सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0' योजना अंतर्गत विशेष जनजाति क्षेत्रों में पीएम-जनमन कार्यक्रम के लिए 459 नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थापना, संचालन तथा भवन निर्माण की स्वीकृति दी गयी। स्वीकृति अनुसार 459 आंगनवाडी केन्द्रों के संचालन के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 459 पद (मानसेवी), आंगनवाड़ी सहायिका के 459 पद (मानसेवी) तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों के पर्यवेक्षण के लिए पर्यवेक्षक के 26 पद (नियमित शासकीय सेवक पद वेतनमान 25,300-80,500) के सृजन की स्वीकृति दी गयी है।

वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक योजना पर राशि का व्यय भारत सरकार द्वारा प्राप्त स्वीकृति के अनुसार किया जायेगा। योजना पर 143 करोड़ 46 लाख रुपये का व्यय अनुमानित है। इसमें केन्द्रांश राशि 72 करोड़ 78 लाख रुपये और राज्यांश राशि 70 करोड़ 68 लाख रुपये होगा।

पांढुर्णा, मैहर और मऊगंज में जिला कोषालय की स्थापना का अनुमोदन

मंत्रिपरिषद द्वारा नव गठित जिलों पांढुर्णा, मैहर और मऊगंज में जिला कोषालय की स्थापना का अनुमोदन भी किया गया।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

फैक्ट फाइल

पर्यटन को एक नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए सतत् प्रयत्नशील है राज्य सरकार

मध्यप्रदेश में विरासत के साथ विकास और सौंदर्य का अनूठा संगम

मध्यप्रदेश ऐतिहासिक विरासत से समृद्ध है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विरासत के साथ विकास को मूर्तरूप देते हुए प्रदेश को पर्यटन की ऊंचाई पर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। निरंतर प्रयासों के चलते मध्यप्रदेश के पर्यटक, स्थलों ने विश्व मानचित्र पर विशेष स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश का हर अंचल, हर क्षेत्र, हर कोना इतिहास के कालखंडों को प्रदर्शित करता है। प्रदेश ने भव्य किले, उत्कृष्ट नक्काशीदार मंदिर, प्राचीन शैलचित्र और अद्भुत स्मारक अपनी गौरवशाली अतीत की कहानी बयां करते हैं। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में अपनी अमूल्य धरोहरों को संरक्षित किया जा रहा है। प्रयास है कि पर्यटक प्रदेश की धरती पर ज्ञान से समृद्ध होने के साथ सुकून भी महसूस करें।

यूनेस्को की विश्व धरोहर

मध्यप्रदेश के खजुराहो की अलौकिक मूर्तियां, सांची का शांति स्तूप और भीमबेटका की ऐतिहासिक कलाकृतियाँ यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थायी सूची में सम्मिलित हैं। इन धरोहरों के अतिरिक्त 18 अन्य पर्यटन स्थल भी यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल होने के साथ अब यात्रियों को आकर्षित करने के लिए तैयार हैं। मध्यप्रदेश अपने मूल मंत्र "अतिथि देवो भव" को गर्व से अपनाते हुए स्वच्छ, हरित और सुरक्षित स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यहां आने वाले यात्री प्रदेश के ऐतिहासिक स्थलों की उन कहानियों के साक्षी बनेंगे, जो हजारों वर्षों पुराने इतिहास को बयां करती हैं और सुकून देती हैं।

अतीत से जोड़ता है ग्वालियर

प्रदेश का ग्वालियर शहर अपने शाही गलियारों में पर्यटकों का स्वागत करता है। यह देश के बाकी हिस्सों से आवागमन के लिए अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। यहाँ का हर पत्थर एक कहानी सुनाता है, हर गली में सदियों पहले के राजाओं, कवियों और यात्रियों के पदचिन्ह हैं। यह शहर गणित में शून्य के पहले लिखित प्रमाण का संरक्षक भी है।

मुख्य बिन्दु

- मध्यप्रदेश ने अपनी समृद्ध विरासत के साथ देश दुनिया में पर्यटक राज्य के रूप में बनाया स्थान।
- मध्यप्रदेश देश का एकमात्र हीरा उत्पादक राज्य है।
- प्रदेश के प्रति 100 किलोमीटर क्षेत्र में पुरातात्विक और प्रचीन इमारते हैं।
- प्रदेश के भव्य किले, नक्काशीदार मंदिर ऐतिहासिक शैलचित्र और अद्भुत स्मारक एक गौरवपूर्ण इतिहास के साक्षी हैं।
- मध्यप्रदेश के खजुराहो, सांची, भीमबेटका यूनेस्को के विश्व धरोहर की स्थाई सूची में शामिल।
- प्रदेश के अन्य 18 पर्यटन स्थल यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थाई सूची में शामिल।
- मध्यप्रदेश का महिलाओं के अनुकूल यात्रा गंतव्य के रूप में विशेष स्थान प्राप्त।

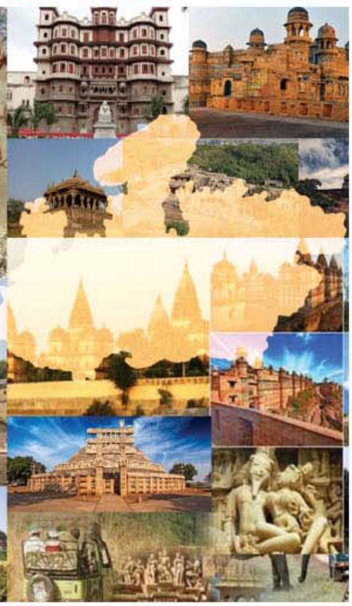

मनमोहक मांडू

मांडू छठी शताब्दी ईसा पूर्व के भव्य स्मारक और नाजुक महल, शाही चांदनी रातों के गीतों और प्रेम-स्नेह की प्रेरणाओं को संजोए हुए हैं। यह ऊर्जावान कवियों और पुलकित करने वाले सपने देखने वालों को अभिप्रेरित करता है।

रहस्यों से आकर्षित करता है चंदेरी

चंदेरी एक ऐसा ऐतिहासिक शहर है, जहाँ ज़मीन के नीचे भी चमत्कार छिपे हुए हैं। यहाँ की प्राचीन बावड़ियाँ, जिनकी अद्भुत समरूपता और भूल-भुलैया जैसी सीढ़ियाँ पर्यटकों को एक रहस्यमयी दुनिया में ले जाती हैं। यहां की बावड़ियां लोककथा कहती हैं।

फुहारों का आनंद जबलपुर

जबलपुर एक रोमांचक अनुभव के लिए प्रसिद्ध है। यहां सफेद संगमरमर की ऊँची चट्टानों के बीच नाव की सवारी करते हुए पर्यटक सूरज की रोशनी में चमकते पानी और झरनों की गूँजती ध्वनि का अनुभव कर सकते हैं।

धामनार की गुफाएं

धामनार में पत्थर की उत्कृष्ट कारीगरी और प्रकृति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यहाँ 5वीं-7वीं शताब्दी की कलात्मक और आध्यात्मिक उत्कृष्टता का प्रमाण स्वरूप पहाड़ी में उकेरी गई 51 से अधिक अखंड गुफाएँ मौजूद हैं। गुफाओं के भव्य दरवाजे, ऊँचे पत्थर के स्तंभ और जटिल मूर्तिकला शांति की अनुभूति कराते हैं।

बुरहानपुर परंपरा स्वाद की

बुरहानपुर में स्वाद का अनुभव अनूठा है यहाँ की गलियां मलाईदार मावा-जलेबी की सुगंध से महकती हैं। यहाँ दाल-चावल की एक साधारण थाली को भी पीली मिर्च के साथ परोसा जाता है। जंगल के फूलों से बनी तीखी, सुगंधित महुआ चटनी इसका स्वाद और भी विशेष बना देती है। बुरहानपुर पर्यटकों को लज़ीज़ व्यंजनों से भरपूर दावत देता हैं।

मध्यप्रदेश में कई पुरातात्विक और ऐतिहासिक स्थल हैं। इन स्थलों में कई पौराणिक कथाएँ और रहस्य है हर शहर की एक ऐतिहासिक कहानी है। प्रदेश की विरासत एक अद्भुत अनुभव प्रदान करती है।

- शशांक मणि पांडे

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से हुए सम्मानित

साइप्रस ने भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को देश के

सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय' से सम्मानित किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी को यह सम्मान उनकी साइप्रस यात्रा के दौरान साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने राष्ट्रपति भवन में प्रदान किया। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि यह 140 करोड़ भारतीयों, हमारी संस्कृति, भाईचारे और वसुधैव कुटुम्बकम का सम्मान है। उन्होंने कहा कि हमने साइप्रस की स्वतंत्रता, संप्रभुता और अखंडता का समर्थन किया है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को अब तक 21 देश सर्वोच्च नागरिक सम्मान से अलंकृत कर चुके हैं।

आईएनएस अर्णाला

नौसेना के बेड़े में शामिल हुआ स्वदेशी पनडुब्बी रोधी युद्धपोत

भारतीय नौसेना ने विशाखापत्तनम डॉकयार्ड में भारत

के पहले स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित एंटी सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू - एसडब्ल्यूसी) आइएनएस अपने बेड़े में शामिल किया है। इस युद्धपोत को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में कमीशन किया गया। इसका नाम महाराष्ट्र के वसई के ऐतिहासिक अर्णाला किले के नाम पर रखा गया है। यह युद्धपोत 77 मीटर लंबा है। इसका भार 1490 टन से अधिक है। यह डीजल इंजन-वाटरजेट संयोजन द्वारा संचालित होने वाला सबसे बड़ा भारतीय नौसैनिक युद्धपोत है। यह युद्धपोत निगरानी, खोज और बचाव कार्यों और कम तीव्रता वाले समुद्री अभियान के लिए डिजाइन किया गया है।

कैटरीना कैफ

मालदीव की ग्लोबल टूरिज्म एम्बेसडर बनीं

मालदीव टूरिज्म इंडस्ट्री ने बॉलीवुड की मशहूर

अभिनेत्री और स्टाइल आइकन कैटरीना कैफ को अपनी नई ग्लोबल टूरिज्म ब्रांड एम्बेसडर के रूप में चुना है। मालदीव मार्केटिंग एंड पब्लिक रिलेशंस कॉरपोरेशन ने इस घोषणा के साथ अपनी समर सेल कैम्पेन का भी शुभारंभ किया है, जिसका उद्देश्य दुनियाभर के यात्रियों को इस खूबसूरत द्वीपसमूह की ओर आकर्षित करना है। मालदीव के सनी साइड ऑफ लाइफ का ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर बनने पर कैटरीना कैफ ने कहा कि मालदीव विलासिता और प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीक है। मुझे इसकी ब्रांड एम्बेसडर बनने पर गर्व है। यह सहयोग दुनियाभर के लोगों के लिए शानदार यात्रा अनुभव लाने का है, और मैं उत्साहित हूं कि मैं मालदीव के अनोखे आकर्षण और विश्वस्तरीय अनुभवों को सभी के सामने ला सकूं।

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने

एस्टेरॉइड्स की पहचान के लिए बनाया नया टेलीस्कोप

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने एक नया टेलीस्कोप

तैयार किया है, जो खतरनाक एस्टेरॉइड्स की पहचान करेगा। इस टेलीस्कोप को फ्लाई आई नाम दिया गया है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि यह टेलीस्कोप मक्खी की आंख से प्रेरित है और एक साथ आसमान के बड़े हिस्सों को स्कैन कर सकता है। इसे नए एस्टेरॉइड्स की खोज के लिए ही डिजाइन किया गया है। इस टेलीस्कोप का डिजाइन ऐसा है कि यह कुछ मिनटों में आसमान के एक नए हिस्से की तस्वीर लेता है। फ्लाई आई टेलीस्कोप की मदद से पहले से कहीं ज्यादा तेजी से एस्टेरॉइड्स की पहचान की जा सकेगी।

डॉ. बॉबी मुक्कामाला

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष बने

अमेरिका में भारतीय मूल के चिकित्सक डॉ. बॉबी

मुक्कामाला को अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (एएमए) का अध्यक्ष चुना गया है। वह एएमए के 180वें अध्यक्ष बन गए हैं। वह एएमए के इतिहास में भारतीय मूल के पहले अध्यक्ष हैं। डॉ. बॉबी का असली नाम डॉ. श्रीनिवास मुक्कामाला है वे स्वयं कैंसर पीड़ित रहे हैं, उन्होंने अपने कैरियर में हमेशा मरीजों के अधिकारों के लिए बेबाक आवाज उठाई है। कैंसर से लड़ते हुए उन्होंने अपने इस पद की जिम्मेदारी को और भी गहराई से महसूस किया और इसे अमेरिकी स्वास्थ्य प्रणाली को बेहतर, न्यायसंगत और समावेशी बनाने के लिए एक मजबूत मंच के रूप में उपयोग किया।

लेफ्टिनेंट कमांडर यशस्वी सोलंकी

राष्ट्रपति की एडीसी बनने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं

भारतीय नौसेना की लेफ्टिनेंट कमांडर यशस्वी सोलंकी

को भारत के राष्ट्रपति की सहयोगी (एडीसी) के रूप में नियुक्त किया गया है। यह पहली बार है जब भारतीय नौसेना की किसी महिला अधिकारी को राष्ट्रपति का एडीसी नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती भूमिका और उनके प्रति बढ़ते विश्वास का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। एक एडीसी की भूमिका में राष्ट्रपति और प्रतिष्ठान के विभिन्न अंगों के बीच समन्वय और संचार को सुगम बनाना शामिल है। आमतौर पर राष्ट्रपति के सहयोगी के रूप में 5 एडीसी नियुक्त किए जाते हैं, इनमें से तीन थलसेना से, एक नौसेना और एक वायु सेना से नियुक्त होता है। इसके अलावा, राष्ट्रपति अपने विवेक से किसी भी सशस्त्र बल से अधिकारियों को इस भूमिका में सेवा देने के लिए चुन सकते हैं।

स्वप्निल ममगाई

सीमा सुरक्षा बल के डीआईजी बने

भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी स्वप्निल

ममगाई को सीमा सुरक्षा बल का उप महानिरीक्षक नियुक्त किया गया है। वह उत्तर प्रदेश कैडर (वर्ष 2011 बैच) के आईपीएस अधिकारी हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस संबंध में नियुक्ति पत्र जारी कर दिया है। आईपीएस ममगाई की नियुक्ति 5 वर्ष या नया आदेश जारी होने तक के लिए की गई है। वह वर्तमान में पीएसी मेरठ सेक्टर में डीआईजी के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है।

कार्लो एक्यूटिस

पोप लियो XIV प्रदान करेंगे संत की उपाधि

इटेलियन मूल के कार्लो एक्यूटिस को संत की उपाधि

प्रदान की जाएगी। कार्लो एक्यूटिस वर्ष 2000 के बाद संत बनने वाले पहले मिलेनियल होंगे। ईसाइयों के सबसे बड़े धर्मगुरु पोप लियो XIV ने घोषणा करते हुए कहा कि कार्लो एक्यूटिस को 7 सितंबर 2025 को संत घोषित किया जाएगा। कार्लो एक्यूटिस को गॉड इंफ्लूएंसर कहा जाता है। वह संत की उपाधि पाने वाले पहले मिलेनियल (1981-1996 के बीच जन्में) होंगे। 2006 को कार्लो एक्यूटिस की महज 15 वर्ष की उम्र में ल्यूकीमिया से मौत हो गई थी। मृत्यु के दो दशक बाद उन्हें संत की उपाधि दी जाएगी। रोमन कैथोलिक चर्च में किसी भी उम्र के शख्स को संत की उपाधि दी जाती है, हालांकि ये दर्जा उनके निधन के बाद ही दिया जाता है।

अमिताभ कांत

जी-20 के शेरपा पद से दिया इस्तीफा

अमिताभ कांत ने जी-20 शेरपा के पद से इस्तीफा दे

दिया है। केरल कैडर के वर्ष 1980 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अमिताभ कांत को भारत के जी-20 शेरपा के रूप में जुलाई 2022 में नियुक्त किया गया था। नियुक्ति भारत की ओर से जी-20 की अध्यक्षता संभालने से कुछ महीने पहले की गई थी। उन्होंने लिंक्डइन पर 'मेरा नया सफर' शीर्षक के साथ लिखा कि मैंने नए अवसरों को अपनाने तथा जीवन में आगे बढ़ने का फैसला किया है। भारत की जी-20 तैयारियों के पीछे का चेहरा रहे अमिताभ कांत ने कहा कि भारत के जी-20 शेरपा के रूप में बहुपक्षीय वार्ता का नेतृत्व करना उनके कॅरियर में सबसे महत्वपूर्ण मील के पत्थरों में से एक रहा है।

जावेद अख्तर

प्रतिष्ठित दोस्तोएवस्की स्टार अवॉर्ड से सम्मानित हुए

भारत के प्रसिद्ध गीतकार और लेखक जावेद अख्तर

को रूसी हाउस ने प्रतिष्ठित दोस्तोएवस्की स्टार अवॉर्ड से सम्मानित किया है। जावेद अख्तर को यह सम्मान सांस्कृतिक विरासत और साहित्यिक संवाद पर उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया है। यह पुरस्कार रूस के महान लेखक फ्योदोर दोस्तोएवस्की के नाम पर रखा गया है। जावेद अख्तर को सम्मानित करते हुए रूसी हाउस ने कहा कि उन्होंने विभिन्न संस्कृतियों के लोगों और विचारों को एक साथ लाने का काम किया है। उल्लेखनीय है कि जावेद अख्तर ने गीतकार, कवि और पटकथा लेखक के रूप में अपने लंबे कॅरियर में कई पुरस्कार जीते हैं। वह सर्वश्रेष्ठ गीतकार के रूप में पांच बार राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीत चुके हैं।

लीना नायर

कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर पुरस्कार मिला

भारतीय मूल की ब्रिटिश व्यवसायी और लक्जरी फैशन

हाउस 'चैनल' की सीईओ लीना नायर को ब्रिटेन का प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। लंदन के विंडसर कैसल में आयोजित भव्य समारोह में ब्रिटेन के राजकुमार प्रिंस विलियम्स ने लीना नायर को यह पुरस्कार प्रदान किया। लीना को यह पुरस्कार रिटेल और उपभोक्ता क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है।

अतीका मीर

रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में जगह बनाने वाली पहली भारतीय बनीं

रेसिंग स्पोर्ट्स में भारत की नई सनसनी अतीका मीर ने

रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष-10 में जगह बनाई है। 10 वर्षीय अतीका यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। अतीका मीर रोटैक्स यूरो ट्रॉफी राउंड-2 में नौवें स्थान पर रहीं। फॉर्मूला-वन से आर्थिक और तकनीकी सहायता हासिल करने वाली अतीका ने क्वालिफाइंग में बेहतरीन प्रदर्शन किया और अपने ग्रुप में सातवां स्थान हासिल किया, लेकिन दो पेनाल्टी मिलने की वजह से वे नौवें स्थान पर आ गईं। उल्लेखनीय है कि रोटैक्स यूरो ट्रॉफी एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय कार्टिंग सीरीज है।

स्मृति शेष

उपन्यास लेखक फ्रेडरिक फोर्सिथ का निधन

जासूसी उपन्यास 'द डे ऑफ द जैकाल' के लेखक

फ्रेडरिक फोर्सिथ का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। ब्रिटिश लेखक फोर्सिथ बेहतरीन सैन्य पायलट भी थे। उन्होंने अपना कर्ज चुकाने के लिए लेखन शुरु किया था। फ्रेडरिक फोर्सिथ ने लगभग 25 से अधिक उपन्यास लिखे हैं। दुनियाभर में इन उपन्यासों की 75 मिलियन से अधिक प्रतियां बिकी हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार उनके प्रवक्ता जोनाथन लॉयड ने उनके निधन की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि जासूसी उपन्यास 'द डे ऑफ द जैकाल' के अलावा फोर्सिथ के 'द ओडेसा फाइल और 'द डॉग्स ऑफ वॉर' को भी पाठकों का भरपूर प्यार मिला है।

मध्यप्रदेश के प्रख्यात साहित्यकार प्रो. अजहर हाशमी का निधन

मध्यप्रदेश के प्रख्यात चिंतक और साहित्यकार प्रो.

अजहर हाशमी का 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। प्रो. अजहर हाशमी कई दिनों से बीमार थे। प्रो. हाशमी को साहित्य जगत में कई राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। प्रो. हाशमी विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के लिए सतत लेखन करते रहे हैं। हाशमी को उनके साहित्यिक योगदान के लिए कई राष्ट्रीय और प्रादेशिक सम्मान प्राप्त हुए। उनकी चर्चित पुस्तक 'संस्मरण का संदूक समीक्षा के सिक्के' को वर्ष 2021 में मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी और संस्कृति परिषद की ओर से अखिल भारतीय राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया था।

विश्व प्रसिद्ध नेल आर्टिस्ट गुंथर उएकर का निधन

साधारण कील को कलाकृतियों में तब्दील कर देने

वाले विश्व प्रसिद्ध जर्मन 'नेल आर्टिस्ट' गुंथर उएकर का निधन हो गया है। वह 95 साल के थे। जर्मन समाचार एजेंसी के अनुसार उएकर के परिवार ने उनकी मृत्यु की पुष्टि की है लेकिन मौत के कारणों की जानकारी नहीं दी है। उएकर का जन्म 13 मार्च 1930 को बाल्टिक सागर के किनारे वेंडोर्फ गांव में हुआ था। उएकर ने कुर्सियों, पियानो, सिलाई मशीनों और कैनवास पर कीलों की मदद से कई बेहतरीन कलाकृतियों का सृजन किया। उनकी कृतियां दुनियाभर के संग्रहालयों और संग्रहों में रखी गई हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
म.प्र. लोक निर्माण विभाग संभाग शिवपुरी (म.प्र.)

Website : www.mp.gov.in/pwdmp, Phone : 07492-233353 (0), Fax : 07492-233644
Email : eepwdshivpuri@mp.nic.in

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक : 05/2025-26 **शिवपुरी, दिनांक : 12.06.2025**

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नांकित कार्य हेतु नवीन निविदा प्रपत्र 2.10 पर आमंत्रण की सूचना क्रमांक 05/2025-26 शिवपुरी दिनांक 12.06.2025 द्वारा प्रचलित सड़क एवं पुल दर अनुसूची दिनांक 11.04.2025 तथा निविदा दिनांक तक संशोधनों सहित पर निविदा लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीकृत ठेकेदार श्रेणी हेतु आमंत्रित की जाती है। जिसका सम्पूर्ण विवरण **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। विभाग तकनीकी समस्याओं के लिए जिम्मेदार नहीं होगा एवं किन्हीं कारणों से की जाने वाली परिवर्तन की सूचना वेबसाइट पर ही देखें। पृथक से प्रकाशित नहीं की जावेगी।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. सरकुलर मार्ग 1/6 पर पुल निर्माण कार्य लम्बाई 0.10 कि.मी. जिला शिवपुरी (म.प्र.)

टेण्डर आई.डी.	1. ठेके की अनु. लागत राशि 2. अमानत राशि	टेण्डर फार्म की राशि (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	पंजीयन श्रेणी
2025_PWDRB_430499_1	(1) 178.38 लाख (2) 1,78,380/-	12,500/- + (पोर्टल चार्ज)	12 माह वर्षाकाल सहित प्रथम आमंत्रण	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. मिसिंग लिंक सलैया पहुंच मार्ग मोहना पोहरी से आगरा बम्बई मार्ग एवं मगरौनी धौलागढ़ मार्ग लम्बाई 2.10 कि.मी. जिला शिवपुरी (म.प्र.)

टेण्डर आई.डी.	1. ठेके की अनु. लागत राशि 2. अमानत राशि	टेण्डर फार्म की राशि (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	पंजीयन श्रेणी
2025_PWDRB_430508_1	(1) 198.86 लाख (2) 1,98,860/-	12,500/- + (पोर्टल चार्ज)	12 माह वर्षाकाल सहित प्रथम आमंत्रण	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. निर्माण कार्य घपौरा से तेरई मार्ग लम्बाई 3.00 कि.मी. जिला शिवपुरी (म.प्र.)

टेण्डर आई.डी.	1. ठेके की अनु. लागत राशि 2. अमानत राशि	टेण्डर फार्म की राशि (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	पंजीयन श्रेणी
2025_PWDRB_430516_1	(1) 278.71 लाख (2) 2,78,710/-	15,000/- + (पोर्टल चार्ज)	12 माह वर्षाकाल सहित प्रथम आमंत्रण	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. निर्माण कार्य बघारी से रमपुरा टपरन मार्ग लम्बाई 2.90 कि.मी. जिला शिवपुरी (म.प्र.)

टेण्डर आई.डी.	1. ठेके की अनु. लागत राशि 2. अमानत राशि	टेण्डर फार्म की राशि (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	पंजीयन श्रेणी
2025_PWDRB_430522_1	(1) 281.73 लाख (2) 2,81,730/-	15,000/- + (पोर्टल चार्ज)	12 माह वर्षाकाल सहित प्रथम आमंत्रण	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार

क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. रॉबर्टशन मार्ग 3/4 पर पुल निर्माण कार्य लम्बाई 0.21 कि.मी. जिला शिवपुरी (म.प्र.)

टेण्डर आई.डी.	1. ठेके की अनु. लागत राशि 2. अमानत राशि	टेण्डर फार्म की राशि (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	पंजीयन श्रेणी
2025_PWDRB_430541_1	(1) 283.32 लाख (2) 2,83,320/-	15,000/- + (पोर्टल चार्ज)	12 माह वर्षाकाल सहित प्रथम आमंत्रण	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार

क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. निर्माण कार्य बामौर डामरौन से निमघना पतरू मार्ग लम्बाई 2.70 कि.मी. जिला शिवपुरी (म.प्र.)

टेण्डर आई.डी.	1. ठेके की अनु. लागत राशि 2. अमानत राशि	टेण्डर फार्म की राशि (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	पंजीयन श्रेणी
2025_PWDRB_430547_1	(1) 303.29 लाख (2) 3,09,290/-	15,000/- + (पोर्टल चार्ज)	12 माह वर्षाकाल सहित प्रथम आमंत्रण	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार

क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. इंडस्ट्रीयल एरिया करैरा में नेशनल हाइवे से इंडस्ट्रीयल एरिया श्योपुरा पहुंच मार्ग लम्बाई 3.50 कि.मी. जिला शिवपुरी (म.प्र.)

टेण्डर आई.डी.	1. ठेके की अनु. लागत राशि 2. अमानत राशि	टेण्डर फार्म की राशि (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	पंजीयन श्रेणी
2025_PWDRB_430550_1	(1) 582.94 लाख (2) 5,82,940/-	20,000/- + (पोर्टल चार्ज)	18 माह वर्षाकाल सहित प्रथम आमंत्रण	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार

ऑनलाइन निविदा जारी व डाउनलोड करने की आरम्भ तिथि	: 13.06.2025 प्रातः 14:30 बजे से।
ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	: **27.06.2025 सायं 18.00 बजे तक।**
ऑनलाइन निविदा दर खुलने की तिथि	: 30.06.2025 प्रातः 11:00 बजे।

उक्त कार्य की ई.एम.डी. एवं समस्त दस्तावेज जो पूर्व में भौतिक रूप से संभाग कार्यालय में जमा किये जाते थे, उन्हें प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग भोपाल के आदेश क्रमांक 401/सा/ई-टेण्डरिंग/09/1088 दिनांक 05.11.2020 के निर्देशानुसार ऑनलाइन ही मान्य किये जावेंगे। यदि ई.एम.डी. एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत नहीं किये जाते हैं, तो ऐसी निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाइट पर (Online System) ऑनलाइन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं तथा सम्पूर्ण जानकारी पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं। किसी भी विलम्ब एवं अन्य समस्याओं के लिये विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

नोट :- निविदाकारों से आग्रह है, कि Bid Data Sheet की कंडिका 22 का विस्तृत अवलोकन करने के पश्चात् ही निविदा दर का आकलन करें।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संभाग शिवपुरी (म.प्र.)

जी-14433/51121/2025

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग सीहोर (म.प्र)

दुल्हा बादशाह रोड सीहोर फोन नं. 07562-222701

निविदा सूचना क्रमांक 04/2025-26 **दिनांक :17.06.2025**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. एन.एच. 86 (भटोनी रोड) से पी.एम.जी. एस. वाय पचपिपलिया तक सड़क निर्माण कार्य लंबाई 2.75 कि.मी.

टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनुमानित राशि (रु. लाख में)	इलेक्ट्रॉनिक ई.एम.डी. (RTGS/NEFT) एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही प्रस्तुत किये जाये।
2025_PWDRB_430693_1	सीहोर	सड़क कार्य	प्रथम कॉल	438.17	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. एन.एच. 86 (बायोडीजल पम्प) से पी.एम.जी.एस.वाय. पचपिपलिया तक सड़क निर्माण कार्य लंबाई 1.90 कि.मी.

टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनुमानित राशि (रु. लाख में)	इलेक्ट्रॉनिक ई.एम.डी. (RTGS/NEFT) एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही प्रस्तुत किये जाये।
2025_PWDRB_430695_1	सीहोर	सड़क कार्य	प्रथम कॉल	303.61	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :–3. ग्रुप-"यू" (1) टिटोरिया से खामखेड़ा तक सड़क निर्माण कार्य लंबाई 3.20 कि.मी. (2) प्रथम हुसैनपुरखेडी से ओल्ड आष्टा बड़ला तक सड़क निर्माण कार्य लंबाई 1.00 कि.मी.

टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनुमानित राशि (रु. लाख में)	इलेक्ट्रॉनिक ई.एम.डी. (RTGS/NEFT) एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही प्रस्तुत किये जाये।
2025_PWDRB_430696_1	सीहोर	सड़क कार्य	प्रथम कॉल	390.52	केवल ऑनलाइन

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय (Document Download/Sale End Date) करने की **अंतिम तिथि 08.07.2025** (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि.सं. सीहोर म.प्र.

जी-14558/51132/2025

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 4331/07/2025/चयन **इन्दौर, दिनांक : 12 JUN 2025**

सहायक प्राध्यापक (संगीत) परीक्षा - 2022
चयन - सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)
पदनाम - सहायक प्राध्यापक, संगीत

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 35/2022 दिनांक 30.12.2022 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत **विज्ञापित पद-सहायक प्राध्यापक, संगीत** के कुल 08 पद (अनारक्षित-04, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-02, अ.पि.वर्ग-01, ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-01, अ.जा.-निरंक, अ.ज.जा.-01, अ.पि.वर्ग-निरंक ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए **सहायक प्राध्यापक (संगीत) परीक्षा-2022 दिनांक 17.11.2024** को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 07.01.2025 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार 02.05.2025 को आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक 1416/4369/2021/38-1 दिनांक 06.09.2024 में उल्लेखित रिक्ति के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 11/35/2022 दिनांक 10.09.2024 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 35/2022 दिनांक 30.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त शुद्धिपत्र दिनांक 10.09.2024 में उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या 01 होने के कारण विभाग के पत्रानुसार इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या 01 होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव, लिखित परीक्षा + अतिथि विद्वान अनुभव अंक + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

सहायक प्राध्यापक (संगीत)
पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	4	1	2	1	0	8
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	1	0	1	0	0	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1	380167	SURBHI JAIN	F	UNR	UNR

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1	380179	DR SANGEETA RAI	F	UNR
2	380209	KOUSHAL MEHRA	M	SC

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत् आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. पात्रता धारित अतिथि विद्वानों को देय अनुभव अंकों का सत्यापन कार्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामांकित विभागीय समिति द्वारा संपादित किया गया है।
4. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
5. न्यायालयीन प्रकरण वाले अभ्यर्थियों के चयन परिणाम मान. न्यायालय के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रखे जाकर रोके गए हैं।

प्रभारी सचिव
म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर

जी-14443/51123/2025

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला - ग्वालियर (म.प्र.)

विज्ञप्ति

माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर द्वारा याचिका क्रमांक/5747/2023/Tabassum Quraishi and Others Vs The State of Madhya Pradesh and Others संबंधित अन्य याचिकाओं में पारित आदेश दिनांक 05.11.2024 के परिपालन में समस्त याचिकाकर्ताओं जिन्होंने कर्मचारी चयन मण्डल म.प्र. भोपाल द्वारा वर्ष 2023 में आयोजित समूह-05 के अंतर्गत ए.एन.एम. (महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता) की सीधी भर्ती हेतु आयोजित संयुक्त परीक्षा उत्तीर्ण की है, एवं उनका नाम मैरिट में है, नियुक्ति संबंधी नियमानुसार निर्णय लिए जाने हेतु दस्तावेजों के परीक्षण के संबंध में **दिनांक 25.06.2025 को प्रातः 09:30 बजे** कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला ग्वालियर में समक्ष में समस्त यथोचित दस्तावेजों एवं माननीय न्यायालय के निर्णय की प्रमाणित प्रति के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला - ग्वालियर

जी-14525/51127/2025

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 4528/54/2024/चयन इंदौर, दिनांक : 18 JUN 2025

पदनाम-रेडियोलॉजी विशेषज्ञ
चयन-सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

आयोग के विज्ञापन क्रमांक **07/2024 दिनांक 24.07.2024** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत **विज्ञापित पद - रेडियोलॉजी विशेषज्ञ** के कुल-48 पद (अनारक्षित-12, अ.जा.-07, अ.ज.जा.-11, अ.पि.वर्ग-12, ई.डब्ल्यू.एस.-06) कुल पदों में से महिलाओं हेतु आरक्षित पद अनारक्षित-04, अ.जा.-02, अ.ज.जा.-04, अ.पि.वर्ग-04, ई.डब्ल्यू.एस.-02, कुल पदों में से म.प्र. के संविदाकर्मियों हेतु आरक्षित पद - अनारक्षित-06, अ.जा.-04, अ.ज.जा.-06 अ.पि.वर्ग -06 ई.डब्ल्यू.एस.-03 (कुल विज्ञापित पदों में से दिव्यांगजन के लिए आरक्षित पद अस्थिबाधित-01, दृष्टिबाधित-निरंक, श्रवणबाधित-01 एवं बहु-दिव्यांग-01 पद आरक्षित) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार 11.06.2025 को आयोजित किए गए।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक/543/2025/17/मेडि-1 दिनांक 21.03.2025 में उल्लेखित रिक्ति विवरण के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 03/07/2024 दिनांक 27.03.2025 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 07/2024 दिनांक 24.07.2024 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, चयन परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। उक्त शुद्धि पत्र दिनांक 27.03.2025 में उल्लेखित प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत में सम्मिलित अभ्यर्थियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव साक्षात्कार में प्राप्तांकों के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

रेडियोलॉजी विशेषज्ञ (म.प्र. शासन, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	12	7	11	6	6	42
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	4	2	4	2	2	
इनमें से संविदाकर्मियों के लिए आरक्षित	6	4	6	3	3	

कुल पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद	1
कुल पदों में से श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद	1
कुल पदों में से बहु-दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद	1

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग		Seat	श्रेणी
1	1003	AKANKSHA MALVIYA	F		UNRF	SC
2	1014	DHARMENDRA SINGH	M		UNR	UNR
3	1015	BHANOO PRATAP SINGH CHANDEL	M	प्रावधिक	UNR	UNR
4	1009	ALOK YADAV	M		OBC	OBC
5	1002	ROSHANI RATHORE	F		UNRF	UNR
6	1012	SHASHANK CHAUHAN	M		UNR	UNR
7	1001	KAVITHA SINGH	F		UNR	UNR

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
निरंक				

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत् आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया गया है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/ एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरा गया है।
3. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
4. कुल विज्ञापित पदों में से शुद्धिपत्र दिनांक 27.03.2025 में उल्लेखित मुख्य भाग-87 प्रतिशत हेतु विज्ञापित कुल 42 पदों में से 33 पद (अनारक्षित-04, अ.जा.-07 पद, अ.ज.जा.-11 पद, अ.पि.वर्ग-05 ई.डब्ल्यू.एस.-06 पद) आवेदक उपलब्ध नहीं होने के कारण पद रिक्त रहे हैं। विज्ञापित कुल 42 पदों में से दिव्यांग श्रेणी हेतु 03 पद (अस्थिबाधित-01, श्रवण बाधित-01, बहु-दिव्यांग-01 पद) विज्ञापित है परन्तु दिव्यांग श्रेणी हेतु अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण उक्त 03 पद रिक्त रहे हैं। शासन निर्देश के परिपालन में दिव्यांगजनों के पद रिक्त रहने की स्थिति में अनारक्षित वर्ग के विज्ञापित पदों में से उतने ही पद रिक्त रखे जाने का प्रावधान है। अतः कुल 03 पद दिव्यांगजनों के रिक्त पद के विरुद्ध अनारक्षित ओपन वर्ग में से उपलब्ध 02 पदों में से अनारक्षित वर्ग से रिक्त रखे गए हैं। इस प्रकार कुल 33+02 = 35 पद रिक्त रहे हैं।
5. घोषित चयन परिणाम मान. उच्चतम न्यायालय में दायर एस.एल.पी. क्रमांक 8764/2023, एस.एल.पी. क्रमांक 12398/2023 याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।

सचिव

जी-14532/51130/2025 **म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर**

कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दतिया (म.प्र.)

पता- 29 बटालियन के पास, एन.एच. 44, जिला-दतिया, म.प्र., पिनकोड-475661

टेलीफोन नं. : 07522-234001, Website : www.datiamedicalcollege.com

E-mail Id : datiamedicalcollege@gmail.com &

क्रमांक-4666/स्था. राज/द.चि.म./2025 दतिया, दिनांक : 16.06.2025

विज्ञप्ति सूचना

मध्यप्रदेश शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग, मंत्रालय भोपाल के पत्र क्रमांक एफ 2-53/2017/1/55, दिनांक 12.01.2018 द्वारा मध्यप्रदेश स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय शैक्षणिक आदर्श सेवा भर्ती नियम 2018 के अंतर्गत एवं मध्यप्रदेश शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्रालय के आदेश क्रमांक 1105 एफ 2-45/2010/1/55, भोपाल दिनांक 24/07/2024 द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में एन.एम.सी./एम.सी.आई. के मापदण्ड अनुसार Recognition की प्रतिपूर्ति के क्रम में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दतिया में शैक्षणिक संवर्ग के अंतर्गत कार्यालय आयुक्त चिकित्सा शिक्षा भोपाल द्वारा सहायक प्राध्यापक पद की सीधी भर्ती एवं पदोन्नति के पदों हेतु जारी की गई शैक्षणिक संवर्ग की नवीन अनुसूची दिनांक 11.04.2022 अनुसार स्वीकृत एवं वर्तमान में रिक्त सीधी भर्ती एवं पदोन्नति के सहायक प्राध्यापक के पदों की पूर्ति करने हेतु सीधी भर्ती के माध्यम से विज्ञप्ति जारी कर इच्छुक एवं शासन/एन.एम.सी. द्वारा निर्धारित अद्यतन टी.ई.क्यू. फरवरी 2022 एवं यू.जी.एम.एस.आर. - 2020/2023 विनियमावली अनुसार पात्र चिकित्सा शिक्षकों के आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में **दिनांक 01.07.2025 सायं 6:00 तक** अधिष्ठाता कार्यालय में आमंत्रित किये जाते हैं। उपरोक्त जानकारी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दतिया की वेबसाइट **www.datiamedicalcollege.com** पर उपलब्ध है। आवेदन पत्र डाक द्वारा अथवा व्यक्तिगत रूप से कार्यालय अधिष्ठाता शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दतिया, म.प्र. में जमा कराये जा सकते हैं।

आवेदन पत्र के लिफाफे पर स्पष्ट रूप से शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दतिया म.प्र. में "शैक्षणिक संवर्ग हेतु" आवेदन एवं विषय................................तथा आवेदित पद का नाम................................और अनारक्षित/आरक्षित श्रेणी................ का उल्लेख किया जाना अनिवार्य है। किसी भी परिस्थिति में निर्धारित तिथि एवं समय उपरांत प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।

आवेदन शुल्क रुपये 1000/- (अनारक्षित श्रेणी के उम्मीदवार हेतु) रुपये 750/- (आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवार हेतु आवेदन शुल्क डिमांड ड्राफ्ट Government Medical College Autonomous Society Datia के नाम से देय होगा अथवा ऑनलाइन पेमेंट NEFT के माध्यम से भुगतान कर भुगतान की पावती/डिमांड ड्राफ्ट आवेदन पत्र के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा।

संस्था का खाता क्रमांक - 0638001700062928, IFSC Code - PUNB0063800.

अंतिम तिथि तक प्राप्त होने वाले अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र में से पात्र अभ्यर्थियों के मूल दस्तावेजों के परीक्षण की तिथि एवं साक्षात्कार की तिथि पृथक से महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड एवं अधिकृत वेबसाइट के माध्यम से प्रकाशित की जावेगी।

अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी

जी-14524/51126/2025 **शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दतिया मध्यप्रदेश**

कार्यालय अपर संचालक/प्राचार्य
शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर (म.प्र.)

Office No. : 0761-2663471, E-Mail : petcjabalpur@gmail.com

क्रमांक/286/प्राचार्य/पीईटीसी./प्रशिक्षण/2025 जबलपुर, दिनांक : 18.06.25

एमपी. पी.एस.सी. प्रारंभिक परीक्षा 2026 की तैयारी हेतु अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये निःशुल्क ऑफलाइन कोचिंग हेतु विज्ञापन

शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर में अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए निःशुल्क कोचिंग हेतु निम्न शर्तों के अधीन निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

1. आवेदक अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग का सदस्य एवं म.प्र. का मूल निवासी हो तथा आवेदक के परिवार की सभी स्त्रोतों से वार्षिक **आय 6 लाख रुपये** से अधिक न हो तथा न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष एवं अधिकतम 35 वर्ष हो। आवेदक ने पूर्व में किसी भी परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण न लिया हो।
2. प्रशिक्षण हेतु स्नातक होना आवश्यक है। प्रशिक्षण का माध्यम हिंदी होगा, छात्रावास सुविधा उपलब्ध नहीं है। आवेदक के स्नातक परीक्षा में 55 प्रतिशत या अधिक होने पर **मूल टी.सी. एवं अन्य आवश्यक अभिलेख** जमा करने पर नियमानुसार आवास सहायता राशि 2000/- एवं स्टाईपेण्ड राशि 500/- प्रतिमाह 75 प्रतिशत उपस्थिति के आधार पर देय होगी।
3. प्रशिक्षण संस्था में निःशुल्क स्मार्ट क्लास, कम्प्यूटर लैब एवं लायब्रेरी की सुविधा उपलब्ध है।
4. इच्छुक छात्र/छात्राएं **दिनांक 15.07.2025 तक** आवेदन कर सकते हैं।

उपरोक्तानुसार आवेदक आवेदन पत्र के साथ हाईस्कूल, हायर सेकेन्ड्री, स्नातक उत्तीर्ण की अंकसूची, 02 पासपोर्ट साइज फोटो, आधारकार्ड, जाति प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र, मूल निवासी प्रमाणपत्र स्वप्रमाणित छायाप्रति डाक द्वारा **प्राचार्य शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र (रामपुर पुलिस चौकी के पास, कौशल विकास संचालनालय के बाजू में ग्वारीघाट रोड) जबलपुर पिन कोड-482008** कार्यालयीन पता अथवा व्यक्तिगत रूप से कार्यालयीन समय एवं दिवसों में कार्यालय में जमा कर सकते है। अधिक जानकारी हेतु **कार्यालय दूरभाष 0761-2663471 एवं मो.नं. 8889609588 (प्राचार्य)** पर कार्यालयीन समय एवं दिवसों में संपर्क कर सकते है।

संलग्न :- उपरोक्तानुसार।

प्राचार्य

जी-14553/51131/2025 **शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, जबलपुर (म.प्र.)**

कार्यालय आयुक्त
पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण, मध्यप्रदेश

विज्ञप्ति

पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना आवेदन वर्ष 2025-26 अंतर्गत अंतिम तिथि वृद्धि सूचना

मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना अन्तर्गत वर्ष 2025-26 हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिये आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं। विस्तृत विज्ञापन संबंधी नियम वेबसाइट **www.bcwelfare.mp.nic.in** से प्राप्त किये जा सकते हैं। पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत मध्यप्रदेश के पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों से आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 18.06.2025 में वृद्धि करते हुये 04.07.2025 की जाती है। शेष शर्तें यथावत रहेंगी। ऑनलाइन आवेदन करने हेतु URL - **https://hescholarship.mp.gov.in** हैं। एम.पी. स्कॉलरशिप पोर्टल पर नवीन रजिस्ट्रेशन कर ऑनलाइन आवेदन कर प्रिंट आऊट एवं समस्त आवश्यक दस्तावेज स्वयं द्वारा सत्यापित कर आवेदन की प्रति और सत्यापित दस्तावेज कार्यालय आयुक्त, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण म.प्र., विंध्याचल भवन, द्वितीय तल 'क' 'ख' विंग भोपाल म.प्र. पिनकोड 462004 को पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट/साधारण डाक अथवा व्यक्तिगत रूप से दिनांक 04.07.2025 तक कार्यालयीन समय तक जमा किये जा सकेंगे।

उपसंचालक

जी-14527/51128/2025 **पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण मध्यप्रदेश**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र.-1, नर्मदापुरम (म.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्र. 13/2025/e-Tender/N. Puram **दिनांक : 10.06.2025**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :-

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि (लाख में)	अमानती राशि
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र. 1, नर्मदापुरम के मार्गों पर मरम्मत एवं पेच रिपेयर का जोनल कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए)					
2025_PWDRB_429836	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	50.00	50000/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग नर्मदापुरम मुख्यालय क्र. 1 के जी, एच एवं आई टाइप रहवासी भवनों में ए.आर. एवं एस.आर. कार्य।					
2025_PWDRB_ 429838	नर्मदापुरम	भवन कार्य	प्रथम	19.40	38800/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग नर्मदापुरम मुख्यालय क्र. 2 के डी, ई एवं एफ टाइप रहवासी भवनों में ए.आर. एवं एस.आर. कार्य।					
2025_PWDRB_429839	नर्मदापुरम	भवन कार्य	प्रथम	19.96	39920/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग नर्मदापुरम मुख्यालय क्र. 2 के जी, एच एवं आई टाइप रहवासी भवनों में ए.आर. एवं एस.आर. कार्य।					
2025_PWDRB_429841	नर्मदापुरम	भवन कार्य	प्रथम	19.45	38900/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग नर्मदापुरम मुख्यालय क्र. 1 के डी, ई एवं एफ टाइप रहवासी भवनों में ए.आर. एवं एस.आर. कार्य।					
2025_PWDRB_429845	नर्मदापुरम	भवन कार्य	प्रथम	19.54	39080/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग नर्मदापुरम के अंतर्गत अतिविशिष्ट अतिथियों के आगमन हेतु अस्थाई बेरिकेडिंग एवं हेलीपेड का कार्य।					
2025_PWDRB_429846	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	19.17	38340/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग सिवनी मालवा के रहवासी एवं गैर रहवासी भवनों में एस.आर.एम.ओ.डब्ल्यू. एवं रिपेयरिंग कार्य।					
2025_PWDRB_429847	नर्मदापुरम	भवन कार्य	प्रथम	18.24	36480/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग नर्मदापुरम के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. पेच रिपेयर सामग्री संग्रहण कार्य।					
2025_PWDRB_429848	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	3.00	6000/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 9. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग सिवनी मालवा के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. पेच रिपेयर सामग्री संग्रहण कार्य।					
2025_PWDRB_429850	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	5.00	10000/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 10. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पिपरिया के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. पेच रिपेयर सामग्री संग्रहण कार्य।					
2025_PWDRB_429851	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	3.00	6000/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 11. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग नर्मदापुरम के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर पुल-पुलियों एवं प्रोटेक्शन वॉल का मरम्मत कार्य।					
2025_PWDRB_429852	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	15.00	30000/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 12. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग सिवनी मालवा के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर पुल-पुलियों एवं प्रोटेक्शन वॉल का मरम्मत कार्य।					
2025_PWDRB_429855	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	10.00	20000/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 13. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पिपरिया के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर पुल-पुलियों एवं प्रोटेक्शन वॉल का मरम्मत कार्य।					
2025_PWDRB_429857	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	10.00	20000/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 14. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पचमढ़ी के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर पुल-पुलियों एवं प्रोटेक्शन वॉल का मरम्मत कार्य।					
2025_PWDRB_429858	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	10.00	20000/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 15. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पिपरिया के रहवासी एवं गैर रहवासी भवनों में मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।					
2025_PWDRB_429859	नर्मदापुरम	भवन कार्य	प्रथम	19.96	39920/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 16. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पिपरिया के रेस्ट हाउस का रिनोवेशन एवं रिपेयरिंग कार्य।					
2025_PWDRB_429860	नर्मदापुरम	भवन कार्य	प्रथम	19.00	38000/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 17. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पिपरिया में सोहागपुर सेक्शन के रहवासी भवनों में मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।					
2025_PWDRB_429862	नर्मदापुरम	भवन कार्य	प्रथम	10.00	20000/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 18. सिवनी मालवा के ग्राम भेला में चतुर्मुख मंदिर का मरम्मत कार्य एवं वर्चुअल संवाद हेतु माननीय विधायक के लिए उनके कार्यालय निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेसिंग सुविधा की व्यवस्था के संबंध में।					
2025_PWDRB_429863	नर्मदापुरम	भवन कार्य	चतुर्थ	6.03	12060/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 19. विधायक निधि के अंतर्गत खेड़ापति मंदिर के पास ग्राम सोमलवाड़ा कला विकासखंड नर्मदापुरम, जिला नर्मदापुरम में सार्वजनिक कक्ष का निर्माण।					
2025_PWDRB_429866	नर्मदापुरम	भवन कार्य	चतुर्थ	3.39	6780/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 20. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग नर्मदापुरम के अंतर्गत माखन नगर सेक्शन के रहवासी भवनों में मरम्मत कार्य।					
2025_PWDRB_429868	नर्मदापुरम	भवन कार्य	द्वितीय	19.90	39800/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 21. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग नर्मदापुरम मुख्यालय क्र.1 के रहवासी एवं गैर रहवासी भवनों में रंगाई पुताई एवं डिस्टेम्परिंग कार्य।					
2025_PWDRB_429870	नर्मदापुरम	भवन कार्य	द्वितीय	19.83	39660/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 22. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग सिवनी मालवा के रहवासी एवं गैर रहवासी भवनों में रंगाई पुताई एवं डिस्टेम्परिंग कार्य।					
2025_PWDRB_429872	नर्मदापुरम	भवन कार्य	प्रथम	15.00	30000/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 23. शासकीय नर्मदा महाविद्यालय, नर्मदापुरम में एम.ओ.डब्ल्यू.एस.आर. एवं रिपेयरिंग कार्य।					
2025_PWDRB_429874	नर्मदापुरम	भवन कार्य	प्रथम	10.17	20340/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 24. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पचमढ़ी के रहवासी एवं गैर रहवासी भवनों में मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।					
2025_PWDRB_429882	नर्मदापुरम	भवन कार्य	प्रथम	19.98	39960/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 25. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पचमढ़ी में अस्थाई टॉयलेट, बाथरूम, गार्ड रूम एवं अन्य कार्य।					
2025_PWDRB_429883	नर्मदापुरम	भवन कार्य	प्रथम	19.30	38600/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 26. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पचमढ़ी के अंतर्गत अस्थाई हेलीपेड, बेरिकेडिंग एवं अन्य कार्य।					
2025_PWDRB_430671	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	19.10	38200/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 27. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पचमढ़ी के अंतर्गत आवश्यक एवं महत्वपूर्ण कार्य।					
2025_PWDRB_430672	नर्मदापुरम	भवन कार्य	प्रथम	19.50	39000/-
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 28. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पचमढ़ी के अंतर्गत सी.ई. एनेक्सी में रिनोवेशन कार्य।					
2025_PWDRB_430673	नर्मदापुरम	भवन कार्य	प्रथम	19.42	38840/-
			योग (रु. लाख में)	**442.34**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेन्ट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 27.06.2025** सायं 17:30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही प्राप्त किए जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संभाग, नर्मदापुरम

जी-14529/51129/2025

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल : ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक-1159/2025-26/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 18.06.2025**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 14.07.2025 को 17:30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2025_ WRD_431160	**टर्न की पद्धति पर:-** आवालिपुरा बैराज का संपूर्ण निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	धार	398.50
2.	2025_ WRD_431161	**टर्न की पद्धति पर:-** बंजारीपुरा बैराज का संपूर्ण निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	धार	273.54
3.	2025_ WRD_431163	सिंध परियोजना नहर मण्डल शिवपुरी के अन्तर्गत शिवपुरी, नरवर एवं करैरा स्थानों पर मण्डल, संभाग कार्यालयों में निरीक्षण वाहन किराये पर लिये जाने का कार्य।	शिवपुरी	34.20
4.	2025_ WRD_431165	मेहतवाडा डी.सी., ओ एण्ड एम डिवीजन आष्टा के अन्तर्गत कान्याखेड़ी पुनर्वास कॉलोनी ग्राम केशोपुर का बाहरी विद्युतीकरण का कार्य।	सीहोर	76.41
5.	2025_ WRD_431166	टोंगा तालाब के क्षतिग्रस्त भाग के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य।	मुरैना	136.09
6.	2025_ WRD_431168	नाहरवाडा 220 के.व्ही. सब-स्टेशन से पी.बी.सी. चैनेज 719 ग्राम निवाड़ी तक नवीन 33 के.व्ही. लाइन बिछाने एवं डोकरीखेड़ा एम.एल.आई.एस. परियोजना (CD 1600 के.व्ही.ए.) के लिये आवश्यक नवीन 33 के.व्ही. एच.टी. कनेक्शन को विद्युत आपूर्ति प्रदान करने के लिये 220 के.व्ही. सब-स्टेशन पर एक नग 33 के.व्ही. फीडर वे के निर्माण का कार्य।	नर्मदापुरम	190.77
7.	2025_ WRD_431640	सतधारा तालाब के बांध, नहर एवं स्ट्रेक्चर्स के निर्माण का शेष कार्य।	टीकमगढ़	449.57

जी-14569/51144/2025

मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

कार्यालय अधीक्षण यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, नर्मदापुरम् मण्डल नर्मदापुरम्

Office E-mail ID : seresnarmda@mp.gov.in., Office Phone No. : 07574-250166

क्र. 787/निविदा/ग्रा.यां.से./2025 **नर्मदापुरम, दिनांक : 16.06.2025**

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 03/2025-26 (प्रथम आमंत्रण)

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से आनलाइन मोहरबंद प्रतिशत दर पर निविदायें फार्म "ए" (Appendix 2.10) पर ग्रा.यां.से. संभाग हरदा जिला हरदा की म.प्र. लोक निर्माण विभाग के केंद्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य/सक्षम श्रेणी में पंजीकृत सी श्रेणी ठेकेदारों से 2 कवर पद्धति में ग्रा.यां.से. में प्रचलित एस.ओ.आर. दिनांक 11.04.2022 से प्रभावशील दर अनुसूची (निविदा विज्ञप्ति जारी होने की दिनांक तक संशोधित) दर के आधार पर अधीक्षण यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम मंडल नर्मदापुरम के कार्यालय में ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का नाम	निविदा की अनुमानित लागत (रुपये में)	अमानत राशि (रुपये में)	कार्य अवधि वर्षाकाल सहित (माह में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	2025_ RES_ 430744	शासकीय आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास सिराली में बाउण्ड्रीवाल निर्माण 500 मीटर, ग्राम सिराली, ग्राम पंचायत-सिराली, वि.ख.-टिमरनी, जिला हरदा	2024618/-	41000/-	06 माह	5000/-
	योग-		2024618/-	शब्दों में बीस लाख चौबीस हजार छः सौ अठारह रुपए मात्र।		

उपरोक्तानुसार निर्माण कार्य की निविदा आमंत्रण की निम्नानुसार तिथियाँ निर्धारित की जाती है:-

क्र.	विवरण	तिथि	समय
1.	**निविदा ऑनलाइन प्रकाशित होने के तिथि**	**27.06.2025**	**17:30**
2.	**निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की प्रारंभिक तिथि**	**28.06.2025**	**17:30**
3.	**ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि**	**28.06.2025**	**17:30**
4.	**ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि**	**14.07.2025**	**13:30**
5.	**ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि**	**15.07.2025**	**13:30**

निविदा प्रपत्र (Tender Document) वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर ऑनलाइन प्रकाशित एव डाउनलोड किये जा सकेंगे। निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किए जाएंगे। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

अधीक्षण यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा,
नर्मदापुरम् मण्डल, नर्मदापुरम

जी-14580/51145/2025

संचालनालय महिला एवं बाल विकास, मध्यप्रदेश

"विजयाराजे वात्सल्य भवन, 28-A, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) - 462011
फोन : 0755-2550909, फैक्स : 0755-2550912, E-mail : directorate.wcd@mp.gov.in
Website : www.mpwcdmis.org

क्र./मबावि/SAP-2/2025/2106 भोपाल, दिनांक : 19.06.2025

विज्ञप्ति

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं के पूर्णतः अस्थाई एवं मानदेय आधारित, मानसेवी रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन

आवेदन आमंत्रण सूचना

महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश अन्तर्गत जिलों की बाल विकास परियोजनाओं में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं के **पूर्णतः अस्थाई एवं मानदेय आधारित, मानसेवी रिक्त पदों** हेतु पात्र महिलाओं से जिलेवार निम्नानुसार रिक्त पदों की पूर्ति हेतु **MP Online द्वारा तैयार 'चयन पोर्टल' (https://chayan.mponline.gov.in)** के माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं:-

क्र.	संभाग का नाम	जिले का नाम	रिक्त पदों की संख्या	
			आंगनवाड़ी कार्यकर्ता	आंगनवाड़ी सहायिका
1	भोपाल	भोपाल	32	289
2	भोपाल	रायसेन	27	452
3	भोपाल	राजगढ़	28	501
4	भोपाल	सीहोर	27	270
5	भोपाल	विदिशा	57	528
6	चम्बल	भिण्ड	31	469
7	चम्बल	मुरैना	47	633
8	चम्बल	श्योपुर	56	375
9	ग्वालियर	अशोकनगर	51	260
10	ग्वालियर	दतिया	42	228
11	ग्वालियर	गुना	51	544
12	ग्वालियर	ग्वालियर	44	231
13	ग्वालियर	शिवपुरी	95	611
14	इंदौर	अलीराजपुर	36	839
15	इंदौर	बड़वानी	50	244
16	इंदौर	बुरहानपुर	18	94
17	इंदौर	धार	54	539
18	इंदौर	इंदौर	32	196
19	इंदौर	झाबुआ	51	890
20	इंदौर	खंडवा	45	168
21	इंदौर	खरगोन	55	356
22	जबलपुर	बालाघाट	45	271
23	जबलपुर	छिंदवाड़ा	53	341
24	जबलपुर	डिण्डौरी	59	348
25	जबलपुर	जबलपुर	35	422
26	जबलपुर	कटनी	28	252
27	जबलपुर	मंडला	58	524
28	जबलपुर	नरसिंहपुर	32	134
29	जबलपुर	पाण्ढुर्ना	12	45
30	जबलपुर	सिवनी	43	310
31	नर्मदापुरम	बैतूल	50	177
32	नर्मदापुरम	हरदा	21	122
33	नर्मदापुरम	नर्मदापुरम	24	264
34	रीवा	मैहर	14	125
35	रीवा	मऊगंज	6	281
36	रीवा	रीवा	32	390
37	रीवा	सतना	25	324
38	रीवा	सीधी	30	121
39	रीवा	सिंगरौली	18	200
40	सागर	छतरपुर	44	322
41	सागर	दमोह	31	321
42	सागर	निवाड़ी	13	71
43	सागर	पन्ना	13	328
44	सागर	सागर	66	483
45	सागर	टीकमगढ़	21	223
46	शहडोल	अनूपपुर	30	150
47	शहडोल	शहडोल	53	276
48	शहडोल	उमरिया	39	155
49	उज्जैन	आगर-मालवा	16	124
50	उज्जैन	देवास	30	252
51	उज्जैन	मंदसौर	23	297
52	उज्जैन	नीमच	22	169
53	उज्जैन	रतलाम	39	508
54	उज्जैन	शाजापुर	28	138
55	उज्जैन	उज्जैन	45	292
कुल			**2027**	**17477**

1. विज्ञापन में जिलेवार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों की जानकारी उल्लेखित है। **बाल विकास परियोजना एवं आंगनवाड़ी केन्द्रवार रिक्त पदों का विवरण** संबंधित जिले/बाल विकास परियोजना कार्यालय एवं **MP Online द्वारा तैयार 'चयन पोर्टल (https://chayan.mponline.gov.in)** पर उपलब्ध है।
2. नियुक्ति से संबंधित नियम, निर्देश, शर्तें, आवेदन का प्रारूप, शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य अर्हताओं से संबंधित जानकारी MP Online द्वारा तैयार "चयन पोर्टल' **(https://chayan.mponline.gov.in)** एवं विभागीय वेबसाइट पोर्टल **mpwcdmis.gov.in** पर उपलब्ध है।
3. रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवश्यक योग्यताएं एवं अर्हताएं :-

   3.1 जिस ग्राम/नगरीय क्षेत्र के वार्ड में रिक्त पद की पूर्ति की जानी है, आवेदिका ग्रामीण क्षेत्र में उसी राजस्व ग्राम एवं शहरी/ नगरीय क्षेत्र में उसी वार्ड की निवासी होना अनिवार्य है। अन्य ग्राम/वार्ड की महिला आवेदन हेतु पात्र नहीं है।

   3.2 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता हायर सेकण्डरी (12वीं उत्तीर्ण) अनिवार्य है।

   3.3 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु **दिनांक 01.01.2025 की स्थिति में आयु 18 से 35 वर्ष होना अनिवार्य है।**
4. आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवेदन पत्र, **विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 10 दिवस की समयावधि में ही केवल ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त किये जायेंगे।** ऑफलाइन प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।
5. आवेदिका द्वारा रिक्त पदों हेतु ऑनलाइन भरते समय ही आवेदन पत्र के साथ समस्त प्रमाण पत्र **PDF Format में** अपलोड किये जायेंगे। आवेदन के उपरांत आवेदन में संशोधन की सुविधा निर्धारित अवधि हेतु ही उपलब्ध होगी। ऑनलाइन माध्यम से भरे गये आवेदन के प्रिंटऑउट की प्रति संबंधित आवेदिका द्वारा सुरक्षित रखी जायेगी।
6. विभाग के संचालनालय, संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय, जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय को प्रेषित नियुक्ति संबंधी आवेदन पत्र को स्वीकार नहीं किया जावेगा। केवल ऑनलाइन आवेदन ही मान्य होंगे।
7. ऑनलाइन आवेदन भरने की सुविधा MP Online द्वारा तैयार **'चयन पोर्टल' (https://chayan.mponline.gov.in)** पर उपलब्ध है। आवेदन MP Online द्वारा स्थापित कियोस्क के माध्यम से या स्वयं MP Online के पोर्टल पर जाकर भर सकते हैं। MP Online द्वारा भरे जाने वाले आवेदन हेतु शुल्क राशि रुपये 100/- एवं 18% GST निर्धारित है।
8. MP Online से संबंधित समस्या निराकरण हेतु हेल्पलाइन नंबर- 0755-6720208 है।
9. जिन आंगनवाड़ी केन्द्रों के रिक्त पदों की पूर्ति के लिये विज्ञप्ति जारी की जा रही है, उनके संबंध में यदि कलेक्टर/अपर कलेक्टर/संभाग आयुक्त/अपर आयुक्त के न्यायालय अथवा माननीय उच्च न्यायालय में यदि कोई वाद प्रचलित है अथवा भर्ती प्रक्रिया के दौरान कोई वाद निर्मित होता है तो माननीय न्यायालय का निर्णय अंतिम होगा अर्थात् चयन एवं नियुक्ति माननीय न्यायालय के निर्णय के अधीन रहेगी।
10. आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की संख्या / विज्ञापित रिक्त पदों में परिवर्तन का अधिकार विभाग का होगा।

(आयुक्त द्वारा अनुमोदित)

(प्रज्ञा अवस्थी)
संयुक्त संचालक
महिला एवं बाल विकास, मध्यप्रदेश

जी-14560/51142/2025

जवानों और किसानों के सम्मान के लिए काम कर रही है प्रदेश सरकार - मुख्यमंत्री

खरगोन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खरगोन जिले के बेड़िया में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार देश की सीमा पर जान की बाजी लगाने वाले और सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों तथा खेतों में कड़ी मेहनत कर अन्न पैदा करने वाले किसानों के सम्मान के लिए काम कर रही है। हमारी सरकार कमजोर और गरीब वर्ग की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री ने नर्मदा घाटी विकास विभाग के अंतर्गत अम्बा-रोडिया माइक्रो उद्वहन सिंचाई योजना का लोकार्पण सहित 266 करोड़ रुपये की लागत के 24 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया। उन्होंने सिकल सेल के मरीजों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृति के प्रमाण-पत्र तथा हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार रक्षाबंधन पर लाड़ली बहनों को 250 रुपये की अतिरिक्त राशि देगी और दीवाली से लाड़ली बहनों को हर माह 1500 रुपये की राशि नियमित दी जाएगी। इस राशि को बढ़ाकर 3 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया जाएगा। गरीबों और जरूरतमंद की जान बचाने के लिए प्रदेश सरकार ने एयर एम्बुलेंस की सुविधा प्रदान की है। सभी पात्र लोग अपना आयुष्मान कार्ड बनवा लें, जिससे गंभीर बीमारी के समय जान बचाने के लिए उन्हें बड़े शहरों के अच्छे अस्पतालों में उपचार मिल सके। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर विमान या हेलीकॉप्टर से प्रदेश सरकार मरीजों को उपचार के लिए भी भेजती है। उन्होंने कहा कि अभी तक दुर्घटना में सड़कों पर घायलों को अस्पताल पहुंचने में लोग डरते थे अब सरकार ने राह-वीर योजना लागू की है। यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाता है और उसकी जान बचाता है तो उसे 25 हजार रुपये का इनाम प्रदेश सरकार देगी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, मन्दसौर

महू-नीमच रोड, शासकीय महाविद्यालय के पास, मन्दसौर
E-mail : eephedmas@mp.nic.in

NIT No. 06/2024-25

क्रमांक 1392/व.ले.लि./का.यं./2025 मन्दसौर, दिनांक : 18.06.2025

निम्नलिखित कार्य आमंत्रण सूचना वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर प्रदर्शित की गई है। टेंडर का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :-

टेंडर आई.डी. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपयों में)	1. अर्नेस्टमनी (रुपये में) 2. आमंत्रण क्र.	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा क्रय की अंतिम तिथि
2025_PHED_431886_1	मंदसौर जिले के विकासखंड मल्हारगढ़ में हैंडपंप सुधार एवं संधारण कार्य केवल मजदूरी मय हैण्डपंप मैकेनिक कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना।	929900/-	1) 18598/- 2) पंचम आमंत्रण	12 माह	02.07.2025 17.30 तक

उक्त कार्य की निविदा क्रेडिट कार्ड/इन्टरनेट बैंकिंग एकाउन्ट के माध्यम से भुगतान करने पर ऑनलाइन उक्त वेबसाइट पर क्रय की जा सकती है। निविदा से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

नोट:- निविदा में किसी भी प्रकार का **संशोधन** वेबसाइट पर देखा जा सकता है। संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वा. यां. खंड, मंदसौर, मोबाइल नं. : 7422232190

जी-14619/51150/2025

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल : ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक-1160/2025-26/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 18.06.2025

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 14.07.2025 को 17:30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2025_WRD_431643	पेंच व्यपवर्तन वृहद परियोजना (पुनर्वास एवं विस्थापन) के अंतर्गत आदर्श ग्रामों में बी.टी. रोड, खेत पहुंच मार्ग एवं एप्रोच रोड का निर्माण कार्य।	छिन्दवाड़ा	1263.95
2.	2025_WRD_431644	मोहनपुरा परियोजना के बाएं तट लिफ्ट प्रणाली के नवीनीकरण का कार्य।	राजगढ़	1114.69

जी-14568/51143/2025 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

योजना

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का मध्यम वर्ग को मिला साथ, सहयोग और संबल

लगभग एक दशक से धरातल पर यह दिखाई दे रहा है कि मध्यम आय वर्ग के लोगों की आवश्यकता को ध्यान में रखकर कार्य किया गया है। केन्द्र सरकार ने इनकी जरूरतों को योजनाबद्ध तरीके से पूर्ण करने का प्रयास किया है। पिछले ग्यारह वर्षों में लाखों लोगों का जीवन आसान हुआ है। सरकार ने कई नियमों को सरलीकृत किया है इससे व्यवस्था सुलभ हुई है। मकान खरीदना, परिवहन, दवाइयों के खर्च आदि किफायती हुए हैं। बीते एक दशक में लगातार बजट में होने वाले प्रावधान मध्यम वर्ग को साथ और संबल दे रहे हैं। देश का मध्यम वर्ग यह महसूस कर रहा है कि सरकार उनके साथ खड़ी है।

सरल कर और सुनिश्चित पेंशन

पिछले ग्यारह वर्षों में, सरकार ने मध्यम वर्ग के जीवन में वास्तविक बदलाव लाने का प्रयास किया है। आयकर दरों को कम करने से लेकर रिटर्न को सरल बनाने तक के हर कदम नागरिकों के हित में हैं। आयकर में छूट देखें तो 12.75 लाख रुपये तक की आय पर शून्य कर से करोड़ों लोगों को लाभ मिला है। 11 वर्षों में रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या 3.91 करोड़ से बढ़कर 9.19 करोड़ हो गई है।

आसान आयकर

पिछले ग्यारह वर्षों में, आयकर नीति ने लगातार राहत प्रदान की है। सरकार ने छूट की सीमा बढ़ाई, मानक कटौती शुरू की, सरलीकृत कर व्यवस्था शुरू की और कागजी कार्रवाई कम की। इन प्रयासों से करदाताओं का जीवन आसान हुआ है।

फेसलेस आईटी रिटर्न ई-असेसमेंट

2019 में लॉन्च की गई, फेसलेस ई-असेसमेंट प्रणाली ने व्यक्तियों के लिए कर जांच के तरीके को बदल दिया। जब कोई आय रिटर्न चुना जाता है, तो धारा 143 (2) के तहत एक नोटिस जारी किया जाता है, और करदाता को 15 दिनों के भीतर जवाब देना होता है। फिर मामला एक स्वचालित प्रणाली के माध्यम से एक मूल्यांकन इकाई को सौंपा जाता है। करदाता को यह नहीं पता होता है कि रिटर्न का मूल्यांकन कौन कर रहा है या इसे कहां संभाला जा रहा है।

महंगाई पर काबू

लगभग ग्यारह सालों में महंगाई पर पूरी तरह से काबू पाया गया। 2015-16 से 2024-25 तक महंगाई औसत दर गिरकर सिर्फ 5 प्रतिशत रह गई है। यह अंतर सिर्फ आंकड़ों में ही नहीं बल्कि रोज़मर्रा की जिंदगी में भी दिखाई देता है। स्थिर कीमतों ने परिवारों को राहत दी। जरूरी चीजें ज्यादा किफायती हो गईं और मासिक खर्चों की योजना बनाना आसान हो गया।

एकीकृत पेंशन योजना

सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा को मज़बूत करने के एक बड़े कदम के तौर पर, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 24 अगस्त, 2024 को एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को मंजूरी दी। यह योजना सेवानिवृत्ति से पहले के अंतिम 12 महीनों के दौरान प्राप्त औसत मूल वेतन के 50% के बराबर पेंशन सुनिश्चित करती है, जो कम से कम 25 साल की सेवा वाले कर्मचारियों पर लागू होती है। कम सेवा अवधि वाले लोगों के लिए, पेंशन की गणना आनुपातिक रूप से की जाएगी, जिसमें न्यूनतम योग्यता अवधि 10 वर्ष होगी।

शहरी विकास और कनेक्टिविटी

पिछले ग्यारह वर्षों में, भारत के शहरी परिदृश्य में उल्लेखनीय बदलाव आया है। आवास उन लोगों तक पहुंच गया है जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। बेहतर सड़कें, स्वच्छ हवा, बेहतर सार्वजनिक सेवाएं और आधुनिक परिवहन व्यवस्था के साथ शहर ज्यादा रहने लायक बन गए हैं। घर खरीदने वालों से लेकर रोजाना मेट्रो से यात्रा करने वालों तक, करोड़ों नागरिक अपने घरों, अपनी सड़कों और अपने आस-पड़ोस में बदलाव महसूस कर रहे हैं।

स्मार्ट सिटीज मिशन

25 जून 2015 को शुरू किए गए स्मार्ट सिटीज मिशन ने भारतीय शहरों को एक नया जीवन दिया। वर्ष 2025 तक, 7545 स्वीकृत परियोजनाओं में से 93 प्रतिशत पूरी हो गई हैं, जिनका कुल निवेश 1.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। 100 स्मार्ट शहरों में से प्रत्येक अब एक एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र चलाता है। ये केंद्र बेहतर सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, अपशिष्ट संग्रह और जल प्रबंधन में सहयोग करते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) लाखों मध्यम-वर्ग और निम्न-आय वाले परिवारों के लिए एक मजबूत उम्मीद बन गई है। वर्ष 2015 में शुरू की गई इस योजना का लक्ष्य है हर भारतीय का अपना घर हो। इस योजना ने शहरों के परिवारों को विश्वास, स्थिरता और सशक्तिकरण दिया है।

मेट्रो रेल विस्तार

वर्तमान में शहरी परिवहन में सबसे बड़ी तेजी देखी गई। देश के 29 शहरों में मेट्रो रेल चल रही है या बन रही है। मई 2025 तक, भारत में 1,013 किलोमीटर मेट्रो लाइन परिचालन में हैं, जबकि 2014 में सिर्फ 248 किलोमीटर थी। यानी सिर्फ ग्यारह साल में 763 किलोमीटर का इजाफा हुआ। कुल मेट्रो रेल नेटवर्क के मामले में भारत अब दुनिया भर में तीसरे स्थान पर है।

उड़ान योजना

21 अक्टूबर 2016 को शुरू की गई उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) योजना ने आम नागरिकों के लिए हवाई यात्रा को सस्ता और सुलभ बना दिया है। अपने छठे वर्ष में, उड़ान ने 625 मार्गों के माध्यम से 2 जल हवाई अड्डों और 15 हेलीपोर्ट सहित 90 हवाई अड्डों को जोड़ा है। इस योजना ने पर्यटन को बढ़ावा दिया है, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार किया है और टियर 2 और टियर 3 शहरों में व्यापार को बढ़ावा दिया है। जिससे समावेशी क्षेत्रीय विकास को विस्तार मिला है।

स्वास्थ्य सेवा की सुलभता

स्वास्थ्य सेवा में पिछले ग्यारह वर्षों में एक बड़ा बदलाव आया है। लक्षित सार्वजनिक योजनाओं और डिजिटल पहुंच के माध्यम से, सरकार ने लाखों लोगों, खासकर मध्यम वर्ग के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को किफायती और सुलभ बनाया है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुफ्त अस्पताल में भर्ती से लेकर देश भर में उपलब्ध कम कीमत वाली दवाएं तक मुहैया कराई हैं।

आयुष्मान भारत

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक रूप से वित्तपोषित स्वास्थ्य आश्वासन योजनाओं में से एक है। 3 मई, 2025 तक, 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 40.84 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। 31,916 सूचीबद्ध अस्पतालों का एक नेटवर्क सुविधा को और बढ़ाता है। 29 अक्टूबर 2024 को, इस योजना का 70 और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए, चाहे उनकी आय कुछ भी हो विस्तार किया गया है। यह विस्तार बुजुर्ग मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवा के वित्तीय बोझ को कम करने की दिशा में बड़ा कदम है।

जन औषधि

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) ने जरूरी दवाओं को आम नागरिक तक पहुंचा दिया है। 20 मई, 2025 तक जन औषधि केंद्रों की संख्या 2014 में सिर्फ 80 से बढ़कर 16,469 हो गई थी। ये आउटलेट ब्रांडेड विकल्पों की तुलना में 50 से 80 प्रतिशत कम कीमत पर दवाइयाँ देते हैं।

शिक्षा और कौशल विकास

पिछले ग्यारह वर्षों में, सरकार ने भारत के महत्वाकांक्षी मध्यम वर्ग के लिए कौशल और सीखने का नया परिदृश्य खड़ा किया है। रोज़गार, समावेशिता और उद्योग पर स्पष्ट ध्यान देने के साथ, कार्यक्रमों के एक विस्तृत नेटवर्क ने लाखों भारतीयों को नौकरी के लिए कौशल हासिल करने में मदद की है। 2014 में स्थापित कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने इस यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई)

2015 में शुरू की गई, पीएमकेवीवाई भारत में अल्पकालिक कौशल प्रशिक्षण की रीढ़ बन गई। 18 अप्रैल, 2025 तक, इसने विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा, आईटी और निर्माण जैसे क्षेत्रों में प्रमाणित प्रशिक्षण के माध्यम से 1.63 करोड़ से अधिक युवाओं को व्यावहारिक कौशल से लैस किया है। इसे दूरदराज के गांवों में भी उपलब्ध कराया गया है।

आईटीआई पारिस्थितिकी तंत्र का आधुनिकीकरण

भारत के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान लंबे समय से व्यावसायिक शिक्षा का एक स्तंभ रहे हैं। पिछले एक दशक में, इन संस्थानों में एक बड़ा विस्तार और उन्नयन हुआ। 2014 में आईटीआई की संख्या लगभग 9,977 से बढ़कर 2024 में 14,615 से अधिक हो गई। इसमें देश भर में 4,638 नए संस्थानों को शामिल किया है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में तकनीकी प्रशिक्षण तक पहुंच में सुधार हुआ है।

डिजिटल गवर्नेंस और सुविधा

पिछले ग्यारह वर्षों में, भारत में डिजिटल गवर्नेंस मध्यम वर्ग के सशक्तिकरण का एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरा है। दस्तावेजों तक पहुंच से लेकर सेवा वितरण तक, वित्तीय समावेशन से लेकर कल्याण तक पहुंच में, डिजिटल उपकरणों ने लालफीताशाही को कम किया है, समय की बचत की है और घरों को सुविधाजनक बनाया है। मध्यम वर्ग को, विशेष रूप से, जल्दी सेवाओं के मिलने, कार्यालयों के कम चक्कर लगाने और कम कागजी कार्रवाई से लाभ हुआ है। आधार, डिजिलॉकर और उमंग जैसी प्रमुख पहलों ने न केवल सार्वजनिक सेवाओं को मोबाइल और कागज़ रहित बनाया है, बल्कि सरकारी प्रणालियों में विश्वास भी बढ़ाया है।

आधार

2009 में शुरू किया गया आधार दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पहचान कार्यक्रम बन गया है। मार्च 2014 तक 61.01 करोड़ आधार नंबर जारी किए जा चुके थे, जो अप्रैल 2025 के अंत तक बढ़कर 141.88 करोड़ से ज्यादा हो गए। अब तक आधार ने 150 बिलियन से ज्यादा प्रमाणीकरण लेन-देन को सक्षम बनाया है।

डिजिलॉकर

1 जुलाई, 2015 को लॉन्च किया गया डिजिलॉकर डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत एक प्रमुख पहल है। यह एक डिजिटल दस्तावेज वॉलेट प्रदान करता है जो नागरिकों को अपने फोन या डेस्कटॉप से प्रामाणिक दस्तावेजों तक पहुंचने, संग्रहित करने और साझा करने की सुविधा देता है। फरवरी 2017 से कानूनी रूप से मूल कागजात के बराबर माने जाने वाले डिजिलॉकर ने भौतिक प्रतियों को साथ रखने या जमा करने की आवश्यकता को कम कर दिया है।

पिछले ग्यारह वर्षों में, सरकार ने मध्यम वर्ग के उत्थान के लिए लगातार कार्य किये हैं। सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं और सुधारों ने रोजमर्रा की चुनौतियों को कम किया है। वित्तीय सुरक्षा, आवास, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास को मजबूत किया है। ये बदलाव विकसित भारत निर्माण के बढ़ते कदमों की महत्वपूर्ण कड़ी है।

- हितेश शर्मा

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

पीएम जनमन अभियान

छिंदवाड़ा में 1067 भारिया परिवारों को मिले पक्के आवास

छिंदवाड़ा, प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत छिंदवाड़ा के सुदूर वनांचल क्षेत्रों में निवासरत 1067 भारिया जनजाति के परिवारों को पक्के आवास आवंटित किये गये। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजाति संवर्ग के उत्थान के लिये प्रतिबद्ध प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की इस योजना को मध्यप्रदेश में शत-प्रतिशत मूर्तरूप दिया जायेगा। जिला प्रशासन द्वारा आवास आवंटन के साथ ही सामूहिक खरीदी के नवाचार से एक करोड़ रुपये की बचत भी संभव हुई है।

प्रधानमंत्री जनमन अभियान के तहत छिन्दवाड़ा को कुल 5825 आवासों का लक्ष्य प्रदान किया गया था, जिसके अंतर्गत चौरई, हर्रई, तामिया, अमरवाड़ा, जुन्नारदेव एवं परासिया जनपद के दुर्गम क्षेत्रों में निवासरत भारिया हितग्राहियों को योजना का लाभ देना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। ग्रामों की दूर-दराज स्थिति (जिला मुख्यालय से 100-125 किलोमीटर) के कारण स्थानीय भवन सामग्री विक्रेताओं द्वारा महंगे दाम और कम गुणवत्ता वाली सामग्री हितग्राहियों को दिये जाने से भी आवास निर्माण में बाधा थी। इससे कई परिवारों ने आवास निर्माण में रुचि ही लेना बंद कर दिया था। इस स्थिति पर नियंत्रण के लिए कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह ने अधिकारियों के साथ स्वयं मौका स्थल का भ्रमण कर हितग्राहियों से चर्चा की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया। उन्होंने जनपद पंचायतों के अमले, सहायक यंत्री, और ग्राम पंचायतों के सरपंच आदि से सामूहिक चर्चा की।

जिला प्रशासन द्वारा जनपद स्तर पर थोक विक्रेताओं से संपर्क कर भवन निर्माण सामग्री की दरों को भी पूर्व निर्धारित किया गया। सीमेंट, ईंट, गिट्टी, सरिया, सेंटरिंग आदि निर्माण सामग्री स्थानीय दरों से 2 से 55 रुपये तक सस्ती दरों पर हितग्राहियों के ग्रामों में ही थोक में पहुँचाई गई। इस नवाचार से न केवल परिवहन लागत बची, बल्कि समय पर सामग्री मिलने से अधिकांश हितग्राहियों ने 2 माह से भी कम समय में अपने पक्के आवास तैयार कर लिए। इस पहल से 1067 परिवारों को 99,21,443 रुपये की सीधी बचत हुई, यानी प्रति परिवार लगभग 9,298 रुपये की औसत बचत हुई। साथ ही 1052 आवासों का निर्माण भी पूर्ण कर लिया गया है और शेष 508 आवास शीघ्र पूर्ण होने की स्थिति में है।

विभागीय अधिकारी बांधों का निरीक्षण कर वर्षा पूर्व सुधार कार्य पूर्ण करें

भोपाल, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक की। श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि विभागीय अधिकारी वर्षा से पूर्व सभी बांधों का निरीक्षण करें एवं वर्षा से पहले ही आवश्यकतानुसार सुधार कार्य कर लिए जाएं। सभी बांधों के गेट्स का मेंटीनेंस कर उन्हें क्रियाशील स्थिति में रखा जाए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख अभियंता श्री विनोद कुमार देवड़ा आदि उपस्थित थे। क्षेत्रीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्मिलित हुए।

प्रमुख अभियंता श्री विनोद देवड़ा द्वारा वर्षा ऋतु से पूर्व बांधों की सुरक्षा और संभावित आपदा स्थितियों से निपटने संबंधी विभागीय योजना एवं विभाग द्वारा किए गए जल संरक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी गई। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि जिला स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित कर 24 घंटे क्रियाशील किया जाए।

निरीक्षण दल गठित कर नियमित मॉनिटरिंग हो और वर्षाकाल के दौरान कोई भी अधिकारी बगैर सक्षम अधिकारी की अनुमति के मुख्यालय न छोड़े। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि वर्षा काल में जब भी डैम से पानी छोड़ने की स्थिति बने जिले के सभी अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाओं को अग्रिम सूचना दे दी जाए।

कॅरियर की राहें

एआई के क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे हैं अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

इस समय देश ही नहीं दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पेशेवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है। खास बात यह है कि एआई स्किल्स के साथ न केवल इंजीनियरिंग में बल्कि कॉमर्स, मैनेजमेंट, फार्मेसी और मेडिकल जैसे कई क्षेत्रों में कॅरियर को नई ऊंचाई दी जा सकती है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि बढ़ती हुई वैश्विक औद्योगिक और कारोबारी चुनौतियों के बीच एआई विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन गया है। ऐसे में भारतीय कंपनियां परंपरागत विकास की राह को पार करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एआई का उपयोग लगातार बढ़ा रही हैं। भारत की नई पीढ़ी डिजिटल दौर के एआई कामों में लगातार अपना योगदान बढ़ा रही है। ओपन एआई के सीईओ सैम आल्टमैन के मुताबिक एआई के लिए दुनिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई के मुताबिक भारत एआई के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के मुताबिक भारत की गणित में दक्ष नई पीढ़ी के लिए एआई के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

दुनिया और देश में एआई का तेजी से बढ़ता बाजार

इस समय पूरी दुनिया के साथ-साथ भारत में भी एआई का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही में प्रकाशित बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बाजार वर्ष 2027 तक 3 गुना से ज्यादा बढ़कर 17 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। भारत में एआई में बढ़ता निवेश, स्टार्टअप्स की लहर, डिजिटल तंत्र और दमदार प्रतिभा आधार एआई बाजार की रफ्तार को बढ़ावा दे रहे हैं। ऐसे में भारत का एआई बाजार दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते एआई बाजारों में रेखांकित हो रहा है। यह बात महत्वपूर्ण है कि दुनिया का 16 फीसदी एआई टैलेंट भारत के पास है और भारत, अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में मौजूदा समय में 6 लाख से अधिक एआई प्रोफेशनल्स हैं। इनकी संख्या वर्ष 2027 तक तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विभिन्न क्षेत्रों के उद्योग-कारोबार स्थानीय चुनौतियों को हल करने, नवाचार को बढ़ाने और प्रतिस्पर्धा लाभ बढ़ाने के लिए एआई तेजी से अपना रहे हैं। इसी तरह केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी 'भारत की एआई क्रांति, विकसित भारत के लिए एक रोडमैप नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2047 तक भारत को 23-35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाए जाने के लक्ष्य के मद्देनजर एआई पेशेवरों की अहम भूमिका होगी।

भारत बनेगा एआई का वैश्विक हब और बढ़ेंगे कॅरियर अवसर

जहां इस समय भारत के विभिन्न उद्योग-कारोबार में एआई को तेजी से अपनाया जा रहा है, वहीं दुनिया के कोने-कोने में उद्योग-कारोबार सहित जीवन के हर क्षेत्र में एआई की प्रभावी भूमिका बढ़ती जा रही है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि एआई और जेनेरेटिव एआई के आने से टेक्नोलॉजी की दुनिया तेजी से बदल रही है तथा इसे अपनाने के लिए लगातार विभिन्न कंपनियां तेजी से आगे आ रही हैं। इससे उनके खर्चों में भारी कमी आएगी, वहीं काम कहीं ज्यादा आसान हो जाएगा। वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ नई दिल्ली में कहा कि एआई को अपनाने वाले उद्योग भारत को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुमान के मुताबिक वर्ष 2028 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे।

गौरतलब है कि गूगल की एआई अवसर एजेंडा नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समय तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, तकनीकी प्रतिभा और जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम के चलते भारत एआई से लाभान्वित होने की बेहतर स्थिति में है। भारत में एआई प्रौद्योगिकी को अपनाए जाने से उत्पादकता में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। अब उद्योग, कृषि, स्वास्थ्य, सर्विस सेक्टर तथा अन्य क्षेत्रों में एआई के अधिक उपयोग से भारत को वर्ष 2030 तक 33.8 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक लाभ हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई के प्रति एक व्यापक और जिम्मेदार दृष्टिकोण भारत में महत्वपूर्ण आर्थिक विकास और सामाजिक प्रगति को संभव बना सकता है। भारत की एआई हाईस्किल्ड नई पीढ़ी सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) से विदेशी मुद्रा की बड़ी कमाई करने वाली आर्थिक शक्ति के रूप में भी उभरकर दिखाई दे रही है।

एआई की वजह से बढ़ेंगी नई नौकरियां

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पेरिस में फरवरी में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक्शन शिखर सम्मेलन-2025 की सह अध्यक्षता करते हुए कहा है कि यद्यपि दुनिया में यह आशंका है कि एआई की वजह से नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन इतिहास गवाह है कि प्रौद्योगिकी के कारण नौकरियां खत्म नहीं होती, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है और नई तरह की नौकरियां सृजित होती हैं। इसलिए हमें एआई संचालित भविष्य के लिए अपने लोगों को हाई स्किल्ड बनाते हुए नए काम के तरीकों के लिए उन्हें तैयार करने में निवेश करने की जरूरत है।

पिछले दिनों विश्व आर्थिक मंच के तहत प्रकाशित रिपोर्ट 'भविष्य की नौकरियों' में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2030 तक 17 करोड़ नई एआई नौकरियां पैदा होंगी, जबकि 9.2 करोड़ परस्परागत नौकरियां समाप्त होने का अनुमान है। जिसके परिणामस्वरूप 7.8 करोड़ से अधिक नई नौकरियां पैदा होंगी। तकनीकी उन्नति, जनसांख्यिकीय बदलाव, भू-आर्थिक तनाव और आर्थिक दबाव आदि परिवर्तनों के कारण नई हाई-स्किल्ड एआई नौकरियों को रफ्तार मिलेगी और इससे दुनियाभर में उद्योगों और व्यवसायों को नया रूप मिलता हुआ दिखाई देगा। ऐसे में सबसे तेजी से

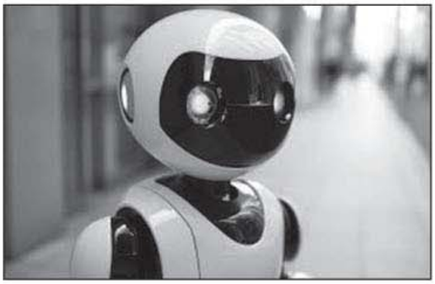

बढ़ती जिन नौकरियों की भूमिकाएं होंगी, उनमें प्रमुखतया एआई, बड़े डेटा विशेषज्ञ और मशीन लर्निंग विशेषज्ञ और साइबर सुरक्षा प्रबंधन विशेषज्ञ शामिल हैं।

एआई में बढ़ रहे हैं बहुआयामी कॅरियर के विकल्प

वर्तमान दौर एआई स्किल्स का दौर है। इस समय एआई स्किल्स को सीखने के बाद स्टूडेंट्स एआई डेवलपर, मशीन लर्निंग इंजीनियर, डाटा साइंटिस्ट, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग इंजीनियर, रोबोटिक प्रोग्रामर, फेस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर डेवलपर एवं डीप लर्निंग इंजीनियर जैसे कई तरह के अच्छे कॅरियर बना सकते हैं। एआई विशेषज्ञता से कम्प्यूटर और आईटी सेक्टर में रोज़गार व स्वरोज़गार के उज्ज्वल अवसर हैं। देश और दुनिया की आईटी कंपनियों में, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, भारतीय थल सेना, वायु सेना, नौ सेना में कम्प्यूटर विशेषज्ञ, बैंक, रेलवे, इंश्योरेंस तथा अन्य शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं निजी उपक्रमों में एआई कम्प्यूटर विशेषज्ञ, कम्प्यूटर मल्टीमीडिया के तहत ऑडियो, वीडियो, टेक्स्ट, ग्राफिक्स, एनिमेशन विशेषज्ञ, कॉल सेंटर ऑपरेटर, वॉइस मेल ऑपरेटर, स्टॉक मार्केट में कम्प्यूटर प्रोग्रामर, टैक्स रिटर्न सेवा कम्प्यूटर एक्सपर्ट, जैसे विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ एआई दक्षता के साथ आउटसोर्सिंग करके विदेशों में भी अपनी सेवाएं प्रदान करके शानदार कॅरियर बनाया जा सकता है।

तेजी से बढ़ते भारत के एआई मॉडल्स

इसमें कोई संशय नहीं है कि अब तक भारत में उत्पादकता उतनी तेजी से नहीं बढ़ी है जितनी तेजी से विकास की महत्वाकांक्षा है। इस प्रवृत्ति को बदलने के लिए, उन क्षेत्रों की पहचान करने का प्रयास किया गया है जहां सरकार और निजी क्षेत्र दोनों द्वारा धन के उपयुक्त निवेश से एआई का उपयोग किया जा सके। यद्यपि देश में भारतजेन, देविका, सूत्र, ऐरावत, सर्वम और चित्रलेखा जैसे कई एआई मॉडल्स के लिए पेशेवर काम कर रहे हैं। पर अब भारत के द्वारा शीघ्रतापूर्वक खुद का जनरेटिव एआई मॉडल विकसित करना जरूरी है।

चूंकि भारत दुनिया की तीसरी बड़ी डिजिटल इकोनॉमी है, अतएव एआई एक्सपर्ट के लिए विभिन्न कंपनियों ने नए डिजिटल अवसर पैदा किए हैं। देश और दुनिया की ज्यादातर कारोबारी गतिविधियां अब ऑनलाइन हो गई हैं। चूंकि आने वाले वर्षों में एआई और इसके टूल्स का उपयोग तेजी से बढ़ने वाला है। ऐसे में इन टूल्स और सॉफ्टवेयर को बनाने वाले एआई डेवलपर्स की मांग भी बढ़ेगी। यह बात महत्वपूर्ण है कि स्वयं को एआई इनेबल्ड बना लेने पर उसका सारा काम सॉफ्टवेयर करेंगे। जब मशीनें प्रोग्रामिंग और कोडिंग के अनुसार वह काम करने लगती हैं, तो वहां गलतियों की गुंजाइश कम होती है।

एआई सेक्टर में कॅरियर के लिए शैक्षणिक योग्यताएं

सामान्यतया कक्षा बारहवीं तक गणित विषय लेने वाले छात्रों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी और कम्प्यूटर क्षेत्र में अधिक अवसर मौजूद हैं। एआई में कॅरियर के लिए बीटेक/बीई इन कम्प्यूटर, बीटेक/बीई इन आईटी, बीसीए, बीएससी कम्प्यूटर साइंस, एमटेक/एमई कम्प्यूटर साइंस, एम टेक/एमई, इन आईटी, एमसीए, एमएससी कम्प्यूटर साइंस जैसी डिग्रियों के साथ एआई की विशेषताओं की अहमियत है। एआई आधारित पृथक कोर्स भी विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में उपलब्ध हैं। जेईई मेन्स और एडवांस परीक्षाओं के माध्यम से आईआईटी, एनआईटी सहित देश के अच्छे इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश लेकर एआई संग अच्छा कॅरियर बनाया जा सकता है। जीआरई देकर विदेश की किसी अच्छी युनिवर्सिटी से एआई विशेषज्ञता के साथ एमएस की डिग्री प्राप्त करके एआई कॅरियर को ऊंचाई दी जा सकती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी एआई से संबंधित शार्ट टर्म कोर्स करा रहे हैं, जिन्हें आसानी से ऑनलाइन भी किया जा सकता है।

एआई कॅरियर के लिए जरूरी स्किल्स और विशेषज्ञता

एआई कॅरियर की जरूरी स्किल्स में कम्प्यूटर और आईटी सेक्टर के साथ-साथ कोडिंग स्किल्स में पूर्ण रुचि तथा दक्षता जरूरी है। इस सेक्टर में कॅरियर बनाने के लिए गणित, विज्ञान और अंग्रेजी में दक्षता जरूरी है। कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग में विशेष रुचि लगातार लम्बे समय तक घंटों सीटिंग, अच्छा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, तर्कशील सोच, सकारात्मक रुख, निरंतर पढ़ने की ललक जैसी स्किल्स जरूरी हैं। स्टूडेंट सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट से संबंधित उपयुक्त कोर्स करके भी एआई कौशल सीख और निखार सकते हैं। जरूरी है कि उन्हें कोडिंग पसंद हो और जो कोडिंग कर सकते हों। इतना ही नहीं इस तकनीक को सीखने के लिए किसी डिग्री की भी बाध्यता नहीं है। कोई भी इसे सीख सकता है, चाहे वह तकनीकी क्षेत्र से हो या गैर-तकनीकी से। लेकिन कम्प्यूटर दक्षता का आधार जरूरी है।

एआई में कॅरियर की राह पर कैसे आगे बढ़ें?

यदि आपकी रुचि, योग्यता तथा क्षमता एआई आधारित कोडिंग प्रोग्रामिंग में हो, आप में कल्पनाशीलता का प्रयोग करने की क्षमता हो, तो आप एआई के क्षेत्र में स्वयं को अच्छे कॅरियर के लिए आगे बढ़ा सकते हैं। चूंकि अभी यह नई तकनीक है, इसलिए इस तकनीक में कुशल युवा बहुत ज्यादा बाजार में नहीं हैं। ऐसे में अभी इस क्षेत्र में कॅरियर की ऊंची संभावनाएं हैं। देश के कोने-कोने में एआई विशेषज्ञता के साथ कम्प्यूटर तथा आईटी की शिक्षा देने वाले अनेक गुणवत्तापूर्ण संस्थान हैं इनमें आईआईटी और एनआईटी सहित देश के प्रमुख इंजीनियरिंग कॉलेज शामिल हैं। देश के कई विश्वविद्यालयों में भी एआई संग कम्प्यूटर साइंस और आईटी के डिपार्टमेंट हैं। ऐसे में आप उपयुक्तता के अनुरूप अच्छे विश्वसनीय संस्थान का चयन करके नई एआई विशेषज्ञता के साथ कॅरियर की राह पर बेहतर अवसरों को मुट्ठियों में लेने के लिए आगे बढ़ सकते हैं। ऐसे में जहां आप एआई पेशेवर के रूप में देश की आर्थिक तस्वीर संवारने की संभावनाओं को साकार करने के मद्देनजर अपना अहम योगदान देंगे, वहीं देश को वर्ष 2028 तक तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था और वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के परिप्रेक्ष्य में भी प्रभावी भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

मुख्यमंत्री ने बालाघाट में नक्सल विरोधी अभियान में सफलता पर दी बधाई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट जिले में 4 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराने पर राज्य पुलिस बल के जवानों को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार ने मार्च 2026 तक नक्सलवाद को प्रदेश की धरती से समूल खत्म करने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य को पाने में हमारे पुलिस जवानों का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नक्सल विरोधी अभियान में भाग ले रहे पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत कर रही है। कुछ महीने पहले बालाघाट में एक कार्यक्रम में नक्सलियों का खात्मा करने वाले पुलिस के सिपाहियों और अधिकारियों को पदोन्नति देकर सम्मानित किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पचमढ़ी से जारी संदेश में यह बात कही।

भारतीय वन सेवा 2024 की परीक्षा में अनुसूचित जाति वर्ग में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया

संयम, दृढ़ता और अनुशासन सफलता के लिए जरूरी

कहते हैं कि जीवन में यदि कामयाबी ना मिले तो इसका यह मतलब नहीं कि हम प्रयत्न करना छोड़ दें बल्कि पूरी ऊर्जा के साथ किए गए प्रयास असफलता को निश्चित ही सफलता में बदल देते हैं। हां, बस निराश नहीं होना चाहिए। पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम महान वैज्ञानिक बनने के पहले एयरफोर्स में पायलट बनना चाहते थे लेकिन उन्हें उसमें सफलता नहीं मिली और यदि मिल जाती तो वह मिसाइलमैन नहीं बन पाते। यह सिर्फ महान लोगों के साथ नहीं बल्कि सामान्य लोगों के साथ भी होता है, बस जरूरत होती है संयम और धैर्य के संग आगे बढ़ने की। मध्यप्रदेश के शाजापुर के योगेश ने पांच बार यूपीएससी की परीक्षा दी, लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिली। ऐसे में उन्होंने निराश होने के बजाय अपनी योजना में थोड़ा सा बदलाव किया और भारतीय वन सेवा की परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी। पहले प्रयास में महज एक अंक से सलेक्शन रहने के बाद दूसरे प्रयास में वर्ष 2024 की परीक्षा में उन्होंने देश में 23वां तथा अनुसूचित जाति वर्ग में देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। योगेश ने अपनी असफलता से लेकर सफलता तक के सफर, भारतीय वन सेवा में कॅरियर के अवसर आदि के बारे में रोज़गार और निर्माण से बात की...

- **आप अपने अब तक के सफर के बारे में बताइए?**

○ मैंने अपनी कक्षा 12वीं तक की पढ़ाई महाराष्ट्र के भुसावल के केन्द्रीय विद्यालय में पूरी की है। वर्ष 2019 में आईआईटी धनबाद से मैंने बीटेक कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई पूरी की। वर्ष 2019 में डिग्री पूरी करने के बाद मैंने यूपीएससी की तैयारी शुरू की। सिविल सर्विस की परीक्षा में पांच प्रयास के बाद भी मुझे इसमें सफलता नहीं मिली। बाद में मुझे अहसास हुआ कि मैं भारतीय वन सेवा के क्षेत्र में भी प्रयास कर सकता हूं। वर्ष 2023 में आईएफएस की परीक्षा में मेरा पहला प्रयास था, जिसमें सिर्फ 1 नंबर से मैं फाइनल सलेक्शन से रह गया था। वर्ष 2024 में यह मेरा दूसरा प्रयास था जिसमें मुझे देश में 23वां स्थान प्राप्त हुआ है।

- **आईएफएस की परीक्षा में कितने अटेम्प्ट होते हैं? इस परीक्षा के बारे में थोड़ा विस्तार से बताइए?**

○ भारतीय वन सेवा यानी आईएफएस की परीक्षा और भारतीय प्रशासनिक सेवा आईएएस दोनों की परीक्षा यूपीएससी ही कराता है। दोनों ही परीक्षा में 6-6 अटेम्प्ट मिलते हैं। आप इन्हें अलग-अलग भी दे सकते हैं या फिर एक साथ भी दे सकते हैं। आईएएस और आईएफएस दोनों की प्रारंभिक परीक्षा एक ही होती है और फॉर्म भी एक साथ भरे जाते हैं। आईएएस की परीक्षा में किसी भी विषय से स्नातक व्यक्ति परीक्षा दे सकता है जबकि आईएफएस की परीक्षा में मैथ्स या साइंस ग्रेजुएट ही योग्यता रखते हैं। इसके अलावा सिविल सर्विस में वैकल्पिक विषय एक चुनना होता है जबकि फॉरेस्ट सर्विस में दो वैकल्पिक विषयों का चुनाव करना होता है।

- **आईआईटी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। ऐसे में कॉर्पोरेट सेक्टर के बेहतर विकल्प के बजाय आपने फॉरेस्ट सर्विसेस की राह क्यों चुनी?**

○ मुझे शुरुआत से ही शासकीय सेवा में मिलने वाली सामाजिक प्रतिष्ठा आकर्षित करती रही है। इसके अलावा इसमें हमें सीधे तौर पर आम लोगों से जुड़कर काम करने का अवसर मिलता है। हम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम कर सकते हैं। जबकि सॉफ्टवेयर इंजीनियर की जॉब में मैं दफ्तर में 10 से 5 बजे तक की नौकरी करता और सिविल सर्विस हो, फॉरेस्ट सर्विस या अन्य कोई भारतीय शासकीय सेवा यह फील्ड में रहकर कार्य करने का अवसर प्रदान करती है।

- **आईएएस और आईएफएस की सर्विस में क्या अंतर है?**

○ फॉरेस्ट सर्विसेस यानी भारतीय वन सेवा की परीक्षा एक स्पेशलिस्ट परीक्षा है। इस परीक्षा में साइंटिफिक नॉलेज की अधिक आवश्यकता होती है। इसलिए इस परीक्षा में साइंस ग्रेजुएट परीक्षार्थी ही शामिल हो सकते हैं। इस परीक्षा की खास बात यह है कि यह परीक्षा पर्यावरण और वन संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने के बेहतर अवसर प्रदान करती है जबकि अन्य भारतीय प्रशासनिक सेवा में यह अवसर नहीं मिलते हैं। इसके साथ ही वनों में रहने वाले समुदायों और जनजातियों के लिए कार्य करने के भी हमें बहुत सारे अवसर फॉरेस्ट सर्विस प्रदान करती है।

- **पांच बार सिविल सर्विस में असफलता और दूसरे प्रयास में आईएफएस के बाद आपको अपने लक्ष्य में 6 साल के बाद सफलता मिली है, ऐसे में कैसे खुद को प्रेरित किया?**

○ मुझे मेरे माता-पिता, परिजनों, मित्रों का हर कदम पर सहयोग मिला है। मेरे पेरेंट्स ने हमेशा पढ़ाई को प्राथमिकता से समझा। उन्हें पता था कि मैं अभी पढ़ रहा हूं इसलिए उन्होंने कभी मुझ पर जॉब करने का दबाव भी नहीं बनाया। हमेशा प्रेरित किया कि मैं अपना लक्ष्य हासिल कर सकता हूं। मेरे माता-पिता, परिजनों, दोस्तों का विश्वास और साथ मेरे लिए सबसे बड़ी प्रेरणा रहा है।

- **वैकल्पिक विषय के रूप में आपने किस विषय का चुनाव किया?**

○ वैकल्पिक विषय के रूप में मैंने जियोलॉजी और फॉरेस्ट्री को विकल्प के रूप में चुना।

- **क्या आपने इस परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग की है?**

○ मैंने 2019 में यूपीएससी की परीक्षा की तैयारी के लिए दिल्ली जाकर कोचिंग की थी, लेकिन कोविड आ जाने के कारण बीच में ही वापस छोड़कर शाजापुर अपने घर वापस आ गया था। इसके बाद आईएफएस की तैयारी के लिए मैंने ऑनलाइन कोचिंग की सहायता ली थी।

- **इस परीक्षा के लिए आपने कितने साल तैयारी की और आपने किस दिनचर्या का पालन किया?**

○ मैंने 2019 में ग्रेजुएशन के बाद ही सिविल सर्विस की तैयारी शुरू कर दी थी। मैं नियमित सुबह जल्दी उठकर जिम जाता था और आने के बाद नियमित 6 से 8 घंटे पढ़ाई करता था। मुझे लगता है कि पूरे मन से इतना पढ़ना काफी है। हमें अपनी हॉबी को भी समय देना चाहिए। हां यह शेड्यूल सफलता मिलने तक यानी लगभग 6 साल इसका पालन किया।

- **आपने अपने आसपास के दोस्तों को देखकर क्या कभी महसूस किया कि वो लोग कॅरियर में आगे बढ़ रहे हैं और आप ऐसी परीक्षा की तैयारी में जुटे हैं जो अनिश्चितता से भरी है?**

○ नहीं, मुझे मेरे दोस्तों की तरफ से या उनके आसपास होने पर कभी ऐसा दबाव महसूस नहीं हुआ। उन्होंने हमेशा मुझ पर यही विश्वास किया कि मैं कुछ बेहतर करूंगा। उन्होंने हमेशा मुझे मोटीवेट ही किया।

- **परीक्षा की तैयारी के लिए आपका स्टडी मटेरियल कौन सा था?**

○ एनसीईआरटी बुक्स, मॉडर्न हिस्ट्री के लिए स्पेक्ट्रम, आर्ट एंड कल्चर के लिए नितिन सिंघानिया, एन्वायरमेंट के लिए शंकर आईएएस, इकोनॉमी के लिए मृणाल, डाउन टू अर्थ मैगजीन, जियोलॉजी के लिए कोचिंग नोट्स, वानिकी के लिए कोचिंग के नोट्स के अलावा इंटरनेट से अध्ययन किया।

- **इंटरव्यू के लिए तैयारी कैसे की?**

○ मेरा इंटरव्यू 1 मई को था। मैं एक महीने पहले इंटरव्यू की तैयारी के लिए दिल्ली चला गया था। मैंने कुछ मॉक इंटरव्यू दिए थे ताकि मैं अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकूं। इसके अलावा मैंने अपने साथ तैयारी कर रहे अपने दोस्तों का एक ग्रुप बनाकर भी इसकी प्रेक्टिस की। इसके अलावा इंटरव्यू में एक डिटेल्ड फॉर्म भरना होता है। जो इंटरव्यू लेने वाले के पास होता है। एक मुख्य परीक्षा के पहले भरते हैं और एक इंटरव्यू के पहले भरते हैं। इसमें आप अपने शहर, पढ़ाई, परिवार समेत अपने जीवन से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारी, रुचि, अचीवमेंट आदि से जुड़े सवाल पूछते हैं।

- **भारत का राष्ट्रीय विरासत जानवर कौन सा है?**

○ हाथी को 2010 में भारत का राष्ट्रीय विरासत पशु घोषित किया गया था।

- **प्रोजेक्ट एलीफेंट 1992 क्या है?**

○ यह परियोजना देश में हाथियों की आबादी की सुरक्षा के लिए शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य हाथियों के लिए गलियारे (कॉरिडोर) बनाना, वनों की कटाई को कम करना और वन्यजीवों की स्वस्थ जनसंख्या बनाए रखना है।

- **आप जनजातीय विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन कैसे बनाएंगे?**

○ मैं जनजातीय लोगों को पर्यावरण संरक्षण का हिस्सा बनाने की कोशिश करूंगा। मैं वनों के पारंपरिक ज्ञान का उपयोग बेहतर वन प्रबंधन के लिए करूंगा। मैं उन्हें वन रक्षक, वन प्रहरी, पर्यटन मार्गदर्शक आदि कार्यों में रोज़गार दिलाने की कोशिश करूंगा। इससे उन्हें आजीविका का अवसर मिलेगा और वन विभाग को पर्यावरण संरक्षण में मदद भी मिलेगी।

- **यदि कोई व्यक्ति जंगल से पेड़ काट रहा है, तो उसे दंडित करने का प्रावधान किस कानून में है?**

○ भारतीय वन अधिनियम, 1927 में अवैध रूप से पेड़ काटने पर रोक और दंड का प्रावधान है।

- **ग्रीन इंडिया मिशन के उद्देश्य क्या हैं?**

○ इसका उद्देश्य 5 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में नए वनों का निर्माण करना और 5 मिलियन हेक्टेयर क्षतिग्रस्त वनभूमि को पुनर्जीवित करना है।

परिचय

नाम	- योगेश राजोरिया
पद	- भारतीय वन सेवा
रैंक	- AIR 23
पिता	- श्री मोहनलाल राजोरिया
माता	- श्रीमती सोरम राजोरिया
पता	- शाजापुर, मध्यप्रदेश

शिक्षा

हाई स्कूल : केन्द्रीय विद्यालय, भुसावल, महाराष्ट्र

हायर सेकंडरी : केन्द्रीय विद्यालय, भुसावल, महाराष्ट्र

स्नातक : बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, आईआईटी धनबाद, झारखंड

रुचि	- फोटोग्राफी, जिम, क्रिकेट
उपलब्धियां	- सीएसआईआर में असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर के पद पर चयन

- **परीक्षा में आपकी क्या रणनीति थी? किन बातों का ध्यान रखा?**

○ परीक्षा हॉल में मैंने टाइम मैनेजमेंट का विशेष ध्यान रखा। मॉक टेस्ट बहुत ज्यादा सॉल्व किए, पुराने प्रश्न पत्रों को बड़ी संख्या में हल करने का अभ्यास किया, ताकि मुझे सोचने में बहुत ज्यादा समय ना लगे। जवाब लिखने की बहुत ज्यादा प्रेक्टिस की।

- **यदि आप आईएफएस के पद पर चयनित नहीं होते तो आप क्या करते?**

○ यदि मैं आईएफएस के पद पर चयनित नहीं होता तो मैं अन्य शासकीय सेवाओं जैसे एसएससी सीजीएल के लिए तैयारी करता। इसके अलावा इंजीनियरिंग की डिग्री के कारण प्राइवेट सेक्टर में जॉब का विकल्प भी मेरे पास था।

- **आपने माता-पिता से क्या सीखा, जो आपको सफलता में काम आया?**

○ मैंने हमेशा से यह महसूस किया कि मेरे पिता ने हमेशा बड़े सपने देखे और उन्हें सच करने के लिए मेहनत की। वह गरीबी और एक छोटे से गांव से निकलकर रेलवे सर्विसेस अच्छी नौकरी हासिल की। अपने आसपास कम्युनिटी के लोगों की मदद भी की। उनके जीवन से मुझे हमेशा बड़ी प्रेरणा मिली और यह मेरे लिए सबसे बड़ा मोटीवेशन रहा।

- **क्या आपने कभी यह महसूस किया कि आप छोटे शहर में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, घर पर रहकर तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में लगा नहीं कि अन्य प्रतिभागियों से पिछड़ जाएंगे?**

○ निश्चित ही मैंने कई बार यह बात महसूस की कि मैं अन्य प्रतिभागियों से पिछड़ जाऊंगा लेकिन यह भी स्पष्ट है कि ऑनलाइन हर तरह का स्टडी मटेरियल उपलब्ध होने के कारण छोटे या बड़े शहर, गांव, कस्बे के बीच की दूरी को खत्म कर दिया है। डिजिटल टेक्नोलॉजी के कारण हर कंटेंट हर व्यक्ति के लिए उपलब्ध है। इसलिए अब यह दबाव खत्म हो गया है कि छोटे शहर या गांव में आपको चीजें उपलब्ध नहीं होंगी।

- **क्या गलतियां पिछले प्रयासों में महसूस की और उन्हें कैसे दूर किया?**

○ इस परीक्षा में प्री, मैन्स और इंटरव्यू तीन स्टेज होते हैं। मैं हर स्टेज पर एक ना एक बार असफल हुआ हूं, इसलिए मैं हर बार अगले अटेम्प्ट में उन गलतियों को दोहराऊं ना इसकी तैयारी करता रहा।

- **क्या आपको उम्मीद थी कि आपका सलेक्शन हो जाएगा?**

○ सिविल सर्विस की तैयारी छोड़कर जब मैंने अपना पूरा ध्यान इंडियन फॉरेस्ट सर्विस पर केन्द्रित किया तो पहले ही प्रयास में सिर्फ 1 नंबर से मेरा सलेक्शन रह गया था। इसलिए यकीन तो था कि मुझे सफलता मिल जाएगी, अच्छी रैंक की उम्मीद नहीं थी।

- **मानसिक या शारीरिक तौर पर इस दौरान क्या किसी समस्या का सामना किया और कैसे उन्हें दूर किया?**

○ मानसिक तौर पर कई बार मुझे बहुत ज्यादा एंग्जाइटी हो जाती थी। इसके लिए मैंने चिकित्सक से परामर्श भी लिया ताकि मैं इसे ठीक कर सकूं। इसके अलावा लगातार घंटों बैठने के कारण कमर और पीठ दर्द की शिकायत भी हुई, इसके लिए मैंने खुद पर काम किया। इसे दूर करने के लिए मैंने एक्सरसाइज और जिम आदि का सहारा लिया।

- **जिस पद पर आपका चयन हुआ है, इसे लेकर आपके क्या विचार हैं?**

○ हमारे देश में 33 प्रतिशत वन क्षेत्र का लक्ष्य है और वर्तमान में यह लगभग 25 फीसदी है। इसलिए फॉरेस्ट ऑफिसर होने के नाते मेरा यह लक्ष्य होगा कि मैं देश के जिस भी क्षेत्र में पदस्थ रहूं, वहां का वन क्षेत्र बढ़ा सकूं। पर्यावरण संबंधी कई समस्याएं जैसे प्रदूषण आदि के लिए भी कार्य करना चाहता हूं। वन्य क्षेत्रों में रहने वाले वंचित और जनजातीय समुदाय के लिए भी मैं कार्य करना चाहता हूं।

- **आपको इस परीक्षा में सफलता के लिए मोटीवेशन कहां से मिला?**

○ परिवार ने सबसे ज्यादा मोटीवेट किया। इसके अलावा जब आप लंबे समय तक अनुशासन के साथ तैयारी करते हैं तो आपको सकारात्मक सोच बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है। इसलिए अपने आसपास ऐसे का साथ होना बहुत जरूरी है तो आपसे लगातार बोलते रहें कि आप कामयाब हो जाएंगे।

- **रोज़गार और निर्माण के माध्यम से अभ्यर्थियों को आप क्या संदेश देना चाहेंगे?**

○ रोज़गार और निर्माण के माध्यम से मैं युवाओं को यही संदेश देना चाहूंगा कि, किसी भी परीक्षा की आप तैयारी कर रहे हैं, जरूरी नहीं की जल्दी कामयाबी मिल जाए, कई बार असफलता भी मिलती है। इसलिए धैर्य बनाए रखिए, संयम रखिए। लगातार मेहनत करने की आवश्यकता है। यदि आप अपनी पढ़ाई या जो भी आप काम कर रहे हैं उसके प्रति ईमानदार हैं तो निश्चित ही आपको कामयाबी अवश्य मिलेगी।

- डॉ. सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं)

जॉब अलर्ट

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - एक्जीक्यूटिव असिस्टेंट, जूनियर एक्जीक्यूटिव (सिविल, मैकेनिकल, क्वालिटी कंट्रोल), मैकेनिकल इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, केमिकल इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, ऑफिसर एचआर, ऑफिसर इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग, असिस्टेंट ऑफिसर राजभाषा, लॉ ऑफिसर, सुरक्षा अधिकारी, सीनियर ऑफिसर (सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूटर), सीनियर अधिकारी सेल्स, मैनेजर सेल्स
पदों की संख्या - 361
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 30 जून, 2025
वेबसाइट - https://www.hindustanpetroleum.com

हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड विशाखापट्टनम

पद का नाम - एडिशनल जनरल मैनेजर, डिप्टी जनरल मैनेजर, सीनियर मैनेजर, मैनेजर, डिप्टी मैनेजर
पदों की संख्या - 26
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 03 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://hslvizag.in

एएआई कार्गो लॉजिस्टिक एंड एलाइड सर्विसेस कंपनी लिमिटेड

पद का नाम - सहायक (सुरक्षा), सिक्योरिटी स्क्रीनर
पदों की संख्या - 393
योग्यता - सहायक (सुरक्षा) पद के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं कक्षा उत्तीर्ण हो तथा सिक्योरिटी स्क्रीनर पद के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उत्तीर्ण हो।
अंतिम तिथि - 30 जून, 2025
वेब. - https://www.aaiclas.aero

ओडिशा पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - जूनियर मैनेजमेंट ट्रेनी, जूनियर मेंटेनेंस एंड ऑपरेटर ऑपरेटर ट्रेनी
पदों की संख्या - 171
योग्यता - जूनियर मैनेजमेंट ट्रेनी पद के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ इंजीनियरिंग में डिप्लोमा तथा जूनियर मेंटेनेंस एंड ऑपरेटर ऑपरेटर ट्रेनी पद के लिए मान्यता प्राप्त संस्थान से इलेक्ट्रिकल ट्रेड में नेशनल ट्रेड सर्टिफिकेट हो।
अंतिम तिथि - 29 जून, 2025
वेबसाइट - https://www.optcl.co.in

इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - ग्रेजुएट अप्रेंटिस, डिप्लोमा अप्रेंटिस
पदों की संख्या - 30
योग्यता - ग्रेजुएट अप्रेंटिस पद के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ इंजीनियरिंग की डिग्री तथा डिप्लोमा अप्रेंटिस पद के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ इंजीनियरिंग में डिप्लोमा।
अंतिम तिथि - 04 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://www.iprcl.in

बिहार लोक सेवा आयोग

पद का नाम - विभिन्न विभागों के लिए संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (अनुमंडल पदाधिकारी, अवर निबंधक, श्रम अधीक्षक, ईख पदाधिकारी, राजस्व अधिकारी, प्रखंड पंचायत राज अधिकारी, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी, वित्तीय प्रशासनिक पदाधिकारी)
पदों की संख्या - 1250
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 30 जून, 2025
वेब. - https://bpsc.bihar.gov.in

छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल

पद का नाम - आबकारी आरक्षक
पदों की संख्या - 200
योग्यता - किसी भी मान्यता बोर्ड से बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण हो।
अंतिम तिथि - 27 जून, 2025
वेब. - https://vyapamcg.cgstate.gov.in

सैनिक स्कूल झुंझनू

पद का नाम - पीजीटी (अंग्रेजी, भौतिकी, रसायन शास्त्र, जीव विज्ञान, गणित), टीजीटी (सामाजिक विज्ञान), प्रयोगशाला सहायक, पीईएम/पीटीआई सह मैट्रन, आर्ट मास्टर, संगीत शिक्षक, कार्यालय अधीक्षक,उच्च श्रेणी लिपिक (यूडीसी), निम्न श्रेणी लिपिक (एलडीसी)
पदों की संख्या - 17
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 28 जून, 2025
वेबसाइट - https://ssjhunjhunu.com

उडुपी कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड

पद का नाम - ग्रेजुएट अप्रेंटिस (इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल), टेक्निशियन अप्रेंटिस (इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल), आईटीआई ट्रेड अप्रेंटिस (डीजल मैकेनिक/बेंच फिटर/इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक, इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर, प्लंबर)
पदों की संख्या - 19
योग्यता - ग्रेजुएट अप्रेंटिस पद के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग की डिग्री तथा टेक्निशियन अप्रेंटिस पद के लिए मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित ट्रेड में इंजीनियरिंग डिप्लोमा एवं आईटीआई ट्रेड अप्रेंटिस पद के लिए कक्षा दसवीं उत्तीर्ण हो तथा संबंधित ट्रेड में आईटीआई उत्तीर्ण हो।
अंतिम तिथि - 30 जून, 2025
वेब. - https://cochinshipyard.in

एडमिशन अलर्ट

राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधानशाला

पाठ्यक्रम का नाम - सांस्कृतिक संपदा के संरक्षण पर सर्टिफिकेट प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
योग्यता - रसायन विज्ञान में मास्टर डिग्री या ललित कला में मास्टर डिग्री या कला संरक्षण में मास्टर डिग्री
सीटों की संख्या - 30
अंतिम तिथि - 30 जून, 2025
वेब. - https://indianculture.gov.in

रेल परिवहन संस्थान

पाठ्यक्रम का नाम - परिवहन अर्थशास्त्र एवं प्रबंधन, मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट (कन्टेनराइजेशन) एवं लॉजिस्टिक्स प्रबंधन, रेल परिवहन एवं प्रबंधन, पोर्ट विकास और प्रबंधन
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से किसी भी विषय में स्नातक या तीन वर्षीय डिप्लोमा
अंतिम तिथि - 30 जून, 2025
वेब. - www.irt.indianrailways.gov.in

मध्यप्रदेश की नदियां

दमोह जिले की जलवायु, औद्योगिक विकास और अर्थव्यवस्था में सोनार नदी का योगदान

मध्यप्रदेश की धरती को प्रकृति ने नदियों की विपुलता से समृद्ध किया है। इसलिए प्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। नदियां जीवन और प्रकृति संवर्धन का आधार है। नदी तट पर कई संस्कृतियों का निर्माण और विकास हुआ है। जल, जीवन की इस विरासत से आपको परिचित करवाने के लिए रोज़गार और निर्माण में मध्यप्रदेश की नदियां स्तम्भ शुरू किया है। इस अंक में प्रस्तुत है मध्यप्रदेश की सोनार नदी का परिचय –

हमारी नदियां मात्र बहता पानी नहीं है, वे एक संस्कृति का निर्माण करती हैं। नदियों के आसपास नदी संसार बसा होता है। अपने जल ग्रहण क्षेत्र में नदियाँ जीव और वनस्पति जगत को पालती हैं। इससे क्षेत्र की प्रकृति संपदा का संरक्षण और संवर्धन होता है। नदियाँ पूजनीय हैं प्रकृति को समृद्ध करने के साथ-साथ नदियों का जैवविविधता के नियमन में भी महत्वपूर्ण योगदान है। ऐसे में मैदानी नदियाँ विशेषकर क्षेत्र विशेष में बहने वाली नदियों का अपना विशेष महत्व होता है। इन नदियों का क्षेत्र की संस्कृति, उपज और समृद्धि पर प्रभाव पड़ता है। ऐसी ही नदियों में से एक है मध्यप्रदेश की सोनार नदी।

सोनार नदी बुन्देलखण्ड की प्रमुख नदियों में से एक है। यह नदी दमोह जिले की मुख्य नदी तथा दमोह, सागर एवं पन्ना जिले की जीवनदायिनी है। सोनार नदी का महत्व न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से है, बल्कि यह नदी क्षेत्र की जलवायु और अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। सोनार नदी का पानी आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में खेती के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस नदी पर बने स्टाप डैम और अन्य जल संरचनाएं सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराती हैं, जिससे किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई करने में मदद मिलती है। सोनार नदी के पानी से ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उत्पादन बढ़ता है और किसानों की आय में वृद्धि होती है।

'सोनार' सागर जिले के गौरझामर के पास से निकलकर रहली, गढ़ाकोटा होते हुए दमोह जिले में पथरिया के पास प्रवेश करती है, जो नरसिंहगढ़ हटा से पन्ना जिले में जाकर 'केन' नदी में मिलती है। केन आगे जाकर यमुना में मिलती है। इस क्षेत्र के वर्षा का जल इस नदी के माध्यम से यमुना से होकर गंगा में पहुंचता है। सोनार नदी लगभग 200 किलोमीटर का सफर तय करती है। सोनार के किनारे रहली, गढ़ाकोटा, हटा जैसे शहर स्थित हैं वहीं इसके किनारे से कुछ ही दूरी पर पथरिया शहर बसा हुआ है। इन शहरवासियों के पेयजल का प्रमुख स्रोत सोनार है। इसके किनारे कई गांव बसे हैं इन गांवों में पेयजल की उपलब्धता तथा हजारों हैक्टेयर कृषि क्षेत्र की सिंचाई भी इसी नदी से हो रही है। नरसिंहगढ़ का सीमेंट कारखाना इसके ठीक किनारे स्थित है।

सहायक नदियां

सोनार नदी की सागर जिले में 03 प्रमुख सहायक नदियाँ हैं, दमोह जिले में 09 सहायक नदियां तथा पन्ना जिले में 01 सहायक नदी के साथ ही कई छोटे-छोटे नाले इसमें मिल रहे हैं।

सोनार दमोह जिले की जीवनधारा है, इसके किनारे बसे हुए लोगों में जागृति पैदा करने के लिए पिछले कई वर्षों से सोनार नदी संरक्षण जागरूकता का अभियान चलाया जा रहा है। विशेषकर इसे आस्था का केन्द्र बनाकर इसका संरक्षण प्रारंभ किया गया है। हमारी संस्कृति में नदी को पूजने की अवधारणा में प्राकृतिक सामंजस्य और सह-अस्तित्व का भाव है। जिसका हमारी आस्था और जीवन से संबंध है।

इसीलिए ग्राम हिनोताघाट में तय किया गया कि सोनार नदी संरक्षण के लिए एक परंपरा को विकसित किया जाये इसी अनुसार प्रतिवर्ष वर्षा प्रारंभ होने के बाद जब भी पहली धारा निकलती है तब आसपास के ग्रामवासी नदी का पूजन करते हैं। अब यह परंपरा निरंतर हो गई है। सोनार नदी के आस-पास बसे ग्रामों के लोग भी इस दिन पूजन करने लगे हैं।

सोनार नदी की कई सहायक नदियाँ हैं, जिनमें देहार, गधेरी, बेबस, कोपरा, जूड़ी और व्यारमा प्रमुख हैं।

भदभदा जलप्रपात

नरसिंहगढ़ के पास सोनार नदी एक सुंदर जलप्रपात बनाती है, जिसे भदभदा जलप्रपात कहा जाता है।

मंदिर और किले

सोनार नदी के किनारे कई प्राचीन मंदिर और किले स्थित हैं, जिनमें गौरी शंकर मंदिर, नरसिंहगढ़ किला और गढ़ाकोटा किला प्रमुख हैं।

सिंचाई

सोनार नदी पर कई स्टाप डैम बनाए गए हैं, जो सिंचाई के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन हैं।

सोनार नदी का परिचय

- **उद्गम :** सोनार नदी का उद्गम सागर जिले के केसली ब्लॉक के टांडा गांव के पास से हुआ है।
- **लंबाई :** इस नदी की कुल लंबाई लगभग 250 किलोमीटर है।

सोनार नदी के बहाव वाले जिले

सागर जिला

सोनार नदी का उद्गम सागर जिले के केसली ब्लॉक के टांडा गांव के पास से होता है।

दमोह जिला

सोनार नदी दमोह जिले से होकर बहती है, जहां यह नरसिंहगढ़ के पास एक जलप्रपात बनाती है, जिसे भदभदा जलप्रपात कहा जाता है।

पन्ना जिला

सोनार नदी पन्ना जिले में केन नदी में मिल जाती है।

सोनार नदी अपने उद्गम से लगभग 90 मील की यात्रा के बाद दमोह जिले में व्यारमा नदी में मिल जाती है। इस पर छोटे-बड़े कई डेम बने हैं। यह नदी पहले रहली, गढ़ाकोटा, पथरिया, हटा के मुख्य गांवों का जलस्रोत थी।

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जल संकट दूर करने के लिए प्रभावी कदम उठाये जा रहे हैं। बुंदेलखंड क्षेत्र में जल संकट खत्म करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। सरकार का संकल्प है कि प्रदेश की कोई भी नदी सूखी नहीं रहेगी। सोनार नदी को नर्मदा से जोड़ने के लिए सर्वे की कार्यवाही शुरू हो गई है। सर्वे पूरा होते ही आगे का काम शुरू होगा, जिससे इस क्षेत्र के किसानों को लाभ पहुंचेगा।

प्रस्तावित नर्मदा-सोनार लिंक परियोजना इस क्षेत्र के जल संकट को खत्म कर देगी। जिससे बुंदेलखंड की धरती पहले से भी ज्यादा उपजाऊ बन जाएगी।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

खेल चर्चा

एशियन चैम्पियनशिप में प्रणति ने जीता कांस्य पदक

जेचिओन, भारत की महिला जिम्नास्ट प्रणति नायक ने दक्षिण कोरिया में आयोजित 12वीं सीनियर महिला एशियन आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता है। प्रणति ने महिलाओं की वॉल्ट स्पर्धा में यह पदक जीता है। प्रणति ने स्पर्धा के फाइनल राउंड में जगह बनाई और 13.466 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इस स्पर्धा में चीन की यिहान झांग ने 13.650 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता है, वहीं 13.583 अंकों के साथ वियतनाम की थी क्यूनह न्हू नग्येन ने रजत पदक अपने नाम किया। उल्लेखनीय है कि प्रणति ने इस वर्ष मार्च में तुर्किये के आंताल्या में आयोजित एफआईजी विश्वकप में कांस्य पदक जीता था। महाद्वीपीय चैम्पियनशिप में प्रणति का यह कुल तीसरा पदक है।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप

दक्षिण अफ्रीका पहली बार बना टेस्ट चैम्पियन

लंदन, क्रिकेट की दुनिया में अहम मौकों पर चूक जाने वाली दक्षिण अफ्रीका टीम ने अपने ऊपर लगे 'चोकर्स' के टैग को धो दिया है। दक्षिण अफ्रीका पहली बार टेस्ट क्रिकेट का चैम्पियन बन गया है। दक्षिण अफ्रीका ने मार्करम की शतकीय पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया को हराकर आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 282 रनों का लक्ष्य दिया था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने पांच विकेट पर 285 रन बनाकर जीत हासिल की।

फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अफ्रीकी गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 212 रनों पर समेटकर अपने कप्तान के निर्णय को सफल बनाया, लेकिन पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज भी असफल रहे और 138 रन बनाकर टीम ऑल आउट हो गई। ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहली पारी के आधार पर 74 रनों की बढ़त मिली। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी। दूसरी पारी में एक समय ऑस्ट्रेलियाई टीम 73 रन के स्कोर पर 7 विकेट गंवाकर संकट में आ गई थी, लेकिन एलेक्स कैरी (43) और मिशेल स्टार्क (63) की शानदार

- टेस्ट चैम्पियनशिप का खिताब जीतने वाला तीसरा देश है दक्षिण अफ्रीका।
- इससे पहले न्यूजीलैंड ने (2021) में तथा ऑस्ट्रेलिया ने (2023) में जीता था खिताब।
- लॉर्ड्स में पांचवीं बार चेज हुआ 200 रन से अधिक का लक्ष्य।
- बावूमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने लगातार आठवां टेस्ट मैच जीता है।

पारी के दम पर टीम ने 207 रन बनाए और दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 282 रनों का लक्ष्य दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम की शुरुआत खराब रही। 70 रन पर टीम के 2 विकेट आउट हो गए, इसके बाद बल्लेबाजी करने आए कप्तान टेम्बा बावूमा ने एडेन मार्करम का बखूबी साथ दिया। दोनों बल्लेबाजों ने धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी की और तीसरे विकेट के लिए 147 रनों की शानदार साझेदारी कर टीम को जीत की पटरी पर ला दिया। टीम ने 83.4 ओवरों में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मार्करम ने 136 रनों की बेहतरीन पारी खेली, जबकि बावूमा ने 66 रन बनाए।

27 वर्ष बाद जीता आईसीसी खिताब

दक्षिण अफ्रीका ने 27 वर्ष के अंतराल के बाद कोई आईसीसी खिताब अपने नाम किया है। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने आखिरी बार वर्ष 1998 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (चैंपियंस ट्रॉफी) का खिताब अपने नाम किया था।

मध्यप्रदेश की प्राची और पूजा ने जीते स्वर्ण पदक

पटाया, मध्यप्रदेश की स्टार पैरा कैनो खिलाड़ी प्राची यादव और पूजा ओझा ने थाईलैंड में आयोजित एशियन पैरा कैनो चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते हैं। प्राची यादव ने महिलाओं की 200 मीटर रेस के केएल-2 और वीएल-2 वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किए, जबकि पूजा ओझा महिलाओं की 500 मीटर रेस के केएल-1 वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहीं। प्रतियोगिता में भारत की संगीता राजपूत महिलाओं की 500 मीटर और 200 मीटर रेस में कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं। प्राची यादव और पूजा ओझा ने प्रतियिगिता के पहले दिन भी स्वर्ण पदक जीते थे।

जर्मनी की तात्याना ने जीता क्वींस क्लब टेनिस खिताब

लंदन, जर्मनी की 37 वर्षीय महिला टेनिस खिलाड़ी तात्याना मारिया ने विम्बलडन के अभ्यास टूर्नामेंट क्वींस क्लब का खिताब जीत लिया है। लंदन के ग्रास कोर्ट पर खेले गए इस टूर्नामेंट के फाइनल में तात्याना ने अमेरिका की आठवीं वरीय खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा को सीधे सेटो में 6-3, 6-4 से हराया। यह तात्याना के टेनिस कॅरियर का पहला डब्ल्यूटीए-500 खिताब है।

आईसीसी महिला विश्वकप

भारत और पाकिस्तान के बीच 5 अक्टूबर को होगी टक्कर

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत और श्रीलंका की मेजबानी में आयोजित होने वाले महिला वन-डे विश्वकप का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इस विश्वकप में भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 30 सितंबर को बेंगलुरु में श्रीलंका के खिलाफ होने वाले मैच से करेगी और इसके बाद भारतीय टीम का सामना 5 अक्टूबर को पाकिस्तान से होगा। भारतीय टीम श्रीलंका और पाकिस्तान के साथ खेलने के बाद 9 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका और 12 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापत्तनम में खेलेगी। टीम 19 अक्टूबर को इंदौर में इंग्लैंड से भिड़ेगी और फिर 23 अक्टूबर को गुवाहाटी में उसके सामने न्यूजीलैंड की चुनौती होगी। भारतीय टीम 26 अक्टूबर को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में बांग्लादेश का सामना भी करेगी।

आईसीसी ने कहा कि महिला वन-डे विश्वकप की तारीखों और आयोजन स्थल

की घोषणा पहले ही कर दी थी, लेकिन अब इसका कार्यक्रम भी घोषित कर दिया। यह वैश्विक टूर्नामेंट 30 सितंबर से शुरू होगा, जिसका फाइनल मुकाबला 2 नवंबर को खेला जाएगा। इसके मुकाबले भारत और श्रीलंका के 5 शहरों में होंगे।

टूर्नामेंट में खेलेंगी 8 टीमें

महिला वन-डे विश्वकप में आठ टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया इस टूर्नामेंट में गत चैंपियन के तौर पर उतरेगी। ऑस्ट्रेलिया सात बार खिताब जीत चुकी है और वह टूर्नामेंट इतिहास की सबसे सफल टीम है।

फिन एलेन ने ट्वेंटी-20 मैच में लगाए 19 छक्के

ओकलैंड, न्यूजीलैंड के बल्लेबाज फिन एलेन ने अमेरिका में आयोजित मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी)-2025 में रिकॉर्डतोड़ पारी खेली है। इस पारी के दौरान एलेन ने कई रिकॉर्ड बनाए हैं। एमएलसी में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न के लिए खेलने वाले एलेन ने वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 51 गेंदों में 151 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान एलेन ने 19 छक्के लगाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। इससे पहले वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम एक ट्वेंटी-20 मैच में 18 छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड था। गेल ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग में अपनी पारी के दौरान 18 छक्के लगाए थे। इस मैच में फिन एलेन ने 34 गेंदों में शतक बनाया और 49 गेंदों में 150 रन पूरे किए। वह ट्वेंटी-20 क्रिकेट में 50 से कम गेंदों में 150 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं, इससे पहले यह रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस (52 गेंद) के नाम दर्ज था।

टीम एमजीडी-1

विश्व रैपिड खिताब जीतने वाली पहली भारतीय टीम बनी

लंदन, ब्रिटेन में सम्पन्न हुई फीडे विश्व रैपिड एंड ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप में भारत की टीम एमजीडी-1 ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए विश्व चैंपियन का खिताब अपने नाम कर लिया है। प्रतियोगिता के अंतिम दिन खेले गए चारों निर्णायक मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए टीम एमजीडी-1 ने कुल 12 में से 10 मैच जीते, एक ड्रॉ खेला और केवल एक मुकाबला गंवाया। 21 मैच प्वाइंट के साथ टीम ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। विश्व रैपिड टीम शतरंज चैंपियनशिप को क्लब फॉर्मेट में खेला जाता है, जिसमें अन्य देशों के खिलाड़ी भी शामिल होते हैं।

टूर्नामेंट के निर्णायक अंतिम राउंड में अर्जुन एरिगैसी और प्रणव वी की जीत से टीम एमजीडी-1 ने टीम माल्कम्स मेट्स को मात दी और खिताब अपने नाम किया। टीम एमजीडी-1 में भारतीय खिलाड़ियों में अर्जुन एरीगैसी, पेंटाला हरीकृष्णा, लियॉन मेन्डोंसा, प्रणव वी और अथर्व पी तायड़े शामिल थे, जबकि विदेशी खिलाड़ियों में

- यह खिताब जीतने वाली एमजीडी-1 टीम पहली भारतीय टीम है।
- टीम एमजीडी-1 इससे पहले दो बार रजत और एक बार कांस्य पदक जीत चुकी है।

स्पेन के अंटोन डेविड और महिला खिलाड़ी के तौर पर ग्रीस की स्टावरौला त्सोलकिदौ टीम में शामिल थीं। टीम के लिए सबसे बड़ी मजबूती बने एमेच्योर बोर्ड के खिलाड़ी अथर्व पी तायड़े, जिन्होंने लगातार 11 मुकाबले जीते और सिर्फ अंतिम राउंड में हार का सामना किया। दूसरे स्थान पर टीम हेक्सामाइंड रही, जिसने कुल 20 अंक अर्जित किए।

निशानेबाजी विश्वकप

भारतीय निशानेबाजों ने जीते दो स्वर्ण पदक

म्युनिख, भारतीय निशानेबाजों ने जर्मनी के म्युनिख में आयोजित आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए, दो स्वर्ण पदक सहित कुल चार पदक अपने नाम किए हैं। प्रतियोगिता में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक आर्या बोरसे और अर्जुन बबूता की जोड़ी ने जीता, जबकि दूसरा स्वर्ण पदक सुरुचि सिंह ने जीता। प्रतियोगिता में भारत की दो महिला निशानेबाज इलावेनिल वालारिवान और सिफत कौर सामरा ने अपने-अपने वर्ग में कांस्य पदक हासिल किए।

आर्या और अर्जुन का शानदार प्रदर्शन

प्रतियोगिता में आर्या बोरसे और अर्जुन बबूता की भारतीय जोड़ी ने 10 मीटर एयर

- इलावेनिल वालारिवान ने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में जीता कांस्य पदक।
- महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में सिफत कौर सामरा ने जीता कांस्य पदक।

राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। स्पर्धा के फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने चीन के जिफेई वांग और लिहाओ शेंग की जोड़ी को 17-7 से हराया। फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने धैर्य और एकाग्रता का शानदार प्रदर्शन किया और चीन की जोड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

इससे पहले भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन राउंड में 635.2 अंक का स्कोर बनाकर खिताबी राउंड में जगह बनाई थी। वहीं चीन की जोड़ी ने 635.9 अंक लेकर शीर्ष रैंक के साथ फाइनल में जगह बनाई थी। प्रतियोगिता में भारत की इलावेनिल वालारिवान और अंकुश जाधव की जोड़ी छठवें स्थान पर रही।

सुरुचि सिंह की स्वर्णिम हैट्रिक

निशानेबाजी विश्वकप में भारत की स्टार निशानेबाज सुरुचि सिंह का स्वर्णिम प्रदर्शन जारी है। इस विश्वकप में शुरुआती दो चरणों में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली सुरुचि ने तीसरे चरण में स्वर्णिम हैट्रिक लगाई। आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्वकप में सुरुचि का यह लगातार तीसरा स्वर्ण पदक है। सुरुचि ने फाइनल में 241.9 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। चीन की कांस्य पदक विजेता कियानक्सुन याओ को पछाड़ने के तुरंत बाद सुरुचि ने 10.5 अंक के साथ बढ़त हासिल कर ली, जबकि फ्रांस की रजत विजेता कैमिली जेड्रेजेवस्की सिर्फ 9.5 अंक का ही निशाना साध पायीं।

अर्मांड डुप्लेंटिस ने 12वीं बार बनाया विश्व रिकॉर्ड

स्टॉकहोम, स्वीडन के पोल वॉल्ट खिलाड़ी और ओलंपिक चैम्पियन अर्मांड डुप्लेंटिस ने एक बार फिर पोल वॉल्ट में नया इतिहास रच दिया है। 25 वर्षीय डुप्लेंटिस ने डायमंड लीग में पोल वॉल्ट स्पर्धा में 6.28 मीटर की छलांग लगाकर अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है। डुप्लेंटिस का पोल वॉल्ट में यह 12वां विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने फरवरी 2020 में 6.17 मीटर की छलांग लगाकर पहली बार विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया था, उन्होंने फ्रांस के दिग्गज खिलाड़ी लॉविलेनि का रिकॉर्ड (6.16 मीटर) तोड़ा था इसके बाद से ही वे अपने रिकॉर्ड को एक-एक सेंटीमीटर आगे बढ़ा रहे हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

सोलहवीं जनगणना के लिए खर्च होंगे 13,000 करोड़ रुपये

साल 2011 में हुई पिछली जनगणना के 16 साल बाद सरकार ने भारत की 16वीं जनगणना 2027 में कराने के लिए अधिसूचना जारी की। इसमें जाति गणना भी शामिल होगी। लद्दाख जैसे बर्फीले क्षेत्रों में जनगणना एक अक्टूबर 2026 की संदर्भ तिथि तथा देश के बाकी हिस्सों में एक मार्च 2027 की संदर्भ तिथि से की जाएगी। जनसंख्या संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराने का यह कार्य लगभग 34 लाख गणनाकर्ताओं, पर्यवेक्षकों तथा डिजिटल उपकरणों से लैस 1.3 लाख जनगणना कर्मियों द्वारा किया जाएगा।

ईरान-इजराइल संघर्ष पर यूरोपीय संघ चिंतित

ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते सैन्य टकराव को लेकर यूरोपीय संघ (ईयू) ने गहरी चिंता जताई है। इसी सिलसिले में यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने ईयू के सभी विदेश मंत्रियों की एक आपातकालीन वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक बुलाई। प्रवक्ता के अनुसार, इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ईरान और इजराइल के बीच चल रहे संघर्ष पर चर्चा, तेहरान और तेल-अवीव के साथ कूटनीतिक संपर्क के प्रयासों का समन्वय तथा संभावित आगे कदमों की रणनीति तय करना है। ज्ञात रहे कि यूरोपीय संघ लंबे समय से ईरान परमाणु समझौते का समर्थक रहा है और वह इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा टकराव कहीं पूरे क्षेत्र को युद्ध की आग में न झोंक दे।

भारतीय दूतावास ने तेल अवीव में शुरू की हेल्पलाइन

ईरान से इजराइल का संघर्ष बढ़ने के बाद तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास ने चौबीस घंटे की आपातकालीन हेल्पलाइन शुरू की और भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी। साथ ही संदेश दिया कि किसी भी आपात स्थिति में कृपया दूतावास की 24 घंटे वाली हेल्पलाइन पर संपर्क करें। दूतावास ने भारतीय नागरिकों को सलाह के अनुसार सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने का परामर्श दिया। पश्चिम एशिया में उत्पन्न स्थिति के बीच भारत ने इजराइल, ईरान और फिलीस्तीन में अपने नागरिकों से सतर्क रहने और स्थानीय स्तर पर दिए गए निर्देशानुसार सुरक्षा एवं आपातकालीन प्रक्रियाओं का पालन करने का आग्रह किया।

वियतनाम बना ब्रिक्स का साझेदार सदस्य

दुनिया के पांच प्रमुख देशों की अर्थव्यवस्थाओं वाले संगठन 'ब्रिक्स' में वियतनाम को आधिकारिक तौर पर एक 'साझेदार' के तौर पर शामिल कर लिया गया है। ब्रिक्स देशों में रूस, भारत, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। कुछ समय से इस शक्तिशाली वैश्विक संगठन का सदस्य बनने की इच्छा व्यक्त करने के बाद वियतनाम अब 10वां 'ब्रिक्स साझेदार' सदस्य बन गया है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन में ऊर्जा सुरक्षा पर हुए आउटरीच सेशन को किया संबोधित

वर्ष 2030 तक भारत क्लीन एनर्जी के लिये 500 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी के लक्ष्य की प्राप्ति की ओर दृढ़ता से अग्रसर - प्रधानमंत्री

कनाडा के अल्बर्टा के कनानैस्किस में आयोजित 51वें वार्षिक जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ऊर्जा सुरक्षा पर आयोजित आउटरीच सेशन को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भावी पीढ़ियों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। हम इसे केवल अपनी प्राथमिकता ही नहीं, बल्कि अपने देशवासियों के प्रति जिम्मेदारी भी मानते हैं।

उन्होंने कहा कि अवेलेबिलिटी, ऐक्सेसेबिलिटी, अफोर्डेबिलिटी और एक्सेप्टेबिलिटी के मूल सिद्धांतों पर आगे बढ़ते हुए भारत ने समावेशी विकास का रास्ता तय किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत के लगभग सभी घर बिजली से कनेक्टेड हैं। भारत सबसे कम प्रति यूनिट इलेक्ट्रिसिटी कॉस्ट वाले देशों में शामिल है। विश्व की फास्टेस्ट ग्रोइंग मेजर इकोनॉमी होते हुए भी, भारत पेरिस कमिटमेंट को समय से पहले पूरा करने वाला देश है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत वर्ष 2070 तक नेट जीरो के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

पूरी मानवता पर आघात था पहलगाम हमला

प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के विषय पर कहा कि आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। हाल ही में भारत को एक क्रूर और कायरतापूर्ण आतंकी हमले का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को हुआ आतंकी हमला केवल पहलगाम पर ही नहीं, बल्कि हर भारतीय की आत्मा, अस्मिता और गरिमा पर भी सीधा आघात था। यह पूरी मानवता पर आघात था। उन्होंने कहा कि आतंकवाद मानवता का दुश्मन है।

लक्ष्य की ओर दृढ़ता से अग्रसर हैं

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी के लक्ष्य की ओर दृढ़ता से अग्रसर हैं। क्लीन एनर्जी के लिए हम ग्रीन हाइड्रोजन, न्यूक्लियर एनर्जी, एथेनॉल ब्लेंडिंग पर जोर दे रहे हैं। हम विश्व के सभी देशों को ग्रीन और सस्टेनेबल फ्यूचर की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। हमने इंटरनेशनल सोलर अलायंस, कोलिटेशन फॉर डिजास्टर रेसिलेंट इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन, ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस और वन सन वन वर्ल्ड वन ग्रिड जैसी वैश्विक पहलों की शुरुआत की है।

सभी देशों को साथ लेकर चलना आवश्यक

प्रधानमंत्री ने कहा कि एनर्जी ट्रांसजिशन की दिशा में आगे बढ़ते हुए सभी देशों का साथ चलना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि "मैं नहीं, हम" की भावना से आगे बढ़ना होगा। दुर्भाग्यवश अनसर्टिनिटी और कॉन्फ्लिक्ट्स का सबसे अधिक असर ग्लोबल साउथ के देशों को झेलना पड़ता है। तनाव चाहे विश्व के किसी भी कोने में हो, इन देशों पर फूड, फ्यूल, फर्टिलाइजर और फाइनेंशियल क्राइसेस का कहर सबसे पहले टूटता है।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता अनिवार्य

आतंकवाद लोकतान्त्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले सभी देशों का विरोधी है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता अनिवार्य है। भारत के पड़ोस में तो आतंकवाद का ब्रीडिंग ग्राउन्ड है। वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए, हमारी सोच और नीति स्पष्ट होनी चाहिए- यदि कोई भी देश आतंकवाद का समर्थन करता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी।

ह्यूमन सेंट्रिक एप्रोच पर आधारित रहे प्रयास

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में हमारे सभी प्रयास ह्यूमन सेंट्रिक एप्रोच पर आधारित रहे हैं। हम मानते हैं कि किसी भी टेक्नोलॉजी का वास्तविक मूल्य तभी है जब उसका लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे। ग्लोबल साउथ में भी कोई अछूता न रहे। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हमें ह्यूमन सेंट्रिक एप्रोच रखनी चाहिए। हर कोई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के सामर्थ्य और उसकी उपयोगिता को स्वीकार करता है। एआई की शक्ति और क्षमता हमारी चुनौती नहीं है।

परमाणु हथियारों में भारत की बढ़ी धाक

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट (सिपरी) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट सिपरी ईयरबुक 2025 जारी की है जिसमें वैश्विक परमाणु स्थिति और हथियार नियंत्रण पर चिंताएं जताई गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया परमाणु हथियारों की होड़ की ओर बढ़ रही है, जबकि हथियार नियंत्रण समझौते कमजोर हो गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 172 परमाणु वॉरहेड्स से बढ़ाकर 2025 में 180 वॉरहेड्स तक जखीरा बढ़ाया है। भारत न केवल परमाणु शस्त्रागार को बढ़ा रहा है, अत्याधुनिक डिलीवरी सिस्टम जैसे कैनिस्टराइज्ड मिसाइलों पर भी काम कर रहा है। इनमें अग्नि-प्राइम मिसाइल सिस्टम और मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल सक्षम अग्नि-5 शामिल हैं। चीन हर साल करीब 100 वॉरहेड्स जोड़ रहा है। चीन 2035 तक 1500 वॉरहेड्स तक पहुंच सकता है। वैश्विक स्तर पर 12241 परमाणु वॉरहेड्स में से 9614 सैन्य स्टॉक में हैं और लगभग 3912 परिचालन मिसाइलों और विमानों पर तैनात किए हैं, शेष केन्द्रीय भंडार में रखे गए हैं।

अंटार्कटिका की बर्फ के नीचे से मिले रहस्यमयी रेडियो सिग्नल, वैज्ञानिक हैरान

अंटार्कटिका की बर्फ के नीचे से आ रही रहस्यमयी रेडियो तरंगों ने वैज्ञानिकों को उलझन में डाल दिया है। ये सिग्नल इतने अजीब हैं कि मौजूदा कण भौतिकी के सिद्धांत भी उन्हें समझा नहीं पा रहा है। यह गूंज शायद विज्ञान को उस हद तक ले जा सकती है, जहां ब्रह्मांड के कुछ सबसे अनसुलझे रहस्य छुपे हैं। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिल्वेनिया की रिसर्च टीम ने यह खोज अंटार्कटिक इंपल्सिव ट्रांजिएंट एंटीना के जरिए की। इन रेडियो तरंगों की दिशा बर्फ की सतह से 30 डिग्री नीचे थी, सामान्य हालात में ऐसी तरंगें हजारों किलोमीटर चट्टानों से गुजरने के बाद डिटेक्ट नहीं हो सकतीं, लेकिन फिर भी वे रिकॉर्ड हुईं।

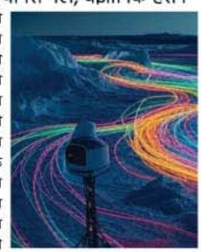

अरावली पर्वत भारत की सभ्यता और विरासत का उद्गम स्थल भी है – केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा रोकथाम दिवस 2025 के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। "मरुस्थलीकरण एवं सूखा रोकथाम की रणनीतियां" विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में शुष्क एवं अर्ध-शुष्क पारिस्थितिकी तंत्रों में सतत भूमि प्रबंधन पर परिचर्चा की गई।

इस अवसर पर उपस्थित केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने मरुस्थलीकरण से निपटने और पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए भारत द्वारा किए जा रहे सकारात्मक उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने टिकाऊ कृषि पद्धतियों, समुदाय-संचालित पहलों और प्राकृतिक पारिस्थितिकी प्रणालियों के संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत की भूमि का एक बड़ा हिस्सा मरुस्थलीकरण के कारण चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिसका मुख्य कारण असंवहनीय कृषि पद्धतियां, यूरिया जैसे उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग और अंधाधुंध कीटनाशकों का प्रयोग है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी प्रणालियां न केवल भूमि को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि खाद्य सुरक्षा और जैव विविधता के लिए भी खतरा पैदा करती हैं।

पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन होगा सुनिश्चित

केंद्रीय मंत्री ने वर्ष 2047 के लक्ष्यों की ओर संकेत देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भारत आर्थिक विकास के साथ पारिस्थितिक स्थिरता को एकीकृत करके हरित अर्थव्यवस्था स्थापित करेगा। उन्होंने दोहराया कि राष्ट्र के विकास की दिशा और पारिस्थितिक संरक्षण के साथ तालमेल बिठाना होगा, जिससे विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच सामंजस्यपूर्ण संतुलन सुनिश्चित होगा। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह भी उपस्थित रहे।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।